

Daily सच के हक में...

Lakshmi Manchu's Shimmer Silver...

Ranchi ● Thursday, 27 June 2024 ● Year: 02 ● Issue: 159 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

: 78,674.25 : 23,868.80

चांदी

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS कल होगी झारखंड कैबिनेट की बैठक, होंगे कई निर्णय

RANCHI: राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक २८ जून को होगी। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन की अध्यक्षता में शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जायेंगे। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने आदेश जारी किया है और विभागों से प्रस्ताव मांगा है।

कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम की मांग

BENGALURU : कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने की मांग उट रही है। कर्नाटक के कुछ मंत्री वीराशैवा-लिंगायत, एससी-एसटी और माइनॉरिटी कम्युनिटी के नेताओं को डिप्टी सीएम दिए जाने की पैरवी कर रहे हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि इस मामले में कांग्रेस हाईकमान का फैसला फाइनल होगा। फिलहाल कर्नाटक में डिप्टी सीएम के पद पर वोक्कालिगा समुदाय के डीके शिवकुमार हैं। को-ऑपरेशन मिनिस्टर केएन राजन्ना, हाउसिंग मिनिस्टर बीजेड जमीर अहमद खान, पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर सतीश जारकीहोली समेत कई अन्य नेताओं ने इस हफ्ते राज्य में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने का मामला

राहुल को सुल्तानपुर कोर्ट में पेश होने का आदेश

SULTANPUR : सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को अमित शाह हेट स्पीच केस में 2 जुलाई को पेश होने का आदेश दियाँ है। बुधवार को सुनवाई के दौरान जज ने राहुल के वकील से पूछा कि वह कहां हैं? वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि लोकसभा में स्पीकर पद का चुनाव है। इसलिए वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट ने राहुल को 2 जुलाई को व्यक्तिगत रूप स हााजर हान का आदश दिय है। ८ मई २०१८ को बेंगलुरु में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित

अमेरिका में भारतवंशी कपल को 11 साल की जेल

शाह को हत्या का आरोपी कहा था।

NEW DELHI: अमेरिका में एक भारतवंशी जोड़े ने अपने एक रिश्तेदार को स्कूल में पढ़ाने के बहाने अमेरिका लाकर 3 साल तक उससे जबरदस्ती पेट्रोल पंप और जनरल स्टोर पर काम कराया। अमेरिका की कोर्ट ने इस कपल को 11.25 साल तक की जेल की सजा सुनाई है। 31 साल के भारतीय अमेरिकी नागरिक हरमनप्रीत सिंह और उनकी 43 साल की पत्नी कुलबीर कौर को पीडित व्यक्ति को 1.87 करोड़ रुपए का हजार्ना देने का भी आदेश दिया है। हरमनप्रीत और कुलबीर का अब तलाक हो चुका है। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों आरोपी अपने रिश्तेदार को झूटा वादा करके अमेरिका लेकर आए।

प्रधानमंत्री मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, किरेन रिजिजू आसन तक ले गए

ओम बिरला दूसरी बार चुने गए लोस अध्यक्ष

AGENCY NEW DELHI:

बुधवार को ओम बिरला को 18वीं लोकसभा का स्पीकर चुन लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओम बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा। विपक्ष की ओर से के. सुरेश का नाम प्रस्तावित किया गया। इसके बाद ध्वनिमत से ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने का प्रस्ताव पारित हो गया। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता में यह कार्यवाही पूरी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिज और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ओम बिरला को अध्यक्ष की कुर्सी तक लेकर पहुंचे और बधाई दी। इसके बाद पीएम मोदी, राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने ओम बिरला को बधाई संदेश दिया। गौरतलब है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति नहीं बनने के बाद चुनाव की नौबत आई थी। पांच दशक बाद यह पहला मौका रहा, जब ध्वनिमत या वोटिंग से स्पीकर का चुनाव हुआ। इससे पहले 1952 और 1976 में लोकसभा अध्यक्ष के लिए मतदान हुआ था। नए अध्यक्ष के चुनाव में सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओम बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा। इसके बाद अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, ललन सिंह, चिराग पासवान समेत अन्य नेताओं ने भी प्रस्ताव रखा और अनुमोदन किया। इसके बाद विपक्ष की ओर से के. सुरेश के नाम का प्रस्ताव रखा गया। 'इंडिया' के बड़े नेताओं ने प्रस्ताव और अनमोदन किया।

• प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता में पूरी हुई यह कार्यवाही

- पक्ष-विपक्ष के सभी वरिष्ठ सदस्यों ने दी बधाई
- सहमति नहीं बनने के कारण आई चुनाव की
- 1952 और 1976 में लोकसभा अध्यक्ष के लिए हुआ था मतदान



ओम बिरला के साथ पीएम मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व किरेन रिजिजू।

१८वीं लोकसभा देश के नागरिकों के सपने पूरे करेगी : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनकी अध्यक्षता में 18वीं लोकसभा देश के नागरिकों के सपनों को सफलतापूर्वक पुरा करेगी। इसके बाद बिरला को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं, यह इस सदन का सौभाग्य है। अटारहवीं लोकसभा में अध्यक्ष का कार्यभार दूसरी बार संभालना, अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। आपको और पूरे सदन को मेरी तरफ से बधाई और शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने



कहा कि अमतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा, ह्यह्यहम सबका विश्वास है कि आने वाले पांच साल में आप हमारा मार्गदर्शन करेंगे और देश की आकांक्षाओं तथा अपेक्षाओं को परा करने में आपकी बड़ी भूमिका रहेगी।

राहुल गांधी बने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष, ओम बिरला को दी बधाई

९ जुन २०२४ से प्रभावी रहेगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तुहरि महताब को पत्र भेज कर कांग्रेस के इस फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया था कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सदन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओम बिरला को बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह विपक्ष को बोलने का मौका देकर संविधान की रक्षा का अपना दायित्व निभाएंगे। कांग्रेस नेता

राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा



ने कहा, मैं आपके दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर आपकों बधाई देना चाहता हूं। मैं पूरे विपक्ष की ओर से, 'इंडिया' गढबंधन की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूं। राहुल गांधी ने कहा, अध्यक्ष महोदय, यह सदन भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज के

बिरला दूसरी बार लोकसमा अध्यक्ष बनने वाले छटे सांसद

एमए अय्यंगर, डॉ. गुरदयाल सिंह ढिल्लों, डॉ. नीलम संजीव रेड्डी, डॉ. बलराम जाखड़ और गंती मोहन चंद्र बालयोगी ऐसे लोकसभा अध्यक्ष रहे हैं, जो दो बार इस पद पर रहे हैं। इनमें से सर्वाधिक लंबा कार्यकाल डॉ. बलराम जाखंड का रहा है। वे 1980 से लेकर १९८५ और इसके बाद १९८९ तक लोकसभा के अध्यक्ष रहे हैं।ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष बनने के साथ ही दूसरी बार स्पीकर बनने वाले छठें सांसद बन गए हैं। इसके साथ ही १८वीं लोकसभा का कार्यकाल परा करते ही बलराम जाखड़ के भी सबसे लंबे कार्यकाल के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।

दिसंबर 1962 को जन्मे ओम बिरला ने 2003 में उन्होंने कोटा साउथ विधानसभा 2008 और 2013 में हुए विधानसभा चुनाव में भी जीत हासिल की। ओम बिरला पहली बार 2014 में कोटा-बंर्ड लोकसभा क्षेत्र से पहला लोकसभा चनाव लड़ा। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी इज्यराज सिंह को 2 लाख से अधिक वोटों से हराया था। २०१९ में उन्होंने दोबारा चुनाव जीता और लोकसभा के अध्यक्ष बनाए गए। वहीं 2024 में भी भाजपा ने

ऐसा है राजनीतिक सफर

लोकसभा अध्यक्ष का अंकुश सत्ता पक्ष पर भी रहना चाहिए : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा के नवविर्वाचित अध्यक्ष ओम बिरला को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनका अंकुश विपक्ष के साथ साथ सत्तापक्ष पर भी रहेगा तथा निष्कासन जैसी कार्रवाई नहीं होगी। उत्तर प्रदेश के कन्नौज से लोकसभा सदस्य अखिलेश यादव ने कहा, जिस पद पर आप बैठे हैं, उससे बहुत गौरवशाली परंपराएं जुड़ी हुई हैं। हम सब यही मानते हैं कि यह बिना भेदभाव के आगे बढ़ेगा और



उन पर तीसरी बार भरोसा जताया।

लोकसभा अध्यक्ष के रूप में आप हर सांसद और हर दल को बराबरी से मौका देंगे। हम सबकी अपेक्षा है कि किसी भी जनप्रतिनिधि की आवाज दबाई न जाए और न ही दोबारा निष्कासन जैसी कार्रवाई सदन की

विपक्ष ने डिप्टी स्पीकर का पद नहीं दिए जाने पर किया स्पीकर के चुनाव का प्रतीकात्मक विरोध

18वीं लोकसभा में स्पीकर का निर्विरोध चुनाव नहीं हो सका। विपक्ष इसका सबसे बड़ा कारण डिप्टी स्पीकर की शर्त को सत्ता पक्ष द्वारा मंजूर नहीं किया जाना बता रहा है। विपक्षी सांसद यह मानकर चल रहे थे कि सत्ता पक्ष के पास अच्छी खासी संख्या सदन में मौजूद है, ऐसे में स्पीकर का पद पर सत्ता पक्ष की ओर से ओम बिरला का स्पीकर पद पर चुना जाना तय है। हालांकि, विपक्ष के सांसदों ने सदन और सदन के बाहर ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष पद पर चुने बधाई भी दी, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनका यह विरोध प्रतीकात्मक था। संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत में शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुवेदीं ने कहा कि संविधान के अनुसार हम स्पीकर के लिए विपक्षी नेता को नामित कर सकते हैं। इसलिए हमने संवैधानिक पद के लिए अपने उम्मीदवार को नामांकित किया। उन्होंने कहा कि हम जानते थे कि हमारे पास संख्या बल नहीं है. लेकिन उन्हें यह याद दिलाना जरूरी था कि वे जो चाहें, हम उन्हें ऐसा नहीं करने देंगे।

रोज 30 मिनट पत्नी व वकील से मिल सकेंगे

तीन दिनों की सीबीआई रिमांड पर CM केजरीवाल

AGENCY NEW DELHI: बधवार को दिल्ली के मख्यमंत्री

अरविंद केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट ने तीन दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया। कोर्ट ने उन्हें इजाजत दी है कि वे रोजाना अपनी पत्नी से और तीस मिनट अपने वकील से मिल सकेंगे। इसके साथ उन्हें अपनी दवाएं रख सकेंगे और उनके लिए घर का खाना आ सकेगा। बधवार सबह सीबीआई ने शराब नीति केस में भ्रष्टाचार के आरोप में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश कर 5 दिन की कस्टडी मांगी। कोर्ट ने करीब 4 घंटे तक दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शाम 7 बजे कोर्ट ने फैसला सुनाया। अगली सुनवाई 29 जून को होगी। सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मीडिया में खबर चलाई जा रही है कि मैंने सिसोदिया पर शराब नीति



- शराब नीति केस में भ्रष्टाचार के आरोप में किया गया था गिरफ्तार
- ट्रायल कोर्ट में पेश कर एजेंसी ने मांगी थी 5 दिनों की कस्टडी
- अरविंद बोले- मनीष सिसोदिया पर मैंने कोई आरोप नहीं लगाए

के आरोप लगाए हैं। यह गलत है। मैंने कहा था कि कोई दोषी नहीं हैं। सिसोदिया भी दोषी नहीं हैं। इस पर सीबीआई के वकील ने कहा मीडिया में जो चल रहा है वह सब

शेयर बाजार ने लोकसभा स्पीकर को दी सलामी ६२१ अंक उछला सेंसेक्स

NEW DELHI : बुधवार को घरेलू शेयर बाजार ने 18वीं लोकसभा के नए अध्यक्ष ओम बिड़ला को नए शिखर पर चढ़कर सलामी दी है। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सचकांक सेंसेक्स 620.73 अंकों की छलांग के साथ अब तक के अपने उच्चतम स्तर 78,674.25 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 147.50 अंक उछलकर 23,868.80 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को सेंसेक्स ७१२ .४४ अंक उछलकर 78,053.52 के नए शिखर पर बंद हुआ, जबिक निपटी भी 183.45 अंक चढ़कर 23,721.30 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। घरेलू शेयर बाजार के कारोबार के अंत में जिन कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी बनी रही, उनमें इंडिया सीमेंट्स, वोडाफोन आइडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बायोकॉन, भारती एयरटेल, जीएमआर एयरपोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, जेके सीमेंट्स, ग्रासिम, ब्रिटानिया, अंबुजा सीमेंट्स, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, बंधन बैंक, श्रीराम सीमेंट्स और डॉ लाल पैथ लैब शामिल हैं।

हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्राचार्य को एजेंसी ने उठाया, होगी पूछताछ

नीट पेपर लीक में तीन दिनों की सीबीआई रिमांड पर चिंदू और मुकेश, उगलेंगे कई राज

PHOTON NEWS TEAM:

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई दो आरोपियों से पूछताछ करेगी। इनमें चिंदू कुमार और मुकेश कुमार शामिल हैं। सीबीआई कोर्ट के स्पेशल जज हर्षवर्धन सिंह ने बुधवार सुबह दोनों को 3 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। ईओय की टीम ने दोनों को 22 जून को नालंदा जिले के बिहार थाना क्षेत्र के मरौरा गांव से गिरफ्तार किया था। उधर, कोलकाता पुलिस ने 25 जून की देर रात एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोप है कि इसने स्टडेंट के पेरेंट्स से मेरिट लिस्ट में नाम जोड़ने और कॉलेज में मेडिकल सीट देने के लिए 5 से 12 लाख रुपये तक की रकम वसूली है। इस मामले में अब तक 5 राज्यों में 27 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।



जांच करने पहुंची थी सीबीआई की टीम

नीट पेपर लीक केस की जांच करने सीबीआई की टीम बुधवार की दोपहर में ओएसिस स्कूल पहुंची। टीम ने ओएसिस स्कूल के प्राचार्य डॉ एहसान उल हक से पूछताछ करने के बाद अपने साथ ले गई है। अब चरही गेस्ट हाउस (सीसीएल) में टीम उनस फिर पूछताछ करेगी। बता दें कि सीबीआई टीम के 12 सदस्य तीन वाहनों से हजारीबाग पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। चार मई को पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के खेमनीचक

स्थित लर्न्ड एवं प्ले स्कूल समेत अन्य स्थानों पर पुलिस ने छापेमारी की थी। यहां अधजला नीट-यूजी का प्रश्न-पत्र पुलिस ने बरामद किया था। जांच में प्रश्न-पत्र का कोड हजारीबाग के ओएसिस स्कूल का मिला। फिर सीबीआई की टीम हजारीबाग जांच के लिए पहुंची। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम से जांच के सभी दस्तावेज लेने के बाद सीबीआई मामले की जांच कर रही है।

संजीव ने प्रश्न पत्र की सॉल्वड पीडीएफ कॉपी को भेजा ईओयू की जांच में खुलासा हुआ है कि प्रश्न

पत्र की सॉल्वड पीडीएफ कॉपी संजीव कुमार उर्फ लूटन मुखिया के माध्यम से गेरफ्तार अभियुक्त बालदेव कुमार उर्फ चिंट्र के मोबाइल पर परीक्षा तिथि पांच मई की सुबह पहुंची थी, जिसके बाद उसे अभ्यर्थियों को रटवाया गया। अधजले प्रश्न के सीरियल कोड से संबंधित जानकारी 20 जुलाई को एनटीए से मिलने के बाद स्पष्ट हुआ कि यह सीरियल कोड हजारीबाग के मंडई रोड के कल्लू चौक स्थित ओएसिस स्कूल का है। इसके बाद ईओयू की टीम ने हजारीबाग जाकर इसका सत्यापन किया।सत्यापन में पैकिंग ट्रंक में प्रथम दृष्टया छेड्छाड़ होना पाया गया है। ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल ने पिछले दिनों बताया था कि निदेशों का पालन करते हुए उन्होंने पांच मई को नीट यूजी परीक्षा आयोजित की थी।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने धनबाद से राज्यवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार का दिया उपहार

झारखंड के युवाओं को 25 लाख तक मिलेगा लोन

धनबाद से सीएम चम्पाई सोरेन ने राज्य के लोगों के लिए कई नई घोषणाएं की हैं। यह घोषणाएं बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित शिलान्यास, उद्घाटन और परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने की। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पूरे भारत की नजर धनबाद पर है। यहां का कोयला प्रसिद्ध है। लोकसभा चुनाव के कारण तीन महीने तक सारा काम रुक गया था। लोकसभा चुनाव

समाप्त होने के बाद यहां की शिक्षा

और सामाजिक स्थिति को देखा।

चम्पाई सोरेन ने कहा कि सभी वर्ग

PHOTON NEWS DHANBAD:



लामुक को योजना का लाम देते सीएम चम्पाई सोरेन।

को ध्यान में रखते हुए राज्य का विकास किया जाएगा। आम लोगों की भावना के अनुरूप योजना तैयार की जाएगी। युवकों को 25 लाख तक का लोन और उस लोन पर 40 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। 50 हजार शिक्षक और सिपाही बहाली की शुरूआत हो चुकी है। आने वाले तीन महीने बहालियों के महीने होंगे। धनबाद के आउटसोर्सिंग कंपनियों ने जो किया है उसका भी सुधार होगा। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने माफ करने की योजना का लाभ 30 लाख उपभोक्ताओं को मिला। अब सरकार 200 यूनिट बिजली फ्री देगी। वहीं, पूरे झारखंड में 15000 किमी सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। हर गांव को सड़क से जोड़ दिया जाएगा। ग्राम गाड़ी योजना के तहत पेंशनभोगी वर्ग फ्री में आना-कहा कि धनबाद एक धनी जिला

है। यहां के विस्थापित और मजदुर

वर्ग की ओर हमारी सरकार का

ध्यान है। हम राज्य में ऐसी नीति

लाने का काम कर रहें हैं जिससे

कोई विस्थापित न हो और फायदा

सोरेन ने कहा कि 125 यूनिट बिजली

भी मिले। अलग झारखंड राज्य बने 24 साल हो गए। डबल इंजन की सरकार की नजर केवल यहां के खनिज पर थी। पर 2019 में राज्य के लोगों ने हेमंत सोरेन के हाथों में

राज्य की सत्ता सौंप दी।

जाना कर सकेगा। अगले माह से

मुख्यमंत्री बहन बेटी योजना शुरू करने

जा रहे हैं। इसके तहत 25 से 50 साल

देंगे। १५ लाख तक अबुआ स्वस्थ बीमा

तक कि बहन-बेटी को सम्मान राशि

योजना जुलाई महीने से ही शुरू हो

जाएगी। पंचयात में उपस्वास्थ्य केंद्र

रहेगा और हर दवा वहां उपलब्ध

भाजपा नेता की हत्या के मामले में एनआईए की टीम ने मारा छापा

RAIPUR: राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के संदिग्ध सदस्यों द्वारा भाजपा नेता रतन दुबे की हत्या के मामले की जांच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एक दर्जन स्थानों पर छापेमारी की। दुबे की चार नवंबर को 2023 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान छत्तीसगढ के नारायणपुर जिले के कौशलनार साप्ताहिक बाजार में कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई थी। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की अब तक की जांच के अनुसार प्रतिबंधित भाकपा से जुड़े हथियारबंद हमलावरों ने भाजपा नेता की हत्या की थी। जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा, भाकपा के पूर्वी बस्तर संभाग के बयानार एरिया कमेटी के विभिन्न संदिग्धों और नक्सल समर्थकों से जुड़े परिसरों पर कार्रवाई करते हुए एनआईए ने आज तोयनार, कौशलनार, बडेनहोद, धौड़ाई और कोंगेरा गांवों में 12 स्थानों पर छापेमारी की।

टेरिस्ट अटैक के बाद एक्शन में भारतीय सेना

मुटभेड़ में जवानों ने तीन आतंकियों को किया ढेर

बुधवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा

जिले के एक वन क्षेत्र में जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी जिले में 11 और 12 जून को हुए दोहरे आतंकवादी हमले के बाद पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा गहन तलाशी और घेराबंदी अभियान चलाया जा रहा था। इसी तलाशी अभियान के दौरान सुबह नौ बज कर 50 मिनट पर गंडोह क्षेत्र के बजाद गांव में गोलीबारी शुरू हुई। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों की मदद से पुलिस ने



आंतकवादियों के अभियान चलाया, लेकिन एक ढोक (मिट्टी के घर) में छिपे आतंकवादियों की ओर से भारी गोलीबारी की गई। एक आतंकी ने बाहर आकर सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। तभी सुरक्षाबलों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया। उसके बाद दो और को सुरक्षाबलों ने मार

म्यूटेशन को लेकर डीसी दिखीं गंभीर

अंचलाधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक और सूर्य मंदिर कमेटी के बीच और बढ़ा विवाद

सरयू का दावा-मंदिर और मैदान अलग चंद्रगुप्त सिंह व भूपेंद्र फैला रहे अफवाह

विधायक सरयू राय ने बुधवार को बिष्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सूर्य मंदिर सिदगोड़ा के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह काफी दिनों से अफवाह फैला रहे हैं कि शंख मैदान सूर्य मंदिर परिसर का हिस्सा है और मैं इसकी धार्मिक आस्था पर चोट करने के लिए विधायक निधि से यहां बास्केटबॉल कोर्ट सहित कई काम कराना चाहता हुं, इसलिए उन्होंने इसे रोक दिया है। सच्चाई यह है कि शंख मैदान और सूर्य मंदिर दोनों अलग-अलग इकाई हैं। दोनों के बीच बाउंडीवाल (चारदीवारी) का निर्माण 3 दिसंबर 2022 और



पत्रकार वार्ता में जानकारी देते विधायक सरयू राय • फोटोन न्यूज

सांसद निधि से 13,15,955 रुपये बाउंड्रीवाल को सूर्य मंदिर समिति के लोगों ने 12 अप्रैल 2024 को तोड़ दिया है, जिसके विरुद्ध जमशेदपुर अक्षेस ने सिदगोड़ा थाना में 14 अप्रैल 2024 को प्राथमिकी दर्ज कराई है। ऐसा

मैदान पर कब्जा कर लिया जाय। आश्चर्य है कि इस योजना का न तो शिलान्यास हुआ, न लोकार्पण हुआ और न शिलापट्ट लगाया गया। यह जानकारी पूर्वी सिंहभूम के जिला अभियंता ने 13 दिसंबर

मैंने अपनी विधायक निधि से शंख

के लिए बेंच लगाने और शंख को धमकी इसका प्रमाण है। उचित स्थान पर रखने तथा जिला प्रशासन से मेरी शिकायत है श्रीमद्भागवत गीता में वर्णित छह कि वे सरकारी संपत्ति की रक्षा शंखों को मैदान के किनारे लगाने करने में विफल साबित हुए हैं। के लिए अनुशंसा भेजी थी। जिसे

उप विकास आयुक्त ने स्वीकृत समितियों के सामने तथा राज्य कर अगस्त, 2023 को निधि सरकार से हुए पत्राचारों में इन्होंने विमुक्त कर दिया। तब से इसका स्वीकार किया है कि सूर्य मंदिर के निर्माण सूर्य मंदिर समिति के सामने वाला भूखंड सरकारी है। अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और संरक्षक इनपर खड़ी संरचनाएं सरकारी चंद्रगुप्त सिंह नहीं होने दे रहे हैं। निधि से बनी हैं, इन्हें जमशेदुपर अब जेल से चल रही समिति, अक्षेस को हस्तगत करा दिया गया है और जमशेदपुर अक्षेस ने इन्हें जिला प्रशासन विफल विधायक ने कहा कि सूर्य मंदिर हस्तगत करना स्वीकार कर लिया समिति अब जेल में बंद है। परंतु 24 जून को उस स्थान पर अपराधियों के इशारे और समर्थन हुई घटना साबित कर रही है कि पर चलने लगी है। भारतीय जनतंत्र इनका मनचाहा उपयोग सूर्य मंदिर युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष

जिले के पांकी प्रखंड के भरी-

हरलौंग-गोगाड मख्य सडक का

निर्माण कार्य महीनों से बंद होने से

आम लोगों की परेशानी को देखते

हुए आम आदमी पार्टी (आप) के

प्रदेश प्रवक्ता ओंकार नाथ

जायसवाल ने बुधवार को सड़क

पर बैठकर पूर्व और वर्तमान

विधायक के खिलाफ जमकर

ओंकार नाथ जायसवाल ने कहा

कि पूर्व और वर्तमान विधायक की

आपस लड़ाई में पांकी विधानसभा

क्षेत्र में करीब सौ करोड़ से की

अधिक की योजनाएं बंद पड़ी हैं।

ठेकदारी और कमीशन के लिए

आपस में लड़ रहे हैं जबकि आम

जनता समस्या से जुझ रही है। पूर्व

और वर्तमान विधायक की लड़ाई

और वर्तमान विधायक

में बधवार को समाहरणालय सभागार में हुई। इसमें राजस्व की बैठक में म्यूटेशन,ई कोर्ट, सरकारी परियोजनाओं के लिए भूमि हस्तांतरण, मुआवजा संबंधी

मामलों की समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में उपायक्त ने 30 विधान सभा में, विधान सभा दिनों से ज्यादा म्यटेशन के लांबित मामलों को समय पर निष्पादित करने का निर्देश दिया। म्यूटेशन के अत्यधिक लंबित वाले प्रखंडों के अंचलाधिकारियों को गंभीरता के साथ कार्य करने का सख्त निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि म्यूटेशन से संबंधित मामलों में अगर किसी आवेदन को रिजेक्ट करते हैं, तो उन आवेदनों पर पहले सेल्फ सेटिस्फाइड हो लें। अंचल कार्यालयों के कर्मचारियों पर सीओ अपना नियंत्रण रखें तथा कार्यालय की छवि को खराब न



समीक्षा बैठक करतीं उपायुक्त नैंसी सहाय • फोटोन न्यूज

होने दें। म्यूटेशन के मामले पर कई सीओ पर स्पष्टीकरण किए गए हैं। उन्होंने गंभीरतापूर्वक म्युटेशन से संबंधित मामलों को नियमित रूप से निष्पादित करने का निर्देश दिया। सरकारी भूमिका राज्य स्तरीय विभागीय निशुल्क हस्तांतरण से संबंधित प्रतिवेदन की समीक्षा की।

उन्होंने जमीन मापी की स्थिति का जायजा लेते हुए लैंड डिमारकेशन आदि कार्यों को निष्पादित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कड़े पर अतिक्रमण के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। ऐसे मामलों पर सख्ती से अंकुश लगाने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि कई जगहों पर कल-कारखाने चल रहे हैं। अंचलाधिकारी फील्ड में जाएं और जांच करें।

अंचलाधिकारियों द्वारा जमीन संबंधी मामलों को डीसी कोर्ट में भेजने से पहले खद जांच कर स्पष्ट रूप से रिपोर्ट भेजने को कहा। उन्होंने जनता दरबार में आए

BRIEF NEWS खुंटी में कानूनी जांगरूकता शिविर आयोजित

KHUNTI: जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में ब्धवार को बिरसा कॉलेज खूंटी में विश्व नशा मुक्ति दिवस सह कानूनी जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने कहा कि हर साल 26 जुन को विश्व स्तर पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ नशा निरोधक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन दुनिया को नशीली दवाओं से मुक्त करने के लिए किए जा रहे कार्यों और सहयोग के विभिन्न प्रयासों का प्रतीक है। इसकी शुरूआत 26 जून, 1989 को हुई। गुरुकुल खूंटी के 28

छात्रों को मिला नियुक्ति पत्र

KHUNTI: राज्य के अनुसूचित जाति-जनजाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ी जाति कल्याण विभाग एवं प्रेझा फाउंडेशन ने बुधवार को मल्टी स्किल कल्याण गुरुकुल में प्लंबर और शटरिंग कारपेंटर ट्रेड से प्रशिक्षण प्राप्त 28 छात्रों को नियुक्ति पत्र दिया। ये सभी छात्र शोभा कंस्ट्रक्शन, कोच्ची में कार्यरत रहेंगे। इस संबंध में गुरुकुल खूंटी के प्राचार्य किशोर चंद्र मोहंती ने

अपने विचार व्यक्त किए। रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड के तहत रामगढ़ में जागरुकता दौड

RAMGARH : शहर के थाना चौक से सुभाष चौक रामगढ़ तक रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड का आयोजन बुधवार को किया गया। उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों ने जागरुकता दौड़ में हिस्सा लिया।

पलामू में पिस्टल व गोली के साथ तीन गिरफ्तार



PHOTON NEWS PALAMU: नेशनल हाईवे-39 पर सतबरवा थाना क्षेत्र के पोखराहा में मंगलवार शाम बाइक सवार तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से पिस्टल, गोली के अलावा बाइक और मोबाइल बरामद हुआ। सभी को न्यायिक हिरासत में बुधवार को भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपितों की पहचान लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के

जिले में अवैध खनन की रोकथाम

को लेकर बधवार को उपायक्त

गरिमा सिंह की अध्यक्षता में

समाहरणालय सभागार में

जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स

की बैठक हुई, जिसमें कोयला व

बालु के अवैध खनन, परिवहन व

भंडारण आदि की गहन समीक्षा

उपायुक्त ने कोयला, पत्थर व बालू

के अवैध उठाव की रोकथाम के

लिए पूर्व में लिए गए निर्णय के

अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा

करते हए प्रभारी जिला खनन

पदाधिकारी को निर्देशित किया कि

जिले में अवैध खनन, भंडारण एवं

परिवहन नहीं हो, इसे सुनिश्चित

करें। बैठक में जिला खनन

कर दिशा-निर्देश दिया गया।

गोपालगंज के रहने वाले रिशु कुमार पांडे (22), शशि रंजन पंचम कुमार (19), अखिलेश कुमार उर्फ छोटू भुइयां (19) शामिल हैं। तीनों ने मिलकर 22 जून को पोखराहा में फायरिंग करते हुए अवधेश यादव के साथ लुटपाट की थी। मोबाइल छीन लिया था। इस संबंध में सतबरवा थाना में मामला दर्ज

अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ सख़्त

एक्शन लेने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

टास्क फोर्स से औचक छापेमारी एवं प्राथमिकी दर्ज करने को कहा

बैठक को संबोधित करतीं उपायुक्त • फोटोन न्यूज

पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि

अप्रैल से 24 जन तक खनिजों के

अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण

के मामलों में 21 वाहनों को जब्त

कर 16 प्राथमिकी दर्ज की गई है।

इसमें 152.35 लाख रुपये जुमार्ना

कई को किया गया शोकॉज :

उपायक्त ने अवैध खनन, भंडारण

एवं परिवहन के विरुद्ध की गई

कार्रवाई की प्रखंडवार समीक्षा

राशि वसूल की गई।

लोहरदगा उपायुक्त की राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों संग बैठक

PHOTON NEWS LOHARDAGA: उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदााधिकारी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने बुधवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक की। बैठक में द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि यह कार्यक्रम दो चरणों में होगा। पहला चरण प्री-रिवीजन होगा, जो 25 जून से प्रारंभ हुआ है और 24 जुलाई तक जारी रहेगा। दुसरा चरण रिवीजन का होगा जो 25 जुलाई से 20 अगस्त तक चलेगा। पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को एकीकृत मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन एवं 20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कराया जाएगा। पुनरीक्षण अवधि के दौरान विशेष शिविर का

करते हए अंचल अधिकारी.

बालूमाथ, बरियातू, महुआडांड

को दर्ज प्राथमिकी की संख्या में

सबसे कम कार्रवाई के लिए

शोकॉज करने का निर्देश दिया।

जिला अंतर्गत अवैध खनन,भंडारण

एवं परिवहन रोकने को लेकर

अंचल अधिकारी, थाना प्रभारियों

को संयुक्त रूप से औचक छापेमारी

करने एवं इसमें संलग्न व्यक्तियों पर

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर

KODERMA : जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के तिलैया बस्ती वार्ड नंबर 4 में बुधवार की दोपहर वज्रपात से दो बच्चों की मौत हो गयी। मतक आपस में चचेरे भाई हैं। मृतकों में आयुष कुमार पिता (12) और उमेश कुमार (13) शामिल है। जानकारी के अनसार बारिश के दौरान दोनों बच्चे घर के समीप स्थित आम के पेड़ के नीचे खड़े थे। इसी दौरान अचानक वज्रपात होने से दोनों इसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। वहीं इस वज्रपात में में पेड़ के नीचे बंधी एक बकरी की भी मौत हो गई। घटना के बाद बच्चों के परिजनों का बुरा हाल है, वहीं शवों को अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।



प्रदर्शन करते आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

के कारण ही भरी-हुरलौंग से गोगाड़ मुख्य सड़क की स्थिति ज्यों के त्यों बनी हुई है।

पलामू में मुख्य सड़क की दुर्दशा के

खिलाफ सड़क पर उतरे 'आप' नेता

जायसवाल ने कहा कि वर्तमान विधायक ने सड़क का निर्माण कार्य कराना शुरू किया तो पूर्व विधायक ने कोर्ट में रिट याचिका दायर कर सड़क का निर्माण कार्य रोकवाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक का पांकी विधानसभा क्षेत्र में सौ करोड़ से अधिक की योजना है लेकिन ठप पड़ी है। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो गाजे-बाजे के साथ इस रोड पर पूर्व और वर्तमान विधायक की शव यात्रा निकालेंगे। आआपा नेता कौशल किशोर बच्चन ने कहा कि तीन माह पूर्व भरी-हुरलौंग से गोगाड़ सड़क का निर्माण शुरू हुआ था लेकिन पूर्व विधायक ने इसे रोकवा दिया।

मामलों पर गंभीरता पर्वक कार्य करने का निर्देश दिया।

गिरिडीह में बच्ची को अगवा कर बेचने की तैयारी कर रहे तीन बदमाश गिरफ्तार

GIRIDIH: साधु के वेश में एक

बच्ची को अगवा कर उसे बेचने की तैयारी कर रहे तीन बदमाशों को गिरिडीह नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिग को मुक्त कराकर डुमरी में उसके परिजनों को सौंप दिया। बताया गया कि हरियाणा राज्य के नम्बर प्लेट के वाहन से साधु के वेश में तीनों अपराधी डुमरी थाना इलाके से एक बच्ची को अगवा कर गिरिडीह शहर में बेचने की तैयारी में थे। इसी दौरान एसपी को मिली गुप्त सूचना पर नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया और तकनीकी टीम के सहयोग से बस पड़ाव पहुंचे, जहां तीनों साधु के वेश में अपने साथ बच्ची को रखे हुए थे। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली तो चारों उसी गाड़ी में मिले। आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में कबूला कि वे बच्ची को बेचने

दो बच्चों की मौत

गिरिडीह में 15 लाख के अवैध लॉटरी टिकट के साथ पांच गिरफ्तार

धंधे का मास्टरमाइंड अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर

पुलिस ने बुधवार को नगर थाना के पंजाबी मुहल्ले के एक घर में छापेमारी कर करीब 15 लाख का अवैध लॉटरी टिकट को जब्त कर पांच धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। इस धंधे का मास्टरमाइंड मदन बरनवाल फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। एसपी को मिली गुप्त सूचना पर पहली बार इतनी बड़ी रकम की लॉटरी जब्त नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद

और मुफ्फिसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो की टीम ने ज्वाइंट छापेमारी कर इस ऑपरेशन को पूरा किया। एसपी दीपक कुमार शर्मा ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि जब्त 15 लाख की



छापेमारी के बारे में जानकरी देते पुलिस अधिकारी • फोटोन न्यूज

लॉटरी का ड्रॉ डेट आज ही था लेकिन इसे पहले ही ज्वाइंट ऑपरेशन में इसे जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों में पंजाबी मुहल्ले का अनिल कुमार, अभिषेक दास और आदित्य दास जबिक मफ्फसिल थाना इलाके के झरियागादी का इम्तियाज अंसारी

और पचंबा थाना इलाके का दरियाडीह निवासी तालिब खान शामिल हैं। पूछताछ में पांचों आरोपितों ने कबूला की उन्हें मदन बरनवाल ही सारे लाटरी की आपूर्ति किया करता था। मदन बरनवाल पिछले कई सालों से इस

मान्यता : इस बार देश भर में ७ जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

ढाई सौ वर्षों से अनवरत जारी है जरियागढ़ में रथयात्रा

AGENCY KHUNTI:

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरूआत 07 जुलाई, 2024 को सुबह 04 बजकर 26 मिनट पर होगी। इसका समापन 08 जुलाई, 2024 को सुबह 04 बजकर 59 मिनट पर होगा। ऐसे में जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 07 जुलाई से हो रही है। रथयात्रा का प्रचलन सदियों से राजा-रजवाड़ों के यहां होता आ रहा है। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की तरह ही झारखंड के खुंटी जिले के कर्रा प्रखंड के जरियागढ़ की रथयात्रा की परंपरा भी काफी पुरानी है।

छोटानागपुर की पुरानी रियासत जरियागढ़ में निकलनेवाली रथयात्रा को देखने दूर-दूर से लोग आते हैं। रियासत के पुराने राजवंश के सदस्यों का दावा है कि जरियागढ़ में लगभग ढाई सौ वर्षों

से रथयात्रा निकाली जा रही है। भले ही राजप्रथा को समाप्त हो गई है लेकिन परंपरा निरंतर जारी है। कोरोना संकट के दो वर्षों को छोड़ दें, तो जरियागढ़ की रथायात्रा कभी नहीं रुकी। इस संबंध में जरियागढ़ राजपरिवार के सदस्य लाल विजय नाथ शाहदेव बताते हैं जरियागढ़ में रथयात्रा की शुरूआत जरियागढ़ के तत्कालीन स्टेट मैनेजर मांझीलाल योगेंद्र नाथ शाहदेव ने ठाकुर देवेंद्र नाथ शाहदेव के नाम पर की थी। देवेंद्र नाथ के नाम पर रथ का

नामकरण किया गया। विजय नाथ शाहदेव ने बताया कि देवेंद्र नाथ शाहदेव के चार पुत्र थे। सबसे बड़े ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव, दूसरे वीरेंद्र नाथ शाहदेव, तीसरे जितेंद्र नाथ शाहदेव और, चौथे पुत्र थे नागेंद्र नाथ शाहदेव। देवेंद्र नाथ शाहदेव के निधन के बाद बड़े पुत्र



होने के नाते ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव जरियागढ़ के राजा बने। बाद में ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव के नाम से एक और रथ निकाला जाने लगा, जो 29 जनवरी 1983 को ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव के निधन के बाद बंद हो गया। अब जरियागढ़ में राज परिवार के सभी सदस्यों द्वारा मिलकर एक ही रथ निकाला जाता है। जरियागढ़ के कंसारी समाज द्वारा कंसारी मुहल्ले से भी अलग से एक रथयात्रा

निकाली जाती है, जो गढ़ प्रांगण तक आती है। विजय नाथ शाहदेव ने बताया कि आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीय कें दिन गढ़ से खाली रथ को मदन मोहन गुड़ी तक राज परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों द्वारा खींचकर पहुंचाया जाता है। वहां भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के विग्रहों को पुजा-अर्चना के बाद विधि विधान से रथारूढ़ किया जाता है और रथ को खींचकर गढ़ परिसर

स्थित मौसी बाड़ी तक लाया जाता है। नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में रहने के बाद घुरती रथ अर्थात आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को सभी विग्रहों को फिर से रथारूढ़ कर मदन मोहन गुड़ी तक ले जाया जाता है। रथ यात्रा के दिन जरियागढ़ में लगने वाले मेले में हजारों की भीड़ जुटती है। लोग रथ की रस्सी खींचने और रथ से फेंके जानेवाले प्रसाद को छाता या कपड़े में लपकने के लिए लालायित रहते हैं। मान्यता है कि रथ की रस्सी खींचने से काफी पुण्य मिलता है। जरियागढ़ के अलावा तोरपा, तपकारा, झपरा, कर्रा, सिलाफारी के अलावा खुंटी में सीआरपीएफ 94 बटालियन द्वारा भी रथयात्रा निकाली जाती है। जरियागढ़ के राजपुरोहित सच्चिदानंद शर्मा और अशोक शर्मा बताते हैं कि स्कंध पुराण के

उत्कल खंड के अनुसार राजा इंद्रधुम्न नें पुरी में सबसे पहले आषाढ़ शुक्ल पक्षा की द्वितीया तिथि को रथयात्रा निकाली गई थी। राजपुरोहितों ने बताया कि इंद्रधुम्न की प्रार्थना सें प्रसन्न होकर भगवान विष्णु बहन सुभद्रा और भाइ बलराम के साथ काष्ठ विग्रह के रूप में प्रकट हुए थे। उन्होंने बताया कि जब राजा इंद्रधुम्न भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम की लकड़ी की मूर्तिया बनवा रहे थे। उसी समय उनकी पत्नी महारानी गुंडिचा ने भगवान विश्वकर्मा को मूर्ति बनाते हुए देख लिया था। तब भगवान विश्वकर्मा ने मूर्तियों को अधुरा ही छोड़ दिया लेकिन राजा इंद्रधुम्न ने पुरी मेंअधूरे विग्रहों को ही स्थापित कर दिया। यही कारण है कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्र तीनों विग्रह आज भी अधूरे हैं।

पलामू में हुई फायरिंग, किशोर को लगी गोली, दो गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU: जिले के पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत माड़न में जमीन विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान कई राउंड फायरिंग हुई। एक गोली प्रत्यक्षदर्शी हयातुल अंसारी (15) के दाएं जांघ में लग गयी। किशोर को एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है। एक्स-रे रिपोर्ट के अनुसार गोली निकालने के लिए ऑपरेशन किया जायेगा। घटना बुधवार दोपहर की है। बताया जाता है कि जमीन के एक प्लॉट को लेकर राजकुमार राम और बासुदेव राम के बीच विवाद चल रहा था। बासुदेव इस पर चहारदीवारी बना रहा था। इसे रोकने के लिए राजकुमार परिवार के सदस्यों के साथ पहुंचा तो विवाद काफी बढ़ गया। पहले दोनों पक्षों में लाठी-डंडे से मारपीट हुई। इस बीच बासुदेव के

बेटे ने दोस्त से अग्नेयास्त्र लेकर

फायरिंग शुरू कर दी। बाद में

उसके दोस्त ने भी गोली चलायी। गोली चलते ही घटनास्थल पर भगदड़ मच गयी। मारपीट को स्थानीय लोग देख रहे थे। भागने के क्रम एक गोली हयातुल अंसारी के जांघ में लग गयी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पांकी थाना पुलिस ने घायल हयातुल अंसारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पांकी लाया, जहां मौके पर मौजूद चिकित्सक डॉ. शिव शंकर मुर्मू ने प्राथमिक इलाज कर उसे मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। एक पक्ष के गंभीर रूप से घायल वासुदेव राम का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। थाना प्रभारी उत्तम तिवारी ने बताया कि जमीन के एक छोटे प्लॉट पर चहारदीवारी देने को लेकर विवाद था। गोली चलाने वाले वासुदेव राम के बेटे के दो दोस्तों को पुलिस गिरफ्तार कर

रही है। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने

आगे कहा कि वर्तमान समय में

नशीली पदार्थ का व्यापक रूप से

फैलाव हो रहा है। तस्कर

विद्यालयों और कॉलेज में यवाओं

को नशीली चीजों की लत लगा

रहे हैं। लेकिन हमें इसकी गिरफ्त

में नहीं आना है। राज्य सरकार

नशीली पदार्थों के तस्करों पर

पुलिस गिरफ्त में शराब कारोबारी। 🛭 फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI:

रेलवे सुरक्षा बल ने रांची रेलवे

स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या एक से

रौशन कमार को शराब के साथ

गिरफ्तार किया है। वह बिहार के

जहानाबाद के काको का रहनेवाला

है। रांची मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन

कुमार के निर्देश पर स्टेशनों तथा ट्रेनों

मे शराब कि धड़पकड़ के लिए

ऑपरेशन सतर्क के तहत लगातार



CITY

THE PH©TON NEWS www.thephotonnews.com

Thursday, 27 June 2024

O BRIEF NEWS

डोरंडा में आपसी विवाद में गोलीबारी, जांच में जुटी पुलिस

RANCHI :आपसी विवाद में रांची में गोलीबारी की घटना हुई है। यह घटना बुधवार की शाम राजधानी के डोरंडा थाना क्षेत्र के मणिटोला स्थित सरकारी कुआं के पास हुई है। जहां आपसी विवाद को लेकर एक पक्ष की ओर से गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी हुई है। साथ ही गोलीबारी की घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

एनसीबी ने नशा के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

RANCHI: नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ बुधवार को मोरहाबादी मैदान में जागरूकता रैली निकाली। इसमें सैकडो युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । इस दौरान उपस्थित युवाओं ने नशे को समाज एवं देश से समाप्त करने का संकल्प लिया।

ट्रेन टिकट की कालाबाजारी करते एक दुकानदार धराया

RANCHI: रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे टिकट की कालाबाजारी करते एक दुकानदार रिजवान अहमद को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ ने अपराध शाखा रांची के साथ मिलकर लोकल पुलिस गोंदा थाना की सहायता से यह कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर गोंदा थाना के कांके रोड स्थित चांदनी चौक के मरियम कंप्युटर में छापेमारी की गई। जांच के दौरान दुकानदार रिजवान अहमद के पास से 14 ई-टिकट बरामद किए गए। बरामद टिकट का मूल्य 39 हजार था।

सीएम से मिले राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष

RANCHI: बुधवार को मुख्यमंत्री से बटी रोड, मोरहाबादी रांची स्थित आवास में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एम वेंकटेशन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

आनंदमार्ग का तीन दिवसीय सेमिनार कल से

RANCHI: आनंदमार्ग का तीन दिनी डाइसिस स्तरी ग्रीष्मकालीन सेमिनार शक्रवार से आनंदमार्ग जागति हेसल पिस्कामोड़ में आरंभ होगा। सेमिनार के मुख्य प्रशिक्षक आचार्य नभातीतानंद अवधूत हैं। सेमिनार में मानव समाज को कैसे एकताबद्ध किया जा सकता है इसपर चर्चा होगी। इसके अलावा प्रति संवेदी पुरुष और कृषि विप्लब जैसे विषयों पर भी विद्वान चर्चा करेंगे।

राष्ट्रीय कैंप में झारखंड की पांच खिलाड़ी आमंत्रित

RANCHI: साई सेंटर, बैंगलोर में आठ जुलाई से 31 अगस्त तक जुनियर भारतीय महिला हॉकी टीम का राष्ट्रीय कैंप आयोजित है। इसमें झारखंड के पांच खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया गया है। इन पांच खिलाडियों में से चार खिलाडी नीरू कुल्लू, रजनी केरकेट्टा, निराली कुजूर और निशा मिंज सिमडेगा जिला की रहने वाली हैं तथा एक खिलाड़ी बिनीमा धान खूंटी जिला की रहने वाली है।

मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यस्तरीय जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

नशा मुक्त झारखंड बनाना सरकार की पहली प्राथमिकता: चम्पाई सोरेन

बधवार को मख्यमंत्री चंपाई सोरेन मोरहाबादी मैदान में मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम में सम्मिलित हए। मौके पर मानव श्रृंखला, साइकिल दौड़, मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया गया। साथ ही साथ मादक पदार्थों पर रोक के लिए पूर्णतः संकल्पित झारखंड सरकार नामक पुस्तक का अनावरण किया गया। इस अवसर मुख्यमंत्री ने लोगों को नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि यवा अगर नशे की चपेट में रहेंगे तो देश के भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नशा मुक्त झारखंड के निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध है। इस वजह से विशेष जागरूकता अभियान चलाकर जन-जन को नशा के दुष्प्रभाव की जानकारी दी जा रही है। गांव, मोहल्ला, पंचायत, प्रखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को इससे दर रहने की अपील की जा

ब्राउन शुगर और गांजा के साथ दो युवक गिरफ्तार



RANCHI: कोतवाली थाना पुलिस ने दो युवकों को ब्राउन शुगर और गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में चान्हो थाना निवासी बिक्की कुमार साव और नरकोपी थाना निवासी भीमा कुमार साह शामिल हैं। इनके पास से ग्यारह 11 पुड़ियां ब्राउन शुगर और 5.20 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कचहरी चौक के पास नशीले पदार्थ की खरीद-बिक्री हो रही है। सूचना के बाद एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी कर दो लोगों को ब्राउन शुगर और गांजा के साथ गिरफ्तार किया। दोनों से

युवा राज्य और देश के भविष्य, इन्हें नशे की चपेट में नहीं आने देंगे



मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम में शामिल सीएम चम्पाई सोरेन व अन्य। 🛭 फोटोन न्यूज

लगातार कार्रवाई कर है। समय समय पर सूचना के आधार पर पुलिस प्रशासन कई जगहों पर अफीम की खेती को नष्ट भी करती है। कई बार छापेमारी के दौरान ब्राउन शगर, गांजा, डोडा आदि मादक पदार्थों की रिकवरी भी है। इस मामले में कई आरोपियों को

आरपीएफ ने शराब के साथ

युवक को किया गिरफ्तार

जिला पलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी से जड़े अंतराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। सप्लाई चेन न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

को चिन्हित कर कार्रवाई भी की जा रही है। इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, डीजीपी श्री अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव श्रीमती वंदना दादेल, महिला, बाल विकास एवं

हाईकोर्ट ने बरकरार रखी संदीप कुमार की सजा

RANCHI: झारखंड हाईकोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ दाखिल संदीप कुमार त्रिपाठी की क्रिमिनल अपील याचिका को खारिज करते हुए निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा है। संदीप को जमशेदपुर सिविल कोर्ट ने 18 मार्च 2016 को हत्या के जुर्म में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। संदीप की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस सुभाष चांद की खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए आजीवन कारावास की सजा को सही ठहराया। सुनवाई के दौरान दोषी की ओर से यह तर्क दिया गया कि जिस हथियार से हत्या हुई थी, उसे ट्रायल कोर्ट में पेश नहीं किया गया और मृतका के उस बयान के आधार पर अन्य गवाहों ने बयान दिया, जो उसने मरने से पहले दिया था।

अधीक्षक रांची सहित अन्य छात्राएं उपस्थित थे।

समाज कल्याण विभाग के सचिव मनोज कुमार, पर्यटन विभाग के सचिव मनोज कमार, डीजी सीआईडी श्री अनुराग गुप्ता, आईजी सीआईडी, डीआईजी रांची, उपायुक्त रांची, वरीय पुलिस गणमान्य लोग एवं स्कली छात्र-

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे राज्य

और देश के भविष्य हैं। युवाओं को नशा

मुक्त रख कर ही समृद्ध प्रदेश का निर्माण

किया जा सकता है। कोई भी परिवार या

समाज नशा मुक्त रहकर ही उन्नति की

जीवन में नशा नाश का कारण बनता है

युवा वर्ग अगर नशे की चपेट में रहेंगे तो

उनके जीवन के साथ–साथ राज्य और

देश के भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव

पड़ेगा। किसी भी हाल में राज्य के युवाओं

को नशे की चपेट में नहीं आने देंगे। आज

हम सभी को यह संकल्प और प्रतिज्ञा लेने

का दिन है कि स्वयं के साथ-साथ दूसरों

को भी नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित

करें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में

अपनी भमिका निभाएं।

मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। मनुष्य

पेयजल की समस्या को लेकर हाईकोर्ट ने कहा-

जलस्त्रोतों से तत्काल अतिक्रमण हटाना जरूरी

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी

करते हुए मौखिक कहा कि रांची में सिर्फ पेयजल के लिए पाइपलाइन बिछाने से कछ नहीं होगा. जल स्रोतों के पानी को संरक्षित रखने और डैम के कैचमेंट एरिया को बनाए रखने के साथ-साथ शहर के जल स्रोतों यथा हिनू नदी, कांके डैम, हटिया डैम, गेतलसूद डैम से अतिक्रमण हटाना होगा। कांके डैम में नाली का पानी अभी भी गिर रहा है। वहीं लगातार गंदगी डाले जाने एवं अतिक्रमण से हरम् नदी नाले के रूप में बदल चुकी है। कोर्ट ने कहा कि नगर विकास विभाग के सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाए जो एक सप्ताह में शहर के डैम में अतिक्रमण एवं जल स्रोतों में पानी संरक्षित रखना. कैचमेंट एरिया को बनाए रखना आदि विषयों पर बैठक करें और तीन सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इससे पूर्व सुनवाई के दौरान कोर्ट में सशरीर उपस्थित पेयजल स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव एवं नगर विकास के विभाग के सचिव ने कोर्ट को बताया कि रांची शहर में पेय जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने जा रहे



मनोज साहू हत्या मामले में

पांच आरोपी दोषी करार अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की कोर्ट ने व्यवसायी मनोज कुमार साहू की पत्थर से कूचकर हत्याँ करने के मामले में बुधवार को पांच आरोपियों को दोषी करार दिया है। आरोपितों मे मोहन उरांव, शनिचरवा उरांव, बबलू रंजन फोगला सहित अन्य शामिल है। अदालत सजा के बिंदु पर 28 जून को सनवाई करेगा। जमीन पर बाउंडी वॉल के एवज में रंगदारी नहीं देने पर व्यवसायी मनोज कुमार साहू की हत्या 3 अप्रैल 2018 की कर दी गई थी।

हैं। पाइपलाइन के माध्यम से वर्ष 2026 तक 2 लाख घरों को पानी का कनेक्शन देकर शद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट में सशरीर उपस्थित रांची नगर निगम के प्रशासक ने कोर्ट को बताया कि बड़ा तालाब की स्थाई सफाई के लिए कई एजेंसियों से बात की जा रही है, टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर बड़ा

नाबालिग से यौन शोषण के

दोषी को १० साल की सजा

पॉक्सो की विशेष न्यायाधीश आसिफ

झांसा देकर नाबालिंग से दो साल तक

यौन शोषण करने के दोषी देवलाल

बेदिया को बुधवार को दस साल की

सजा सुनाई है। साथ ही देवलाल पर

20 हजार रुपया जुमार्ना भी लगाया

है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर छह

माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी

सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर

र्से पांच गवाह प्रस्तुत किया था। जबकि

बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह

प्रस्तुत किया गया। देवलाल बेदिया

सिल्ली के हलमाद बरवाटोली का

रहने वाला है। आरोपित देवलाल

2014 से 2016 तक लिव-इन

रिलेशनशिप में रहा था।

बेदिया नाबालिग पीड़िता के साथ साल

इकबाल की अदालत ने शादी का

सरयू राय की क्रिमिनल रिट खारिज

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के पूर्व मंत्री और जमशेदपुर के निर्दलीय विधायक सरयू राय की उस क्रिमिनल रिट को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने मेनहर्ट घोटाला की जांच की मांग की थी। केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने 22 जून को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत के इस फैसले से सरयू राय को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की बेंच में इस मामले की सनवाई हुई थी। उल्लेखनीय है कि निर्दलीय विधायक सरयू राय झारखंड विधानसभा में भी ह्यमेनहर्टह्न का मुद्दा उठा चुके हैं। सरयू राय ने बताया कि झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद रांची के कछ समाजसेवी की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दी गई, जिसमें कोर्ट ने 2003 में अहम आदेश दिया है।

अलकतरा घोटाले के दोषी को तीन वर्ष सश्रम कारावास

प्रिवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने बुधवार को अलकतरा घोटाला के दोषी विजय कुमार तिवारी को तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया। इस मामले में ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने पक्ष रखा। ट्रायल के दौरान ईडी की ओर से 18 गवाह और कई साक्ष्य कोर्ट में प्रस्तुत किए गए। ईडी ने 55 लाख 42 हजार रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में वर्ष 2012 में (ईसीआर ८/२०१२) केस दर्ज किया था। विजय कमार तिवारी की कंपनी कलावती कंस्ट्रक्शन को वर्ष २००८–९ में पलामू में सड़क मरम्मत का काम मिला था।

इसमें प्रदेश सरकार को राजधानी रांची में भी सीवरेज-ड्रेनेज प्रणाली विकसित करने के लिए कहा था। उस आदेश के बाद बच्चा सिंह के आदेशानुसार परामर्शी बहाल करने के लिए

टेंडर निकाल कर दो परामर्शियों का चयन किया गया। लेकिन इसी तत्कालीन नगर विकास मंत्री बीच सरकार बदल गई।

डिजिटल भविष्य की दिशा में सरकार ने शुरू किया 'जे-गुरूजी'

PHOTON NEWS RANCHI: चम्पाई सोरेन सरकार ने डिजिटल

पूछताछ की जा रही है।

भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जे-गुरुजी का शुभारंभ किया है। यह अभिनव पहल चल रहे डिजिटल परिवर्तन का हिस्सा है, जो झारखंड के स्कूलों में सीखने की प्रणाली को बढ़ाने के लिए वेब और मोबाइल ऐप की विशेषताओं को सहजता से जोड़ती है। इस ऐप में एक बार निबंधन करने के बाद बच्चे अपनी कक्षा की विषयवस्तु पढ़ सकते हैं। साथ ही खुद का मूल्यांकन कर सकते हैं। वैसे ही शिक्षक भी इस ऐप में निबंधन करने के बाद ही उपयोग कर सकते है। जे-गुरुजी डिजिटल

और ऑडियो पुस्तकें, शिक्षण



जानकारी देते अधिकारी।

वीडियो, प्रश्न बैंक, रिकॉर्ड किए गए और लाइव कक्षाएं, मुल्यांकन, एआई-संचालित सिफारिशें और बहुत कुछ प्रदान करता है। इसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों के लिए व्यापक सीखने का अनुभव प्रदान करना है। इस पहल के साथ, झारखंड डिजिटल ऐप-सक्षम शिक्षा को अपनाने और लागू करने वाले अग्रणी राज्यों में से एक बन गया है।

बधवार को राज्यपाल सीपी राधाकष्णन ने कहा कि राष्ट के

अभियान जारी है। इसी क्रम में

बुधवार को रांची रेलवे स्टेशन पर

प्लेटफॉर्म संख्या एक पर जांच के

दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था

में ट्रॉली बैग के साथ खड़ा देखा।

ट्रॉली बैग की जांच करने पर रॉयल

व्हिस्की की 36 शराब की बोतल

बरामद किया गया। इसके बाद रौशन

कमार को गिरफ्तार किया गया।

आरपीएफ और फ्लाइंग टीम

विकास के लिए सभी राज्यों का समग्र विकास महत्वपूर्ण है। उन्होंने ऐसे समावेशी विकास की बात कही, जिसमें हर वर्ग और समुदाय की जरूरतें पर्ण हों। वे बिरसा कषि विश्वविद्यालय(बीएयू) के 44वां स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि के कारण खाद्यान्न की आवश्यकताएं बढ़ रही हैं एवं कृषि-भूमि घट रही है। कृषि विश्वविद्यालय का खाद्यान्न की जरूरतों को पर्ण करने की दिशा में अहम दायित्व है। इसके उल्लेखनीय

उपलब्धियों की सराहना की जानी



राष्ट्र के विकास के लिए सभी राज्यों का

समग्र विकास महत्वपूर्ण : राज्यपाल

पुस्तक का लोकार्पण करते राज्यपाल।

चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि बीएयू पड़ोसी राज्यों की आवश्यकताओं को भी पूर्ण करने की दिशा में सिक्रय है। साथ ही कहा कि हमें बड़े पैमाने पर समुदाय की सेवा करने की कोशिश करनी चाहिए। सभी को अपना कार्य करना चाहिए तथा समाज को पूर्ण योगदान देने के लिए तत्पर रहना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी निरंतर सफलता की ऊंचाइयों को छू रहा है। पूरे विश्व में अपनी प्रतिभा से ख्याति अर्जित कर राष्ट्र को गौरवान्वित कर रहा है। विश्वविद्यालय को युवाओं की इस उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने कहा कि संस्थान की प्रगति के जरिये बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए बेहतर कार्य करने वाले को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र का चयन करने के लिए बधाई दी तथा बेहतर अनुसंधान पर जोर दिया। साथ ही कहा कि सभी विवि नई-नई उपलब्धियों से विकसित भारत-2047 को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर रहें।

सितंबर तक हार हाल में पूरा करें सिरम टोली फ्लाई ओवर ः बसंत



निर्माण कार्य का निरीक्षण करते मंत्री बसंत सोरेन। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI: बुधवार को पथ निर्माण मंत्री बसंत सोरेन निमार्णाधीन सिरम टोली फ्लाई ओवर का निरीक्षण किया। इस दौरान विभागीय प्रधान सचिव सुनील कुमार भी मौजूद थे। मौके पर दोनों ने प्रोजेक्ट मैनेजर और इंजीनियरों से बात की। मंत्री ने निर्देश दिया कि

अड़चनें हैं, उसे आपसी तालमेल के तहत निपटाने का काम करें। उन्होंने कहा कि रांची की यातायात व्यवस्था को सधार के लिए यह फ्लाई ओवर बहुत जी जरूरी है। इसलिए तय समय पर इसे पूरा करें। मालूम हो कि मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भी इसके निर्माण पूरा होने का टाइम फ्रेम तय कर दिया है। जिसके तहत सितंबर में इसे पूर्ण करना है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना : बीपीएल श्रेणी के लामुकों को जुलाई में मिलेगा मौका

तीर्थ दर्शन के लिए आवेदन जमा होना शुरू

PHOTON NEWS RANCHI:

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बीपीएल श्रेणी के लाभुक तीर्थयात्रियों को जुलाई में तीर्थ दर्शन कराया जायेगा। इसमें ईसाई धर्मावलंबियों को गोवा, हिन्दू धर्मावलंबियों को द्वारिका-सोमनाथ और मुस्लिम धर्मावलंबियों को अजमेर शरीफ-आगरा-फतेहपुर सिकरी तीर्थ दर्शन कराया जाएगा। गरीब वरिष्ठ नागरिक श्रेणी के 88 लाभुकों को योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए रांची जिले के आवेदकों को 29 जून तक विकास भवन में आवेदन जमा करना होगा। झारखंड गजट (साधारण) 21 सितम्बर 2016 के अनुसार तीर्थयात्री की उम्र 60 वर्ष से अधिक

फॉर्म के लिए चाहिए जरूरी दस्तावेज

आवेदन पत्र में एक फोटो चिपकाया हुआ एवं एक संलग्न होना चाहिए। निवास प्रमाण-पंत्र के रूप में आधार कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, बिजली बिल, मतदाता पहचान पत्र या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी एक प्रमाण पत्र को निवास प्रमाण पत्र के रूप में स्वीकार किया जायेगा। यदि गरीब वरिष्ठ नागरिकगण एक साथ समूह में आवेदन जमा करते है, तो चयन के लिए पूरे समूह के आवेदन को एक आवेदन माना जायेगा। एक समूह में अटेंडेंट सहित अधिकतम सदस्यों की संख्या २५ होगी, इससे अधिक मान्य नहीं होगा।

• तीर्थयात्री को किसी तरह का

संक्रामक रोग नहीं होना चाहिए

क्या है चयन की प्रक्रिया

तीर्थ यात्रियों का चयन संबंधित जिला स्तरीय प्रबंधन समिति द्वारा किया जायेगा। सबसे पहले सभी आवेदन क्रम में बांट लिया जायेगा। तीर्थ यात्रियों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जायेगा। यदि तीर्थ यात्रियों की संख्या निर्धारित अंश से अधिक बढ़ जाती है तो इसके अतिरिक्त एक प्रक्रिया सूची (निर्धारित अंश की 10 प्रतिशत) भी तैयार की जायेगी। राज्य एवं जिला के कुल यात्रियों की संख्या झारखंड पर्यटन विकास निगम द्वारा सूचित किया जायेगा इस आयोजन में चयनित आवेदनों की कुल संख्या किसी भी तीर्थ यात्रा के लिए निर्धारित न्यूनतम आवश्यकता के कम होने पर झारखंड पर्यटन निगम अपने विवेकाधिकार का प्रयोग करते हुए पैकेज को रद्द भी कर सकता है।

नहीं लिया गया हो। मुख्यमंत्री तीर्थ होनी चाहिए। वह झारखंड राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए। दर्शन योजना के लाभार्थियों तीर्थयात्री बीपीएल श्रेणी के अन्तर्गत (स्वयं/पति/पत्नि एवं परिवार के आना चाहिए तीर्थयात्री द्वारा पहले इस सदस्यों) के सहयोग के लिए एक

उनके साथ जा सकते हैं। इस क्रम में अपने सहयात्री का आवेदन, अपने आवेदन के साथ जमा करना होगा। तीर्थयात्रा शुरू करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से

स्वस्थ होना चाहिए। किसी तरह का संक्रामक रोग से पीड़ित नहीं होना चाहिए। मूल चिकित्सा प्रमाण-पत्र जिसमें यात्रा प्रमाणपत्र के लिए

निर्माण कार्य पूर्ण करें। जो भी दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

सितंबर में हर हाल तक इसका

खेल से बढ़ती है मानसिक क्षमता और दूर होता है तनाव : डीआईजी

PHOTON NEWS RANCHI:

बुधवार को राजधानी के कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में तीन दिवसीय दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची जोन के डीआईजी अनूप बिरथरे, रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा सहित लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा और खुंटी के पुलिस अधिकारियों ने गुब्बारे और सफेद कबूतर उड़ाकर खेलकृद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। मौके पर डीआईजी अनुप बिरथरे ने कहा कि खेल से न सिर्फ शारीरिक और मानसिक



खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन करते डीआईजी व अन्य। • फोटोन न्यूज

क्षमता बढ़ती है, बल्कि तनाव भी कम होता है। डीआईजी ने कहा कि एक तरफ जहां तनाव पुलिसकर्मियों के लिए चुनौती है, वहीं दूसरी तरफ इससे उबरने के लिए फिट रहना भी जरूरी है। यह खेल से ही संभव हो सकता है।

खेल से तनाव दुर होता है। इस तरह के आयोजन की पुरानी परंपरा रही है। इसी के तहत आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी और गुमला जिले की पुलिस टीमें भाग ले रही हैं।

समाचार सार सोनारी में महिला का शव मिला, पित हिरासत में JAMSHEDPUR : सोनारी थाना अंतर्गत खंटाडीह ए ब्लॉक निवासी 30 वर्षीय पिया धीबर का शव बुधवार सुबह घर में फंदे पर लटका पाया गया। घटना की जानकारी मकान मालिक ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस

मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पाकर मायके पक्ष के लोग भी पहुंचे और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाने लगे। मौके पर सुसाइड नोट भी बरामद किया गया

है। परिजनों ने बताया कि पिया बांकुड़ा की रहने वाली थी। वह पूर्व से

शादीशुदा थी। सोनारी के रहने वाले कृष्णा ने उसे अपने प्रेम जाल में

फंसाया और शादी का झांसा देते हुए पिया को उसके पित से अलग कर

दिया। कृष्णा भी पूर्व से शादीशुदा है। वह सोनारी के खूंटाडीह में पिया को

किराए के मकान में रखता था. जबकि पहली पत्नी सोनारी के ही बिरसा बस्ती में रहती है। पिया तीन माह की गर्भवती भी थी। घटना के बाद पुलिस

जुगसलाई में ट्रेन से कटकर अज्ञात व्यक्ति की मौत JAMSHEDPUR : जुगसलाई थाना अंतर्गत दुखु मार्केट के पास ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है। हालांकि, सूचना मिलने पर जुगसलाई पुलिस बुधवार सुबह 11 बजे घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक की पहचान में जुटी है। गायत्री परिवार का महिला सम्मेलन नवंबर में

JAMSHEDPUR : झारखंड में पहली बार गायत्री परिवार, टाटानगर का

20-22 नवंबर को महिला सम्मेलन होने जा रहा है। प्रज्ञा महिला मंडल

और नवयुगदल युवा प्रकोष्ठ के अनुरोध पर अखिल विश्व गायत्री परिवार

की प्रमुख शैलबाला पंड्या की ओर से टाटानगर उप-जोन के लिए 3

दिवसीय महिला सम्मेलन (नारी सशक्तीकरण शिविर) के आयोजन की

अनुमति दी गई है। इसमें शांतिकुंज हरिद्वार से शेफाली पंड्या अपनी टोली

बागबेडा में विधायक की अनुशंसा पर हो रही बोरिंग

JAMSHEDPUR : पोटका के विधायक संजीव सरदार की अनशंसा पर

सीमा पांडे, उमेश पांडे, प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, अरविंद पांडे आदि

JAMSHEDPUR : ओडिशा के राज्यपाल सह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री

रघुवर दास बुधवार को शहर पहुंचे। सोनारी एयरपोर्ट पर इनका स्वागत

पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। वह दो दिन तक प्रवास करेंगे।

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील युआईएसएल ने रामनगर, सोनारी में

अत्याधुनिक 1000 केएलडी सीवेज पंपिंग स्टेशन (एसपीएस) का

यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक रितु राज सिन्हा और जुस्को श्रमिक

बर्मामाइंस गरुद्धारा के फिर प्रधान बने सलविंदर

JAMSHEDPUR: बर्मामाइंस गुरुद्वारा के प्रधान सरदार सलविंदर सिंह

को दोबारा तीन वर्ष के लिए प्रधान चुन लिया गया। इस अवसर पर सेंट्रल

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा बर्मामाइंस गुरुद्वारा में सलविंदर सिंह को शॉल

भेंट कर सम्मानित किया गया। मौके पर सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान

भगवान सिंह, चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह,

रामनगर में सीवेज पंपिंग स्टेशन शुरू

उपस्थित थे। सुनील गुप्ता ने बताया कि बोरिंग 400 फीट करनी है।

शहर पहुंचे ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास

के साथ पधारेंगी।

बागबेडा कॉलोनी पंचायत के अंतर्गत रोड

नंबर-5 में अनिल सिंह के घर के पीछे बोरिंग किया जा रहा है. जिससे स्थानीय

लोगों को काफी राहत मिलेगी। इस दौरान

पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता,

उपमुखिया संतोष ठाकुर, वार्ड सदस्य

खादी बोर्ड के पूर्व सदस्य

कार्यसमिति सदस्य कुलवंत

सिंह बंटी ने पुष्पगुच्छ देकर

किया। एयरपोर्ट पर जिला

अधिकारियों की मौजूदगी में

उद्घाटन किया, जो सोनारी

एसपीएस का महत्वपूर्ण

विस्तार है। इस सुविधा का उद्घाटन बुधवार को

टाटा स्टील युआईएसएल उपाध्यक्ष चाणक्य

चौधरी, टाटा स्टील

यनियन के अध्यक्ष रघनाथ पांडेय ने किया।

ने कष्णा को उसकी पहली पत्नी के घर से हिरासत में ले लिया है।

लौहनगरी के युवाओं ने नशे को कहा-'ना'

कोल्हान विश्वविद्यालय के अंगीभूत व संबद्ध कॉलेजों में चला नशा उन्मूलन सप्ताह

JAMSHEDPUR : झारखंड को नशे से मुक्ति दिलाने के लिए राज्य सरकार की ओर से चलाया जा रहा नशा उन्मूलन सप्ताह बुधवार को समाप्त हो गया। इस दौरान राज्य सहित कोल्हान प्रमंडल के सभी जिलों में विभिन्न स्तरों पर अलग–अलग गतिविधियों का संचालन किया गया। पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला–खरसावां जिले में जिला प्रशासन के साथ विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक संगठनों ने नशा मुक्ति के लिए जनजागरूकता अभियान बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जमर्शेदपुर में स्थित कोल्हान विश्वविद्यालय के विभिन्न अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों में पूरे एक सप्ताह तक अलग-अलग आयोजन किए गए। कहीं जागरूकता रैली निकाली गई। कहीं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कहीं युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। लौहनगरी के युवाओं ने इस अभियान में अपना पूरा सहयोग दिया। नशे को 'ना' कहने का संकल्प लिया।

एलबीएसएम के एनसीसी कैडेट्स | ने निकाली रैली, दिलाई शपथ



शपथ लेते कैडेट्स व शिक्षक

PHOTON NEWS JSR:

बिष्टुपुर गोपाल मैदान के सामने

स्थित शराब दुकान में सोमवार

और सोनारी के कागलनगर स्थित

शराब दुकान में मंगलवार रात

कुल पांच लाख दो हजार 600

रुपए की चोरी कर ली गई।

मंगलवार की सुबह कर्मचारी

दुकान खोलने पहुंचे तो चोरी का

पता चला। उन्होंने पाया कि दुकान

के शटर में ताला नहीं लगा है।

इसके बाद उन्होंने पुलिस को

इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर

पहुंची और दुकान का शटर

खोला। जांच में पाया गया कि

दुकान से 3,80,760 रुपये की

शराब और गल्ले में रखे कुल

91,840 रुपये गायब हैं। इस

मामले में कर्मी रवि कुमार के

बयान पर बिष्टुपुर थाना में

PHOTON NEWS SARAIKELA:

सरायकेला खरसावां जिले के

कुकडू प्रखंड में मंगलवार की

रात लगभग एक बजे दो जंगली

हाथी भोजन की तलाश में कुमारी

गांव के बनगोड़ा टोला पहुंचे। इस

दौरान हाथी ग्रामीणों के घर की

मिट्टी की दीवार तोडकर घर में रखे

धान- चावल आदि अनाज को

अपना निवाला बना रहा था। इस

क्रम में घर में बिजली का तार टूट

गया और शार्ट सर्किट हो गया।

इससे घर में आग लग गई और

आग ने देखते ही देखते आठ घर

को अपनी लपेट में ले लिया।

इससे घर में रखा सभी सामान

जलकर खाक हो गया। जंगली

हाथियों के उत्पात से आठ परिवार

लाखों रुपये की आर्थिक क्षति के

JAMSHEDPUR: करनडीह स्थित लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल कॉलेज में 37 झारखंड बटालियन, एनसीसी के कैडेटों ने नशामक्ति जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान विभिन्न स्लोगनों के माध्यम से लोगों को नशा से दर रहने का संदेश दिया गया। तदोपरांत भाषण व पोस्टर प्रतियोगिता हुई। इसके अलावा कैडेटस ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार अविचल शामिल रहे।

बिष्टुपुर व सोनारी की शराब

दुकानों से लाखों की चोरी

सोनारी में छत काटकर चोरी

इधर, चोरों ने सोनारी कागलनगर

स्थित शराब दुकान में मंगलवार

की रात दुकान की छत काटकर

चोरी की है। बुधवार सुबह जब

कर्मचारी दुकान खोलने पहुंचे तो

उन्होंने दुकान की छत कटा पाया।

इसके बाद इसकी सूचना विभाग,

मकान मालिक और पुलिस को दी

गई। जांच करने पर पाया कि

दुकान में रखे लगभग 30 हजार

रुपये और कुछ शराब गायब हैं।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच

कुकडू में जंगली हाथियों ने मचाया

अनाज खाने के दौरान बिजली के तार से टकराए हाथी, शॉर्ट सर्किट से लगी आग

घटना के बाद मलबे से उठ रहा धुआं • फोटोन न्यूज

साथ बेघर हो गए। अब इनके

परिवार को सिर छिपाने के लिए भी

जगह नहीं है। घर में आग लगते

ही सभी लोग अपने परिवार के

साथ बाहर निकले और मंदिर में

रात बिताई। कुकडू के अंचल

अधिकारी, ओड़िया पंचायत के

मुखिया पहाड़ सिंह, वन क्षेत्र

उत्पात, ८ घर जलकर हुए खाक

ग्रेजुएट कॉलेज में नाटक के जरिए | बताया गया नशे का नुकसान



प्राचार्य से पुरस्कार लेतीं विजेता टीम

JAMSHEDPUR: साकची स्थित ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वीमेन में 19 से 26 जून तक नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। अंतिम दिन बधवार को कॉलेज में सदर अस्पताल की डॉ. नेहा राठौर नक इस पर व्याख्यान दिया। वहीं, नाटक के माध्यम से नशा के दुष्प्रभाव को दिखाया गया। इस मौके पर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वीणा प्रियदर्शी भी

लोको पायलटों को आपदा के समय बचाव व राहत सेवा की दी गई जानकारी

JAMSHEDPUR : रेल दुर्घटना होने पर रेलवे प्रबंधन द्वारा बारह प्रकार की सेवाएं नागरिक सुरक्षा सक्रियता से करने होते है । उन सभी आवश्यक कार्यों का प्रशिक्षण सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर और उनके टीम द्वारा लोको पायलट प्रशिक्षण केंद्र टाटानगर में रेल चालको को बुधवार को दिया गया। प्रशिक्षण सिर्विल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार द्वारा पीपीटी के माध्यम दी गई । संतोष कुमार ने बताया कि नागरिक सुरक्षा हेतु आवश्यक सेवाएं

हेडक्वार्टर सर्विस, वार्डन सर्विस, कम्युनिकेशन सर्विस, कैजुअल्टी सर्विस, फायर फाइटिंग सर्विस, ट्रेनिंग सर्विस, ट्रांसपोर्टिंग रेस्क्यू सर्विस, सप्लाई सर्विस, वेलफेयर सर्विस के साथ डिस्पोजल सर्विस देने के कार्य करने होते हैं। चालक दल को घटना स्थल पर एक व्यक्ति, दो व्यक्ति द्वारा घायलों पीडितों को ट्रांसपोर्टिंग करने की इमरजेंसी विधि बताई गई । फायर सर्विस की लाईव प्रशिक्षण सिविल डिफेंस डेमोंस्ट्रेटर अनिल कुमार सिंह और शंकर कुमार प्रसाद अग्निशामक

यंत्र का उपयोग विधि और सावधानियां

मैन मेड स्ट्रेचर विधि का प्रदर्शन करते

एमबीएनएस के विद्यार्थियों ने गांव में घुमकर बताया-नाश कर देगा नशा



रैली निकालते छात्र-छात्राएं

JAMSHEDPUR : एमबीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के शिक्षा विभाग के छात्रझछात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर नशा उन्मूलन को अभियान चलाया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गांव गांव में लोगों को जागरूक किया। इस अभियान में प्राचार्य पिंकी सिंह, सहायक प्रोफेसर दीपिका भारती व भबतारण भकत भी शामिल थीं। कॉलेज के डायरेक्टर विवेक सिंह ने छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया।

वीमेंस यूनिवर्सिटी की छात्राओं ने नशे से दूर रहने का लिया संकल्प



प्रमाण पत्र के साथ छात्राएं 🏻 फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR: जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में 19 से 26 जून तक चले नशामुक्ति अभियान के अंतिम दिन छात्राओं व शिक्षिकाओं ने नशा उन्मूलन का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. राजेंद्र जायसवाल ने नशा उन्मूलन पर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का संदेश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के एंटी ड्रग स्क्वॉड को बधाई देते हुए भविष्य में नशे के प्रति कार्यक्रमों को निरंतर करने का सुझाव दिया।

रेलवे के निजीकरण से हो रहा नुकसान दुर्घटनाएं भी बढ़ रहीं : डॉ. के हेमलता

लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन की दो दिवसीय कांफ्रेंस आयोजित

PHOTON NEWS JSR:

दक्षिण पूर्व रेलवे लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन का दो दिवसीय 23वां जोनल क्रांफ्रेंस बुधवार से खासमहल स्थित महल मैरेज हॉल में शुरू हुआ। क्रांफ्रेंस में मुख्य अतिथि सीटू की अध्यक्ष डॉ. के. हेमलता थीं। अधिवेशन की अध्यक्षता युके मित्रा ने की। क्रांफ्रेस में अतिथि के तौर पर ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के केंद्रीय महासचिव

इस दौरान डॉ. के. हेमलता ने कहा कि केंद्र सरकार रेलवे का निजीकरण कर रही है। जन सेवा के माध्यम रेलवे को लाभ का जरिया बनाने की कोशिश में रेलवे का बड़ा नुकसान हो रहा है।

जुगसलाई में ट्रेन

से कटकर अज्ञात

व्यक्ति की मौत

ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति

की मौत हो गई। घटना मंगलवार

रात की बताई जा रही है।

हालांकि, सूचना मिलने पर

जुगसलाई पुलिस बुधवार सुबह

11 बजे घटनास्थल पर पहुंची

और शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस मृतक की पहचान में

जुगसलाई थाना प्रभारी नित्यानंद

प्रसाद ने बताया कि सुबह 10

बजे स्थानीय लोगों से सूचना मिली

कि एक शव रेल लाइन पर पड़ा

है। सूचना पर पुलिस मौके पर

शव को देखकर लगता है कि

रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान

व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया

पहुंची और जांच शुरू की।



मंच पर मौजूद अतिथि 🛭 फोटोन न्यूज

निजीकरण के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। रेलवे बीमारी का इलाज करने की बजाए लोको पायलटों को दोषी बताकर गलतियां छिपा रही है। देश में केवल रेलवे नहीं, बल्कि कई सरकारी संस्थान संक्रमण काल से गुजर रहे हैं। वहीं डॉ. हेमलता ने नेशनल पेंशन सिस्टम के कानून पीएफआरडीए को रद्द कर सभी के

लिए पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की। 8 वां वेतन आयोग का गठन जल्द से जल्द करने की मांग की। वहीं केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ सभी श्रमिक ट्रेड यूनियन को एक साथ मिलकर लड़ने की बात कही। इस दौरान केसी जेम्स ने लोको पायलटों की समस्या समाधान की

ट्रेलर की चपेट में आने से जीजा व साला की मौत, एक घायल

JAMSHEDPUR : जुगसलाई PHOTON NEWS CHANDIL: • बाइक पर सवार थे तीन थाना अंतर्गत दख मार्केट के पास सरायकेला-खरसावां अंतर्गत चौका थाना क्षेत्र के चौका कांड्रा सड़क मार्ग पर तुलाग्राम

मोड़ के पास अज्ञात ट्रेलर की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। घटना मंगलवार देर रात की है।

मृतक की पहचान आदित्यपुर बेलडीह निवासी कुश सिंह मुंडा व सरायकेला के नारायणपुर निवासी बिदेशी सिंह मुंडा के रूप में हुई है। वहीं चौका थाना क्षेत्र के दिरलौंग निवासी रमेश सिंह मुंडा घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार रमेश सिंह मुंडा के मामा का बेटा बिदेशी सिंह मुंडा एवं बिदेशी सिंह मुंडा के बहनोई कुश सिंह मुंडा चौका के दिरलौंग गांव से एक ही बाइक पर सवार होकर आदित्यपुर के बेलडीह बस्ती जा रहे थे। इसी

युवक, हादसे में ट्रेलर ने 300 मीटर तक घसीटा, जांच शुरू

दौरान तुलाग्राम मोड़ में बनी स्पीड ब्रेकर के सामने अज्ञात ट्रेलर ने चपेट में लिया, जिससे जीजा व साला को अज्ञात ट्रेलर ने बुरी

तरह कुचल दिया। ट्रेलर ने बाइक पर सवार तीनों को करीब 300 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। वहीं बाइक के पीछे बैठे रमेश सिंह मुंडा दूर छिटक गया। घटना की सूचना पर चौका थाना की पुलिस पहुंची ओर घायल युवक रमेश सिंह मुंडा को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुरचरण सिंह बिल्ला, सलाहकार सुखविंदर सिंह राजू मौजूद रहे। राजस्थानी ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष बने बोदुराम

JAMSHEDPUR : जुगसलाई स्थित राजस्थानी ब्राह्मण संघ का चुनाव 30 जून को होना है। इससे पहले बोदुराम शर्मा 'सेवदा' निर्विरोध अध्यक्ष

चुन लिए गए। उपाध्यक्ष-2 पद के लिए काशी प्रसाद चौबे, पं. पुरुषोत्तम जोशी, पं. बजरंग लाल शर्मा व प्रकाश जोशी, महासचिव-1 पद के लिए कौशल



किशोर जोशी व दुर्गा प्रसाद शर्मा, सचिव-2 पद के लिए कृष्ण कुमार भारद्वाज, मनोज कुमार शर्मा व सुशील कुमार शर्मा मैदान में हैं। कोषाध्यक्ष पद पर विनोद कुमार शर्मा व अंकेक्षक पद पर प्रमेंद्र कुमार शर्मा भी निर्विरोध रहे। कार्य समिति में 17 पद के लिए 32 लोग मैदान में हैं।

समीक्षा पूर्वी सिंहभूम में स्कूल व पंचायत भवनों में फाइनेंशियल लिटरेसी क्लब का कैंप आयोजित करने का दिया गया निर्देश

जिले में ख़ुले प्रधानमंत्री जन-धन के 8,40,021 खाते

पदाधिकारी चांडिल मैनजर मिर्घा

बकरी-मुर्गे तक जल गए :

भुक्तभोगियों ने बताया कि हाथियों

की वजह से आठ घरों में रखे

राशन व अन्य सामग्री के अलावा

बकरी-मुर्गे तक जल कर खाक

घटना स्थल पहुंचे।

 डीडीसी ने की बैठक, आधार सीडिंग का लक्ष्य 88.49 फीसद तक हुआ पूरा

PHOTON NEWS JSR:

उपायुक्त अनन्य मित्तल के निदेशांनुसार समाहरणालय सभागार में उपविकास आयुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को जिला परामर्शदात्री समिति और जिलास्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इसमें एलडीएम ने वित्तीय वर्ष 2023- 2024 की चौथी तिमाही का वित्तीय लेखा जोखा प्रस्तुत किया, जिसमें बताया कि वार्षिक जमा ऋण अनुपात में बैंकों ने साल दर साल 49.05% के विरुद्ध 49.64% की उपलब्धि



समीक्षा बैठक करते उपविकास आयुक्त 🏻 फोटोन न्यूज

प्राप्त की। कुल 8,40,021 प्रधानमंत्री जन धन योजना खाता में से 53,555 शून्य राशि में खोला गया और आधार सीडिंग प्रतिशत 88.49% रही।

उपविकास आयुक्त ने सरकार केंद्रित योजनाओं के अनुपालन में बैंकों को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पांच मुख्य बिंदुओं कृषि ऋण में सुधार, जमा-साख में वृद्धि, मुद्रा योजना और पीएमजीईपी एवं पीएमएफएमई योजनाओं में सभी बैंकों को स्वीकृत आवेदनों का शीघ्र ऋण संवितरण करने को कहा, जिससे जिले का अनुपात और बेहतर हो

सके। इसके साथ ही उन्होंने अभी चल रहे सिटीजंस च्वाइस एपीवाई कार्यक्रम (05 जून से 31 जुलाई तक) के सफलतापूर्वक संचालन

बैंक अधिकारियों को लंबित-आवेदन शेष है, सरकारी योजनाओं के आवेदन का यथाशीघ्र निष्पादन करने की बात कही गई। उन्होंने बैंकों को संवेदनशील होकर योग्य लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कुछ बैंकों का प्रदर्शन प्रायोरिटी सेक्टर में काफी कम है, जिसमें सुधार की जरूरत बताई गई और शहरी निकाय के सहयोग से फुटपाथ विक्रेताओं के लिए ऋण वितरण कैंप मोड में त्वरित करने का भी निर्देश दिया।

बैंकों को बढ़-चढ़कर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार से जुड़े लोगों को आर्थिक मदद पहुंचाने की बात कही गई। सरकार केंद्रित योजनाओं के ऋण के संदर्भ में बैंकों से कहा कि ऐसे आवेदक जो योजना की बारीकी नहीं समझते साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय के बच्चों के बीच, भवन आदि में फाइनेंशियल लिटरेसी क्लब के

बैठक में डीएम जीआईसी, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार, जिला मत्स्य पदाधिकारी अल्का पन्ना, आरबीआई, रांची के प्रतिनिधि रोशन कुमार घिरीया, डीडीएम नाबार्ड, एलडीएम समेत आमंत्रित सभी सदस्य, सभी बैंकों के समन्वयक शामिल हुए।

कैंप आयोजित करने के निर्देश

जून में 57.10 प्रतिशत खाद्यान्न का वितरण

JAMSHEDPUR : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में बुधवार को आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इसमे बताया गया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत जून में लक्ष्य का ५७ .१० प्रतिशत खाद्यान्न वितरण हुआ है, जिसे 15 जुलाई तक तक शंत प्रतिशत वितरण करने का निर्देश दिया गया। वहीं, जून में लक्ष्य के विरूद्ध 73.19 प्रतिशत ही खाद्यान्न की डोरस्टेप डिलीवरी हुई। उपायुक्त ने इसे दो दिन में शत-प्रतिशत करने का निर्देश दिया। सभी एमओ को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक माह की १५ तारीख तक खाद्यान्न का डोर स्टेप डिलीवरी तथा झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्रत्येक माह की 5 तारीख तक ग्रीन चावल की डोर स्टेप डिलीवरी हो जाए। इस दौरान कम वितरण करने वाले जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को शो–कॉज करने का निर्देश जिला आपूर्ति पदाधिकारी को दी।

बहरागोड़ा में खुलेगा जिले का दूसरा वीमेंस कॉलेज

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय के अंतर्गत नया अंगीभृत वीमेंस कॉलेज खुलने जा रहा है। ग्रेजुएट के बाद यह पूर्वी सिंहभूम जिले का दूसरा वीमेंस कॉलेज होगा। इस महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना बहरागोड़ा स्थित पाटबेड़ा में की जाएगी। इस संबंध में डीसी ने बहरागोड़ा के अंचलाधिकारी भोला शंकर महतो को 5 एकड़ भूमि चिंहित करने कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया था। अंचलाधिकारी ने भूमि चिंहित करते हुए अपनी रिपोर्ट डीसी को सौंप दी है। पाटबेड़ा के खाता नंबर 103 प्लाट नंबर 15 के अंश भूमि को कालेज के निर्माण के लिए चिंहित किया गया है। इस इलाके में छात्राओं के लिए अभी तक अलग से कोई कालेज नहीं था। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार 30

दिनों में भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया

एक साल में पांच कॉलेज खोलने की घोषणा

पिछले एक साल में यह पांचवां कॉलेज होगा जिसे बनाने की तैयारी शुरू होने जा रही है। इससे पहले इसी साल चाकुलिया व पोटका में डिग्री कालेज बनाने की प्रक्रया शुरू हो चुकी है। इन दोनों स्थान पर कालेज निर्माण का शिलान्यास किया जा चुका है। निर्माण कार्य के लिए भवन निर्माण विभाग की टेंडर भी निकाला जा चुका है। वहीं गम्हरिया व राजनगर में नया डिग्री कॉलेज खोलने की घोषणा हो चुकी है। जबिक बहरागोड़ा वीमेंस कॉलेज के लिए जमीन चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

को पूरी की जाएगी। ताकि विधान सभा चुनाव से पूर्व महिला डिग्री कालेज का निर्माण कार्य शुरू किया जा सके। गम्हरिया व राजनगर में बनने वाले डिग्री कॉलेज का शिलान्यास सीएम कर सकते हैं।

है। मृतक की पहचान पत्रकार

शिवशंकर झा के रूप में की गई है।

अस्पताल में शिवशंकर झा की मौत

की पृष्टि के बाद पुलिस ने घर वालों को

इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही

घर वाले अस्पताल पहुंचे। हालांकि

अभी तक यह नहीं पता चला है कि

शिवशंकर झा की हत्या के पीछे की

क्या वजह है। शिवशंकर झा मनियारी

थाना क्षेत्र के ही रहने वाले थे। वह

अपने घर मारीपुर स्थित आवास की

ओर लौट रहे थे। अचानक अज्ञात

बदमाशों ने उनकी बाइक को घेर लिया

Thursday, 27 June 2024 मुजफ्फरपुर में पत्रकार

O BRIEF NEWS 3 किलो गोल्ड लूटकांड में

2 लाख का इनामी अरेस्ट PATNA: डाक बंगला चौराहे पर सात मार्च को दिल्ली के व्यवसायी अंसार अली से हुए तीन किलो सोना लूटकांड में दो लाख का इनामी अपराधी राजीव पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गायघाट से सोमवार देर रात गिरफ्तार आरोपित के पास से 800 ग्राम सोना, एक पिस्टल और एक गाड़ी जब्त की गई है। राजीव यूपी के बलिया जिले के कठुआ रामपुर का रहने वाला है। लुटकांड की जांच कर रही एसआईटी ने गायघाट में छापेमारी कर उसे दबोचा। पुलिस ने राजीव से वह पिस्टल भी बरामद किया जिससे सोना व्यवसायी को गोली मारी गई थी।

पश्चिम चंपारण में ठनका गिरने से महिला की मौत

CHAMPARAN: पश्चिम चंपारण जिले में सिकटा प्रखंड के कंगली थाना क्षेत्र अंतर्गत सेनवरिया गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई जबिक उसके साथ बैठी एक बच्ची घायल हो गई। मृतका की पहचान ममता देवी (22) के रूप में हुई है। घायल बच्ची मंदना कुमारी (05) उसकी बेटी है। मृतका के परिजनों के मुताबिक, ममता देवी एवं मंदना कुमारी घर के दरवाजे पर बैठी थीं। तभी आकाशीय बिजली उनके समीप ही गिर गई। ममता की तत्काल मौत हो गई और उसकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।

मनेर के शाहपुर ईंट भट्टा के पास मिला युवक का शव

PATNA: मनेर थाना क्षेत्र के छितनावा गांव से दो दिनों से लापता हुआ युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गयी। युवक की हत्या के बाद अपराधियों ने शव शाहपुर ईंट भठ्ठा के पास गंगा नदी में फेंक दिया। सूचना पर पुलिस ने युवक का शव पुलिस ने बरामद कर कार्रवाई में जुटी हुई है। मृतक युवक खासपुर पंचायत के छितनावा गांव के रहने वाले अशोक राय के 21 वर्ष से पुत्र विशाल कुमार बताया जा रहा है।

अंजू देवी ने पटना जिप अध्यक्ष का जीता चुनाव PATNA: पटना जिला परिषद की

अध्यक्ष पद पर बुधवार को हुए चुनाव में अंजू देवी ने जीत दर्ज की है। अंजू को 33 वोट मिले जबिक उनकी विरोधी प्रत्याशी रेहाना परवीन को 5 वोट ही मिले। जिला परिषद की पर्व चेयरमैन स्तुति कुमारी वोटिंग का बहिष्कार करके पहले ही बाहर निकल गईं। बता दें कि स्तित को चंद महीने पहले अविश्वास प्रस्ताव लाकर पद से हटा दिया गया था। इसके बाद से जिला परिषद के अध्यक्ष का पद खाली था।

मोबाइल नहीं मिलने से नाराज युवक ने की आत्महत्या

BHAGALPUR : जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के आदर्शनगर में 12वीं कक्षा के छात्र ने बीते देर रात फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि उक्त युवक ने मोबाइल खराब होने के बाद पिता के फटकार से डिप्रेशन में आकर यह कदम उठाया है। छात्र उमेश शाह का पुत्र आदित्य कुमार (19) है। बताया जा रहा है कि बीते दिनों आदित्य का मोबाइल खराब हो गया था, जिसके बाद पिता उमेश शाह ने उसे फटकार लगाई थी, जिसको लेकर वह पिछले कई दिनों से डिप्रेशन में चल रहा था।

पटना-गया रेलखंड पर पोठाही और नदवां स्टेशन के बीच की घटना

चलती ट्रेन के अंदर फयरिंग जमीन कारोबारी का हुआ मर्डर

बिहार में चलती ट्रेन के अंदर पटना के जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात देर रात पटना-गया रेलखंड पर पोठाही और नदवां स्टेशन के बीच नीमा हॉल्ट के पास हुई। हथियारबंद अपराधियों ने पटना से गया जा रही मेमू पैसेंजसें र ट्रेन के अंदर वारदात को अंजाम दिया। ट्रेन में गोलीबारी होने के बाद यात्रियों के बीच दहशत और अफरा-तफरी मच गई। हत्यारे बेखौफ होकर नदवां स्टेशन पर उतरकर आराम से भाग निकले। जमीन कारोबारी पर दो हफ्ते पहले भी जानलेवा हमला



जिले के मसौढ़ी थाना इलाके में दहिभत्ता गांव के रहने वाले 66 वर्षीय जमीन कारोबारी जगदीश सिंह उर्फ भोला शर्मा के रूप में हुई है। तारेगना रेल पुलिस ने शव को

कानूनी कार्रवाई में जुट गई। पुलिस के अनुसार भोला शर्मा पटना से घर जाने के लिए पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए थे। पोठही स्टेशन पर अपराधी ट्रेन में चढ़े और जमीन

हो गई। जीआरपी मामले की जांच

<u>बडे भाई पर</u> लगाया आरोप बीते ११ जन को भी अज्ञात अपराधियों ने जय प्रकाश सिंह उर्फ बोला शर्मा पर हमला हुआ था। बदमाशों ने उनपर तीन राउंड फायर किए थे, जिसमें से एक गोली उनके हाथ में लगी और वे जख्मी हो गए थे। बताया जा रहा है कि भोला शर्मा प्रॉपर्टी डीलर का काम करते थे। इसी कारोबार में उनकी कुछ लोगों से दुश्मनी हो गई थी। दो सप्ताह पहले उन्होंने न्हों मसौढ़ी थाने में अपने बड़े भाई चंद्रभषण शर्मा पर जमीन विवाद में भाड़े के गूड़ों द्वारा गोली मरवाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई थी।

जैसे ही ट्रेन पहुंची अपराधियों ने भोला शर्मा को ढूंढकर उन्हें मार डाला। भोला की मौके पर ही मौत

नदी में नहाने के दौरान डूबकर छात्र की मौत

PATNA : बिहार में वैशाली जिले

के लालगंज में बुधवार को गंडक नदी में नहाने के दौरान डूबने से एक छात्र की मौत हो गई। घटना पंचायत के महादेव घाट की है।मृतक छात्र बेलसर थाना क्षेत्र के कारनेजी मौजा पकड़ी गांव निवासी आलोक कुमार सिंह के बेटे आयुष कुमार है। आयुष संत पॉल स्कूल में पढ़ता था और पिछले कई दिनों से स्कल से आने के दौरान वह स्कूल से निकल कर गंडक नदी में स्नान करने जाता था। बुधवार को भी वह अपने दो दोस्तों के साथ गंडक नदी में स्नान करने पहुंचा था, जहां स्नान करने के दौरान वह डूब गया। आयुष को डूबता देख दोनों दोस्त भागने लगे, जिन्हें ग्रामीणों ने पकड़ा। दोस्तों ने बताया कि आयुष डूब गया है।घाट पर आयुष का बैग तथा ड्रेस पाया गया है। ग्रामीणों ने छात्र की डूबने की



कर दिया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शिवशंकर झा को एसकेएमसीएच पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में मनियारी थाने के एसआई जयशंकर राम ने बताया कि मामले की जानकारी मिली कि एक व्यक्ति पर चाकुओं से हमला किया गया है और घायल कर दिया गया है। इसके बाद वो लोग पहुंचे और उस व्यक्ति को अस्पताल लेकर आए जहां उसे

की टक्कर में दो की गई जान

AGENCY SITAMARHI:

सीतामढ़ी में बुधवार की सुबह

भीषण सडक हादसा हुआ है। दो वाहनों की सीधी टक्कर में दो व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी है। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल भेजा गया है। जहां तीनों की हालत गंभीर बतायी जा रही है। हादसा सोनबरसा के दोस्तियां के पास राष्ट्रीय उच्च पथ पर हुई है। जहां टाटा 407 और स्कॉर्पियो के बीच भीषण टक्कर हुई है। इस हादसे में कार पर सवार एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी है, जबिक चार लोग बुरी तरह घायल है। एक की इलाज के दौरान मौत हो गयी। घटना की सूचना लोगों ने पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त किया और आगे की कार्रवाई शुरू की। इस भीषण



टक्कर के बाद बेला थाना क्षेत्र के बेला निवासी नागेश्वर महतो के बेटे विवेक कुमार और रामचंद्र गोसाई की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच करने में जुट गई है। सोनबरसा थाने के थानाध्यक्ष ने कहा कि सोनबरसा के दोस्तियां के पास राष्ट्रीय उच्च पथ पर स्कॉर्पियो और पिकअप वैन में सीधी टक्कर हुई है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल बेहतर इलाज के लिए सीतामढ़ी रेफर : सोनबरसा पीएचसी के द्वारा तीनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए बीती देर रात सीतामढ़ी सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया। जहां तीनों का इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस ने पिकअप और स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है। थाना अध्यक्ष ने इस बारे में जानकारी देते कहा कि मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है।

सीतामढ़ी में सड़क हादसा, वाहनों सरकारी अस्पताल के चिकित्सक की लापरवाही ऑपरेशन के बाद महिला के पेट में छोड़ दिए बैंडेज

बिहार के एक सरकारी अस्तपताल

में ऑपरेशन के दौरान बडी लापरवाही सामने आई है। मामला बिहारशरीफ स्थित नालंदा जिले के सदर अस्पताल का है। जहां ऑपरेशन के दौरान महिला मरीज के पेट में टेट्रा (बैंडेज) छोड़ दिए गए। महिला के पति ने मंगलवार को इसकी शिकायत डीएम के जनता दरबार में की। इसे गंभीरता से लेते हुए डीएम शशांक शुभंकर ने सिविल सर्जन डॉ. श्यामा राय और सदर अस्पताल के उपाधीक्षक अशोक कुमार को जांच का आदेश दिया है। डीएम ने तीन दिन में जांच रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पटना के सकसोहरा थाना क्षेत्र के अंदौली गांव निवासी रवीन्द्र पासवान ने डीएम को आवदेन देकर बताया कि उनकी पत्नी बेबी देवी अपने



मायके सरमेरा-नालंदा के धनावां गांव में रह रही थीं। 25 नवंबर 2023 की रात प्रसव पीड़ा होने पर उसको सरमेरा अस्पताल में अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां दोपहर में महिला डॉक्टर ने ऑपरेशन किया। इसके बाद बच्ची ने जन्म लिया। करीब डेढ़ माह बाद से बेबी देवी अक्सर पेट दर्द की शिकायत करने लगी।

स्थानीय चिकित्सकों से इलाज कराया। लेकिन, तकलीफ दुर नहीं हुई। 11 मई 2024 को जब पटना में एक बड़े डॉक्टर से दिखाया तो पेट में टेट्रा होने का मिला। इसके इसमें चार से पांच लाख खर्च हो गए। अभी एक और ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई है।

बिहारशरीफ सदर अस्पताल में ऑपरेशन करने वाली डॉक्टर से मिले। लेकिन, अपशब्द कहते हुए डॉक्टर ने उन्हें अस्पताल से भगा दिया। आखिरकार, रवींद्र पासवान ने डीएम से मिलकर पूरी जानकारी दी। पीड़िता के पति ने साक्ष्य के रूप में सदर अस्पताल के पूर्जा के साथ ही पटना के निजी अस्पताल में कराए गए इलाज का पुरा दस्तावेज भी जमा

क्या होता है टेट्रा : ऑपरेशन के वक्त शरीर से निकलने वाला पानी अथवा खून को सोखने के लिए बैंडेज के कई टुकड़े डाले जाते हैं। लेकिन, बाद में उन्हें गिनकर निकाल लिया जाता है। इस मामले में एक या उससे अधिक टुकड़े पेट में ही रह गए, जो बाद में महिला के लिए पीड़ादायी बन गए।

उपेंद्र कुशवाहा को रास भेज सकता है जेडीयू



PATNA : बिहार में विधान परिषद की एक सीट पर होने वाले उपचनाव के लिए जेडीय ने भगवान सिंह कुशवाहा को उम्मीदवार बना दिया। इससे उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के खेमे में नाराजगी है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने उपेंद्र कुशवाहा को काराकाट के साथ एक एमएलसी सीट भी देने का वादा किया था। काराकाट तो कशवाहा जीत नहीं पाए। अब आरजेडी से एमएलसी रहे रामबली चंद्रवंशी की सदस्यता रद्द होने के बाद उनकी सीट पर हो रहे उपचुनाव में आरएलएम को मौका नहीं मिला है। चर्चा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू, एमएलसी सीट के बदले उपेंद्र कशवाहा को राज्यसभा में जाने का मौका दे सकती है। लोकसभा चनाव के नतीजे आने के बाद बिहार से राज्यसभा की दो सीटें खाली हुई हैं।

पुलिसकर्मियों की बालु माफिया से साढगांठ ऑडियो वायरल होने के बाद दारोगा समेत

साठगांठ के आरोप में 7 पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। सारण एसपी कमार आशीष ने बालू माफिया से गठजोड़ रखने के आरोप में भगवान बाजार थाने में तैनात दारोगा (एसआई) समेत 7 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। इन सभी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी चलेगी। आरोप है कि ये सभी पलिसकर्मी अवैध वसूली करके बालू लदी गाड़ियों को चेक पोस्ट पार करवा रहे थे। पुलिस पदाधिकारी और अन्य जवानों का एक ऑडियो क्लिप भी वायरल हुआ था। वायरल ऑडियो के बाद सारण एसपी ने मामले में जांच के आदेश दिए थे। जांच में सही पाए जाने पर भगवान बाजार थाने के एसआई अजीत प्रसाद, एएसआई किरण कुमारी, सिपाही मनोज कुमार,

बिहार के छपरा में बालू माफिया से



सस्पेंड कर दिया गया। एसपी ने बताया कि इन लोगों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया था। लेकिन, संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के कारण कार्रवाई की गई है। बता दें कि सारण जिले में इसके पहले भी कई पुलिस पदाधिकारी और जवानों पर बालू माफिया से साठगांठ करने के मामले में कार्रवाई हो चुकी है। दुसरी ओर, बिहार सरकार ने बालु माफिया पर नकेल कसने के लिए सख्ती बरती है। बालू की बिक्री का सिस्टम ऑनलाइन मोड में कर दिया गया है। वहीं, पटना स्थित सचिवालय में कमांड कंट्रोल सेंटर भी खोला गया है, जहां से प्रदेश भर के बालू घाटों की निगरानी की जाएगी। यह सेंटर 24 घंटे काम करेगा।

कैदी को भगाने में शामिल पुलिसकर्मी पर एसपी ने दिया एफआईआर का आदेश GOPALGUNJ : कैदी को भगाने

के आरोप में गोपालगंज के एसपी स्वर्ण प्रभात ने तीन पलिसकर्मियों पर एफआइआर के आदेश दिये हैं। इनमें हवलदार उपेंद्र पांडेय. सिपाही सतीश कमार और एसपी कार्यालय के लिपिक अनिश कमार सिंह शामिल हैं। होमगार्ड जवान की गोली मारकर हत्या किये जाने के मामले में जेल में बंद कुख्यात अपराधी संजय उर्फ बनरी को पेशी के दौरान भगाने के लिए फूल प्रूफ साजिश रची गयी। साजिश के तहत कख्यात अपराधी संजय उर्फ बनरी को भगाया गया। अब इस मामले में जांच रिपोर्ट आने के बाद सिपाही पर कार्रवाई शरू कर दी गयी है। दो साल पहले गिरफ्तार हुआ था हत्या का आरोपी : एसपी स्वर्ण प्रभात के आदेश पर जिला बल के हवलदार उपेंद्र पांडेय के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी गयी। उपेंद्र पांडेय की संलिप्तता पायी गयी और कार्रवाई शुरू की गयी है। नगर थाना क्षेत्र के एकडेरवा गांव निवासी होमगार्ड जवान भोला यादव को घर से थावे होमगार्ड कार्यालय जाने के दौरान रास्ते में संजय उर्फ बनरी ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोली

मारकर हत्या कर दी थी।

नए अपर मुख्य सचिव से शिक्षक नाराज, आदेश का कर रहे विरोध

AGENCY PATNA:

बिहार में स्कूल टीचरों की नाराजगी कम नहीं हो रही है। के-के पाठक के जाने के बाद अब नये अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ का भी शिक्षकों ने विरोध करना शरू कर दिया है। इस बार शिक्षकों की नाराजगी ऑनलाइन अटेंडेंस को लेकर है। बिहार शिक्षा विभाग की तरफ से सभी सरकारी टीचरों को 25 जून से ऑनलाइन अटेंडेंस बनाने का निर्देश दिया गया था, लेकिन सुबह जब शिक्षकों ने पोर्टल खोला तो किसी का आईडी पासवर्ड इनवैलिड बता रहा था तो किसी के मोबाइल पर पोर्टल नहीं खुल रहा था। सर्वर काम नहीं करने के कारण बड़ी संख्या में शिक्षक ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं बना पाये। टैब या एंड्रॉइड फोन उपलब्ध

कराए सरकार : शिक्षकों का कहना है कि अभी इसमें कई तकनीकी खामियां हैं। इसको अनिवार्य बनाने से पहले कछ दिन वैकल्पिक रखा जाये। शिक्षकों ने बताया कि उन्होंने विभाग के निदेशांनुसार ई-शिक्षा कोष एप मोबाइल में डाउनलोड किया। विभाग से मिले यूजर आईडी पासवर्ड डाला। लॉगिन करने के



बाद मार्क अटेंडेंस का ऑप्शन आ

रहा है, जिसे क्लिक करने पर लोकेशन बताए और इस लोकेशन पर अपने विद्यालय एवं फोटो के साथ क्लिक करना है, लेकिन जब पोर्टल खोला तो उनके विद्यालय का लोकेशन गलत बता रहा था। इस वजह से अधिकतर शिक्षकों ने ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं बनाया। उन्हें पुरानी विधि से रजिस्टर पर हाजिरी बनानी पडी। विभाग को इसकी जानकारी दे दी गयी है। ऑनलाइन अटेंडेंस को लेकर शिक्षक संघ के साथ-साथ राज्यभर के शिक्षकों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। इन लोगों का कहना है कि शिक्षकों को बगैर टैब या एंड्रॉइड फोन उपलब्ध कराए ही ई-शिक्षा कोष पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की अनिवार्यता लागू करना बिल्कुल गलत है।

बिहार में 826 करोड़ के टेंडर रद्द, एनडीए सरकार ने जांच के बाद की कार्रवाई

PATNA: बिहार की एनडीए सरकार ने पिछली महागठबंधन सरकार में हुई अनियमितता की जांच के बाद कार्रवाई शुरू कर दी है। राजद कोटे के विभागों से अलॉट किये गये 826 करोड़ के टेंडर को वर्तमान सरकार ने रद्द कर दिया गया है। कछ फैसलों की जांच अभी जारी है ऐसे में ऐसे अभी औ? कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। एनडीए सरकार बनने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा था कि राजद कोटे के विभागों से जारी टेंडरों की जांच की जायेगी और उसमें अनियमितता पाये जाने के बाद उचित कार्रवाई की जायेगी।

स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ने 826 करोड़ के 350 टेंडर में धांधली पाये जाने के बाद उन्हें रद्द कर दिया है। ये सभी टेंडर महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में जारी हुए थे। तब इस विभाग के मंत्री राजद के ललित यादव हुआ करते थे। मौजूदा सरकार ने इन टेंडर की जांच करायी थी और अब उसमें गड़बड़ी पाते हुए रद्द कर दिया है। बिहार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार बबलू ने बताया कि जांच के दौरान ये पाया गया कि टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई थी।

नीतीश सरकार के लोक

आम लोगों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए सरकार ने स्वीकृत किए १७.५५ करोड़ रूपये

एक क्लिक में डॉक्टर देखेंगे आपका स्वास्थ्य

सरिता कुमारी, नेहा कुमारी, सिम्मी

कुमारी, सैप जवान चालक संतोष

कुमार और श्याम किशोर सिंह को

AGENCY PATNA:

बिहार के आम लोगों को स्वास्थ्य सुविधा आसानी और सहज तरीके से मुहैया किया जा सके इसके लिए सरकार की ओर से मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना प्रदेश में प्रभावी है। इस योजना के तहत बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा और जांच वगैरह को डिजिटल मोड पर ले जाना है। सरकार का मानना है कि इस योजना के माध्यम से स्वास्थ्य व्यवस्था और आमजनों का हेल्थ रिकार्ड डिजिटल माध्यम में उपलब्ध हो जाएगा तो भविष्य में स्वास्थ्य नीति के निर्माण में काफी सह्लियत मिलेगी। पांच वर्षों के लिए लागू की गई इस 🗕 अब तक इस योजना के खर्च हो चुके है 100 करोड़ 🗕 सभी अस्पतालों में 24 घंटे मिलेगी आपातकालीन सुविधा 🗕 पांच वर्षों तक के लिए लागू है डिजिटल हेल्थ योजना



डिजिटल हेल्थ योजना लागू में सफल संचालन के लिए किया गया है। बता दें कि इस स्वास्थ्य विभाग द्वारा 17.55 योजना का कार्यकाल 2026-27 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। तक है। पूरी योजना पर करीब तीन सौ करोड़ रुपये खर्च किए स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्ष 2022-23 से राज्य में मुख्यमंत्री जाने का प्रावधान है। राज्य

सरकार के अनुसार इस वर्ष योजना के रखरखाव और परिचालन के लिए 17.55 करोड़ रुपये खर्च हो सकती है जिसको देखते हुए राशि स्वीकृत कर दी गई है। योजना के शुरूआती

करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। प्रत्येक जिले में योजना पूरी तरह से प्रभावी हो जाने के बाद सभी अस्पतालों में सातों दिन 24 घंटे आपातकालीन चिकित्सा सुविधा और विशेषज्ञ डाक्टरों का परामर्श मिलने लगेगा। प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य की मॉनीटरिंग आसानी से हो सकेगी। अगर पूरी तरह से यह डिजिटल योजना राज्य में प्रभावी हो जाएगा उसके बाद रोगियों को इलाज के लिए अपने साथ इलाज के दस्तावेज लेकर नहीं आने होंगे। महज एक क्लिक पर डाक्टर उनकी पूरी स्वास्थ्य कुंडली देख सकेंगे।

काल से अब तक इस पर सौ

आम के पेड़ से लटके मिले दंपती के शव

HAZIPUR : हाजीपुर के देसरी थाना क्षेत्र के खोखसा कल्याण गांव में एक बगीचे में आम के पेड़ से लटका एक प्रेमी जोड़े का शव मिला है। एक ही दुपट्टा, दोनों के गर्दन में लपेटा हुआ मिला। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने देसरी थाना के पुलिस पदाधिकारी को दी। घटना की सूचना मिलते ही देसरी थाना अध्यक्ष सुनील कुमार, पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। पुलिस प्रेम प्रसंग में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात कह रही है, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि दोनों की हत्या करके शव को टांग दिया गया है। पुलिस का कहना है कि सोनी 6 महीने से अपने मायके में ही रह रही थी। सोनी और अजीत का घर आमने-सामने है।

भूमि विवाद में एसिड से अटैक तीन लोग गंभीर रूप से झुलसे

AGENCY NAWADA:

जिले में नेमदारगंज थाना क्षेत्र के भनैल लोदीपुर गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर एक परिवार के तीन लोगों पर एसिड से हमला किया गया है। इलाज कर रहे चिकित्सक एसिड की पुष्टि करते हुए हालत गम्भीरर बताया है।। घटना में एक महिला समेत तीन लोग जख्मी हुए हैं। झुलसे लोगों में सुगिया देवी, राजीव कुमार एवं अरविंद कुमार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। जिसमें दोनों तरफ से आधा दर्जन लोग जख्मी हुए थे। सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभी एक पक्ष के लोग सदर अस्पताल से इलाज करा कर घर



लौटे ही थे। तभी दूसरे पक्ष ने उनके उपर तेजाब से हमला कर दिया। हमले में एक महिला समेत तीन लोग जख्मी हुए हैं। फिलहाल सुगिया देवी का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है, जबिक राजीव एवं अरविंद कुमार को निजी क्लिनिक में इलाज कराया गया है। पीड़ित परिवार के संजीत कुमार ने बताया कि महज दो फीट जमीन को लेकर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष पर तेजाब से हमला कर दिया गया।

जाति के नाम पर दूसरों से कैसी श्रेष्ठता?

सामाजिक स्तरीकरण मुख्यतः जाति पर आधारित है। किसी जाति समूह की सदस्यता जन्म से प्राप्त होती है, जिसके आधार पर लोगों को अन्य जाति समूहों के सापेक्ष स्थान दिया जाता है। यह दशार्ता है कि विभिन्न जातियों को उनके व्यवसायों की शुद्धता और अशद्धता के अनुसार वगीर्कत किया गया है। उदाहरण के लिए. निम्न जाति समहों के पास कओं तक पहुंच नहीं थी, उन्हें मंदिरों में प्रवेश करने से प्रतिबंधित किया गया था आदि-आदि। किसी विशेष जाति के सदस्यों को अपनी जाति में ही विवाह करना होता है। अंतरजातीय विवाह निषिद्ध हैं। यह सामाजिक रीति-रिवाजों द्वारा किसी समृह को मुख्यधारा से अलग करके बहिष्कृत करने की प्रथा है। जाति व्यवस्था और धर्म ने संकीर्णता की भावना को जन्म दिया और लोगों को अपनी जाति-धर्म के प्रति अनावश्यक रूप से सचेत कर दिया। समकालीन समाज में जातिगत भेदभाव अभी भी व्यापक रूप से प्रचलित है, क्योंकि भारतीय समाज वैदिककाल से ही इस सामाजिक बुराई का दंश झेल रहा है और संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भी यह जारी है। किसी व्यक्ति की जाति उसके जन्म लेने वाले परिवार की जाति से निर्धारित होती है। यह आमतौर पर वंशानुगत होती है। किसी व्यक्ति की जाति अपरिवर्तनीय होती है, चाहे उसकी सामाजिक स्थिति कुछ भी हो। किसी व्यक्ति को जन्म से ही किसी जाति की सदस्यता विरासत में मिलती है। यह बात सच है कि प्राचीन असमानताएं और पूर्वाग्रह धीरे-धीरे बदलते हैं। सदियों से निचली जातियों का शोषण करने वाली उच्च जातियां आज भी उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से भेदभाव करती हैं। अपनी जाति को दूसरी जातियों से श्रेष्ठ समझने की भावना इसका मुख्य कारण है। लोगों की जाति की प्रतिष्ठा बढ़ाने की तीव्र इच्छा होती है। किसी विशेष जाति या उपजाति के सदस्यों में अपनी जाति के प्रति वफादारी विकसित करने की प्रवित्त होती है। जातिगत सजातीय विवाह का अर्थ है एक ही जाति में विवाह करना। इसलिए जातिगत सजातीय विवाह जातिवाद की भावना के उद्भव के लिए जिम्मेदार है। अशिक्षा के कारण लोग धार्मिक रूढ़ियों, अंधविश्वासों और अंधविश्वासों में विश्वास करते हैं। 'जाति धर्म' के अभ्यास के कारण वे अपनी जाति में रुचि लेते हैं। इससे जाति भावना और जातिवाद को बढ़ावा मिलता है। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों में ऊंची जाति के लोग निचली जातियों से सामाजिक दूरी बनाए रखते हैं। ग्रामीण गांवों में दलितों को हिंदू मंदिरों में जाने की मनाही है और ऊंची जाति के मोहल्लों में जूते पहनकर जाने की अनुमति नहीं है। वे इसे विभिन्न प्रतिबंधों जैसे कि अंतरजातीय विवाह, अंतर-भोज आदि के माध्यम से बनाए रखते हैं। किसी व्यक्ति की विचारधारा उसके जातिगत मानदंडों और मूल्यों से जुड़ी होती है। इसने जातिवाद को जन्म दिया है। उच्च शिक्षा और सरकार में जातिगत आरक्षण ने एक ऐसी व्यवस्था को कायम रखने का काम किया है जो अन्यथा खत्म हो गई होती। कई बार जाति और साम्प्रदायिक हितों को राष्ट्रीय हितों से अधिक प्राथमिकता दी गई। इस प्रकार पूरी व्यवस्था राष्ट्रीय एकता की अवधारणा के विरुद्ध खड़ी हो गई। लोकतंत्र मानव समानता की अपेक्षा करता है, लेकिन जाति व्यवस्था असमानता में विश्वास करती थी और इसमें पदानुक्रमिक व्यवस्था थी। आज जाति राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए एक विषय के रूप में प्रकट हुई है, जैसे शैक्षणिक कॉलेजों, सरकारी नौकरियों आदि में आरक्षण। सती प्रथा, बाल विवाह आदि जाति व्यवस्था का परिणाम थे। महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का नागरिक जैसा व्यवहार किया जाता था। यह पितृसत्तात्मक व्यवहार आज भी प्रचलित है। दलितों पर अत्याचार, निचली जाति की महिलाओं पर यौन उत्पीड़न आदि ऐसे भेदभाव और शोषण का परिणाम हैं जो बदले में भारतीय समाज में गहराई से जड जमाए हुए जाति और सांप्रदायिक पहचान का परिणाम हैं। हाथ से मैला ढोना अंततः एक जाति-आधारित व्यवसाय बन गया, जिसमें बाल्टी वाले शौचालयों या गड्ढे वाले शौचालयों से अनुपचारित मानव मल को हटाना शामिल है। इसे मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में रोजगार के निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम 2013 द्वारा आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया गया है। जाति आधारित हिंसा की बढ़ती प्रवृत्ति अंतरजातीय विवाह के उदाहरणों और दलितों द्वारा भिम अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्याय तक पहुंच, शिक्षा तक पहुंच आदि सिंहत बनियादी अधिकारों के दावे से संबंधित है। जाति आधारित हिंसा की बढ़ती प्रवृत्ति अंतरजातीय विवाह के उदाहरणों और दिलतों द्वारा भूमि अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्याय तक पहुंच, शिक्षा तक पहुंच आदि सहित बुनियादी अधिकारों के दावे से संबंधित है। दलितों के एक समूह पर गुजरात के ऊना में हमला किया गया था जब उन्होंने दलितों के लिए भूमि स्वामित्व की मांग के लिए आंदोलन में भाग लिया था। हाथरस में एक दलित महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म को जाति आधारित हिंसा के रूप में प्रचारित किया गया। प्रत्येक जाति की स्थिति को न केवल जाति कानुनों द्वारा बल्कि सम्मेलनों द्वारा भी सावधानीपूर्वक संरक्षित किया जाता है। इन्हें समुदाय द्वारा जाति पंचायत नामक एक शासी निकाय या बोर्ड के माध्यम से खुले तौर पर लागू किया जाता है। उच्च जातियों ने अनुष्ठान, आध्यात्मिक और नस्लीय शुद्धता का दावा किया, जिसे उन्होंने प्रदूषण की धारणा के माध्यम से निचली जातियों को दूर रखकर बनाए रखा।

एमएसपी घोषणा से दलहन-तिलहन में बढ़ेगी आत्मनिर्भरता



🗷 डॉ ्राजेंद प्रसाद शर्मा

सरकार द्वारा भी इस दिशा में लगातार प्रयास जारी है और जिस तरह के परिणाम सामने आ रहे हैं वे निश्चित रूप से सकारात्मक और उत्साहवर्द्धक है। न्यूनतम समर्थन मूल्यों में लगातार बढ़ोतरी और तिलहनी-दलहनी फसलों की खरीद के आश्वासन से किसानों का दलहन-तिलहन के प्रति रुझान बढा है। केन्द्र सरकार ने खरीफ फसल की धान एवं ज्वार की दो किस्मों सहित 16 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर एक बार फिर किसानों को बड़ी राहत दी है। केन्द्र सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य के अनुसार सर्वाधिक बढोतरी नाइजरसीड यानी कि राम तिल पर की गई है तो दालों में अरहर/तुअर की दाल के एमएसपी में भी 550 रुपये की बढोतरी की गई है। वैसे सरकार द्वारा खरीफ की सभी फसलों के न्युनतम समर्थन मृल्य में उल्लेखनीय और किसानों को प्रोत्साहित करने वाली बढ़ोतरी की है। न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा के पीछे उद्देश्य यह रहा है कि किसानों को कम से कम उनकी लागत का पूरा मूल्य मिल सके। देश में पहली बार 1966-67 में केवल गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। एक अगस्त, 1964 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहाद्रर शास्त्री ने एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी।

(एमएसपी) की घोषणा से दलहन और तिलहन के उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बढ़ता कदम माना जाना चाहिए। देश में तिलहन और दलहन का उत्पादन पिछले सालों में लगातार बढ़ता जा रहा है पर अभी भी देश दलहन और तिलहन के क्षेत्र में घरेल जरूरत परी होने जितना उत्पादन हो नहीं पा रहा है। हालांकि अब धीरे-धीरे दलहन तिलहन का उत्पादन बढ़ने लगा है और केन्द्र सरकार 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश की विदेशी निर्यात पर पूरी निर्भरता कम होने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। केन्द्र सरकार की आगामी खरीफ के लिए न्यूनतम समर्थन मुल्यों की घोषणा से यह साफ हो जाता है कि सरकार दलहन और तिलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सही व योजनावद्ध तरीके से कदम बढ़ा रही है। सरकार का लक्ष्य है कि 2027 तक दलहन के क्षेत्र में इस हद तक आत्मनिर्भर हो जाए कि विदेशों से एक दाना भी दाल का आयात नहीं करना पड़े। एक मोटे अनुमान के अनुसार दुनिया भर में कुल उत्पादित दालों अर्थात दलहनी फसलों में भारत की भागीदारी 25 प्रतिशत के लगभग है। 2027 तक यह लक्ष्य अर्जित करने के लिए हमें 28 फीसदी का आंकडा छना होगा। देश के कषि वैज्ञानिकों और किसानों के संयुक्त प्रयास से देश में कृषि उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सरकार द्वारा भी इस दिशा में लगातार प्रयास जारी है और जिस तरह के परिणाम सामने आ रहे हैं वे निश्चित रूप से सकारात्मक और उत्साहवर्द्धक है। न्यूनतम समर्थन मुल्यों में लगातार बढ़ोतरी और

केन्द्र सरकार की खरीफ फसलों

के न्यूनतम समर्थन मूल्य



का दलहन-तिलहन के प्रति रुझान बढ़ा है। केन्द्र सरकार ने खरीफ फसल की धान एवं ज्वार की दो किस्मों सहित 16 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर एक बार फिर किसानों को बड़ी राहत दी है। केन्द्र सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य के अनुसार सर्वाधिक बढ़ोतरी नाइजरसीड यानी कि राम तिल पर की गई है तो दालों में अरहर/तुअर की दाल के एमएसपी में भी 550 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वैसे सरकार द्वारा खरीफ की सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय और किसानों को प्रोत्साहित करने वाली बढ़ोतरी की है। न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा के पीछे उद्देश्य यह रहा है कि किसानों को कम से कम उनकी लागत का पूरा मूल्य मिल सके। देश में पहली बार 1966-67 में केवल गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मुल्य की घोषणा की गई थी। एक अगस्त, 1964 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। इसके बाद सरकारों ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने की और कदम

लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मुल्य की घोषणा की जाने लगी। आज देश में 23 फसलों के न्यूनतम समर्थन मुल्य की घोषणा की जाती है। इसमें 7 गेहूं, धान आदि अनाज फसलें, 5 दलहनी फसलें, 7 तिलहनी फसलों 4 नकदी फसलों के समर्थन मुल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मुल्य की सिफारिश गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी सीधे गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा की जाती है। मुख्यतौर से अनाज की खरीद भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से और दलहन व तिलहन की खरीद नेफैड द्वारा राज्यों की सहकारी संस्थाओं और अन्य खरीद केन्द्रों के माध्यम से की जाती है। केरल सरकार ने 16 तरह की सब्जियों के बेस मुल्य तय कर सब्जी उत्पादक किसानों को बड़ी राहत देने की पहल की है तो हरियाणा सरकार भी केरल की तरह हरियाणा सरकार भी सब्जियों का बेस मुल्य तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। किसानों के लिए सर्वाधिक चर्चित एमएस

प्रमुखता से जोर दिया जाता रहा है। एमएस स्वामीनाथन आयोग ने 2004 में अपनी सिफारिश में न्युनतम समर्थन मुल्य घोषित करने का एक फामूर्ला सुझाया था कि उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी घोषित की जाए। हांलांकि सरकार का दावा है कि खरीफ 2024 के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मुल्य 2018-19 की बजट घोषणा के अन्रूप अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गना के स्तर पर तय किया गया है। सरकारी दावों की बात की जाए तो बाजरा की उत्पादन लागत पर 77 प्रतिशत तो तुअर पर 59 प्रतिशत, मक्का पर 54 प्रतिशत, उड़द पर 52 प्रतिशत तो बाकी अन्य फसलों पर भी उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत मार्जिन होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। दरअसल देश में तिलहन और दलहन उत्पादन के लिए सरकारें गंभीर रही हैं। 1986 में सैम पित्रोदा की अध्यक्षता में टीएमओ यानी कि तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन का गठन किया गया था। इस मिशन के माध्यम से देश में तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाना था। राजस्थान सहित देश के प्रमुख उत्पादक राज्यों में तिलहन उत्पादन

तिलहन सोसाइटियां गठित कर उनका संघ भी बनाया गया। तेल मिलों का संचालन भी इसी संघ को दिया गया पर कालांतर में तिलम संघ की तेल मिलें तो बंद हो गईं वहीं तिलम संघ अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए आज भी जुझ रहा है। कमोबेश यही स्थिति अन्य प्रदेशों में भी रही है। खैर यह विषयांतर हो गया पर 1990 में दलहन को भी इस तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन के दायरे में लाया गया। इसके बाद 1992-93 और 95-96 में पाम ऑयल और मक्का को भी इस तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन के दायरे में लाकर इनके उत्पादन को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। 2021 से मिशन पॉम ऑयल भी सकारात्मक दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। इसके माध्यम से सरकार ने 15 राज्यों में पॉम ऑयल के उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास किए। इस मिशन के तहत 2025-26 में पूर्वीत्तर राज्यों में 3.28 लाख हैक्टेयर में और पूर्वोत्तर के इतर राज्यों में 3.22 लाख हैक्टेयर में पॉम ऑयल की खेती का रकबा पहुंचाने का लक्ष्य रख कर सरकार चल रही है। खैर दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि देश को तिलहन और दलहन की पैदावार में बढ़ोतरी कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना और समयपूर्व एमएसपी घोषित करना सही दिशा में बढता प्रयास है तो दुसरी और न्यूनतम घोषित दर किसानों को मिले ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसके लिए खरीद व्यवस्था को चाक-चौबंद और खरीद तंत्र को मजबूत बनाना होगा।

गए। राजस्थान में तो सहकारी क्षेत्र

में तेल मिलें भी लगाई गई और

'न्यू इंडिया' को 'स्वस्थ भारत' में बदलेंगे आयुर्वेद व योग

3 युष उन चिकित्सा प्रणालियों का संक्षिप्त रूप है जिनका भारत में अभ्यास किया जा रहा है, जैसे आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी। स्वास्थ्य, रोग और उपचार पर इन सभी प्रणालियों का मूल दृष्टिकोण समग्र है। आयुष, स्वास्थ्य सेवाओं की बहुलवादी और एकीकत योजना का प्रतिनिधित्व करता है। आयुष अपने नागरिकों के लिए गणवत्तापर्ण स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा देखभाल प्रदान करके 'न्यू इंडिया' के सपने को साकार करने में महत्वपर्ण भिमका निभा सकता है। 'न्य इंडिया' को 'स्वस्थ भारत' भी होना चाहिए, जहां उसकी अपनी पारंपरिक प्रणालियां महत्वपूर्ण भिमका निभा सकें। ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन जामनगर (गुजरात) दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए पहला और एकमात्र वैश्विक चौकी केंद्र होगा। आयर्वेद और योग ने प्राचीन भारतीय विज्ञान के रूप में 5000

🚬 रतीय राजनीति की

वर्चस्व को छोड़कर 1996 से ही

थी। जबिक सिद्ध दक्षिण भारत में लोकप्रिय दवाओं की प्राचीन प्रणालियों में से एक है, यूनानी, चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली की उत्पत्ति प्राचीन ग्रीस में हुई है। होम्योपैथी का विकास 1800 के दशक की शुरूआत में जर्मन चिकित्सक सैमअल हैनिमैन ने किया था। इन प्रणालियों ने वर्षों से लोगों के निरंतर संरक्षण का आनंद लिया है। आयुर्वेद सहित भारत की अधिकांश पारंपरिक प्रणालियों की जड़ें लोक चिकित्सा में हैं। आयुर्वेद पर कुछ महत्वपूर्ण ग्रंथ जैसे कि सारंगधारा संहिता और वांगा सेन द्वारा चिकित्सा संग्रह, यागरात और भवमिस्र भावप्रकाश को संकलित किया गया था। योग अनिवार्य आध्यात्मिक है और यह स्वस्थ जीवन जीने की एक कला और विज्ञान है जो शरीर और मन के बीच सामंजस्य लाने पर केंद्रित है। चिकित्सा की यूनानी प्रणाली की उत्पत्ति ग्रीस में हुई, फिर मध्यकालीन भारत में मिस्र, अरब, पारंपरिक ज्ञान का विलय हुआ। यह स्वाभाविक रूप से होने वाली जानवरों, समुद्री और खनिज मूल की कछ दवाओं के उपयोग पर जोर देती है। दारा शिकोह को समर्पित नरुद्दीन महम्मद की मुसलजती-दशीकीही, चिकित्सा से संबंधित है और अंत में, लगभग संपूर्ण आयुर्वेदिक सामग्री औषधि है। सिद्धा भारत में चिकित्सा की प्राचीन प्रणालियों में से एक है जिसका द्रविड़ संस्कृति के साथ घनिष्ठ संबंध है। सिद्ध शब्द का अर्थ है उपलब्धियां और सिद्ध वे हैं जिन्होंने चिकित्सा में पूर्णता प्राप्त की है। कहा जाता है कि 18 सिद्धारों ने योगदान दिया है। सोवा रिग्पा या आमची हिमालयी क्षेत्र में लोकप्रिय चिकित्सा की सबसे पुरानी जीवित प्रणालियों में से एक है। इसे 2009 में जोड़ा गया था। यह हिमालयी क्षेत्रों में विशेष रूप से लेह और लद्दाख, हिमाचल प्रदेश,

परानी बीमारियों के प्रबंधन में प्रभावी है। समकालीन समय में नामक एक विभाग मार्च 1995 में बनाया गया था और नवंबर 2003 में आयुष का नाम बदलकर इन प्रणालियों के विकास पर अधिक ध्यान देने पर ध्यान दिया गया था। 2014 में, भारत की केंद्र सरकार राज्यमंत्री होते हैं। आयुष मंत्रालय ने अंतरराष्टीय पेटेंट कार्यालय द्वारा गैर-मूल आविष्कारों पर पेटेंट के अनुदान को रोकने के लिए सीएसआईआर के सहयोग से टीकेडीएल (पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी) का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय आयुष मिशन में पीएचसी. सीएचसी और जिला अस्पतालों में आयुष का सह-स्थान, अस्पतालों का उन्नयन और 50 बिस्तर वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना शामिल है। कुपोषित होने की तुलना में गैर-

संचारी रोग बड़ी समस्या बन सकते हैं। आधुनिक चिकित्सा के विपरीत, आयुष केवल बीमारी के इलाज पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अधिक समग्र दृष्टिकोण का पालन करता है। इस तरह का दृष्टिकोण गैर-संचारी रोगों के मामले में अधिक महत्व रखता है, जो एक बार पुरानी स्थिति में विकसित हो जाने के बाद इलाज मुश्किल होता है। अंतरराष्टीय स्तर पर. चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियों, विशेष रूप से योग के स्वास्थ्य प्रभाव के बारे में अधिक से अधिक वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध हो रहे हैं। यह संदेह से परे साबित हो चुका है कि वैकल्पिक दवाओं के साथ प्री-डायबिटीज और प्री-हाइपरटेंसिव स्थितियों में समय पर हस्तक्षेप से बीमारियों का प्रतिगमन और स्वास्थ्य की बहाली हो सकती है। योग न केवल रोकथाम और नियंत्रण में बल्कि रोगों के उपचार में भी प्रभावी है। आज पूरी दुनिया स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग को अपना

रही है। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर, आयुष मंत्रालय ने श्वसन स्वास्थ्य के विशेष संदर्भ में निवारक स्वास्थ्य उपायों और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कुछ स्व-देखभाल दिशानिदेशों की सिफारिश की। ये आयुर्वेदिक साहित्य और वैज्ञानिक प्रकाशनों द्वारा समर्थित हैं। आयुष मंत्रालय की पहल के बाद कई राज्य सरकारों ने भी प्रतिरक्षा और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के जो विशेष रूप से कोव की पष्टभमि के खिलाफ प्रासंगिक हैं। आयुष दवाओं और पद्धतियों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाना महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से आयुष क्षेत्र में क्षमता निर्माण और सक्षम पेशेवरों के महत्वपूर्ण समूह को विकसित करने की दिशा में काम करना, पारंपरिक और आधनिक प्रणालियों का सच्चा एकीकरण समय की आवश्यकता

Social Media Corner

सच के हक में.

मुझे खुशी है कि माननीय अध्यक्ष ने आपातकाल की कड़ी निंदा की, उस दौरान हुई ज्यादितयों पर प्रकाश डाला और जिस तरह से लोकतंत्र का गला घोंटा गया, उसका भी जिक्र किया। उन दिनों के दौरान पीड़ित सभी लोगों के सम्मान में मौन खड़े रहना भी एक



अद्भुत भाव था। आपातकाल ५० साल पहले लगाया गया था लेकिन आज के युवाओं के लिए इसके बारे में जानना जरूरी है क्योंकि यह इस बात का एक उपयुक्त उदाहरण है कि जब संविधान को कुचल दिया जाता है, जनता की राय दबा दी जाती है और संस्थानों को नष्ट कर दिया जाता है तो क्या होता है। आपातकाल के दौरान हुई घटनाओं ने उदाहरण दिया कि तानाशाही कैसी होती है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित ₹मादक पदार्थी के विरुद्ध राज्य स्तरीय जागरूकतार कार्यक्रम में शामिल हुआ। नशा मुक्त झारखंड का निर्माण हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हर एक नागरिक को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना हमारा लक्ष्य



है, क्योंकि नशा मुक्त समाज से ही समृद्ध राज्य की परिकल्पना पूरी होगी। (सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

जानकारी रखने वाला हर व्यक्ति यह जानता है कि सफलता की बुलेट ट्रेन हॉर्वर्ड और व्हार्टन जैसे स्टेशनों से होकर गुजरती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पसंदीदा मंत्री अश्विनी वैष्णव का अभिजन टेक्नोक्रेट से अनेक मंत्रालयों के मंत्री के रूप में परिवर्तन प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के लिए शोध का एक विषय हो सकता है। इस 54 वर्षीय व्यक्ति की राजनीतिक और प्रशासनिक प्रबंधन में दक्षता के कारण इन्हें रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीक मंत्रालयों के मंत्री के रूप में फिर से सरकार में शामिल किया गया है। वे ओडिशा से राज्यसभा में 2019 से सांसद हैं। उनका ब्यूरोक्रेट से राजनेता बनने की उनकी कहानी समकालीन राजनीति में सफलता की बड़ी गाथा है। जब उन्हें मोदी ने फिर मंत्री बनाया, तो दिल्ली दरबारियों को बड़ा अचरज हुआ क्योंकि बीते दशक के भाजपा के

रेल मंत्रालय हमेशा एनडीए के किसी घटक दल के पास होता था। मोदी को वैष्णव का महत्व पता है। वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ भाजपा के सह-प्रभारी भी बनाये गये हैं। राजनीति में वैष्णव एक विरोधाभास भी हैं क्योंकि वे राज्यसभा के अकेले ऐसे भाजपा सांसद हैं, जो दो बार निर्वाचित हुए हैं, पर अपनी पार्टी द्वारा नहीं, बल्कि नवीन पटनायक की पार्टी की उदारता के कारण, जिसे हाल में भाजपा ने राज्य में परास्त किया है। मोदी और अमित शाह ने पहले 2019 में और फिर 2024 में पटनायक से उनकी ओर से बात की थी। वैष्णव ने राज्य में एक दशक से कम समय आइएएस के रूप में काम किया था और 1999 के भीषण चक्रवात के समय डाटा संग्रहण में उनकी भूमिका की बड़ी सराहना हुई थी। साल 2003 से उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के साथ काम किया- पहले प्रधानमंत्री कार्यालय में और फिर पूर्व प्रधानमंत्री के पद से हटने के बाद।

विकसित भारत के गंतव्य के लिए मोदी रेल तथा सूचना तकनीक को अपने बेहतरीन इंजन के रूप में देखते हैं। और, सूचना मंत्री के रूप में वैष्णव देश-विदेश की मीडिया में मोदी संदेश को भी प्रभावी ढंग से प्रसारित करेंगे। वैष्णव अब तक 80 से अधिक चमकदार वंदे भारत ट्रेनें शुरू कर चुके हैं, जो 250 से ज्यादा जिलों से गुजरती हैं।रेल की छवि सुधारने में उन्होंने अपने बिजनेस मॉडल का सफल इस्तेमाल किया है। सौ से अधिक स्टेशनों को फिर से विकसित किया गया और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। ऐसा सैकड़ों स्टेशनों के साथ करने की उनकी योजना है। चुनाव से एक माह पहले 26 फरवरी को मोदी ने 553 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी। विपक्ष ने मंत्री पर यात्रियों की सुरक्षा की उपेक्षा करने और सांगठनिक खामियों के आरोप लगाये हैं। मार्च तक रेलवे में सुरक्षा से संबंधित 1.7 लाख से अधिक पद खाली थे। बीते दशक में रेल दुर्घटनाओं

में कमी आयी है, पर हताहतों की संख्या बढ़ गयी है। पिछले साल ओडिशा के बालासोर में हुई तिहरी रेल दुर्घटना में 291 लोगों की मौत हुई थी। अजीब संयोग है कि वैष्णव कभी बालासोर के कलेक्टर होते थे। वैष्णव का मिशन मोदी की विभिन्न आकांक्षाओं को पूरा करना है, जिनमें मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना भी शामिल है। प्रधानमंत्री मानते हैं कि 2 130 करोड़ से अधिक दैनिक रेल यात्री अपने-आप में एक विशाल वोट बैंक हैं। प्रभावी शासन के लिए तकनीक का अधिक उपयोग मोदी का पसंदीदा विचार है, इसलिए डिजिटल इंडिया के लिए भी वैष्णव उनकी पसंद हैं। वैष्णव मोदी के नवोन्मेषी शासन मॉडल के अभिन्न अंग है, जिसमें टेक्नोक्रेट और पेशेवर बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। वैष्णव जैसे बाहर के लोगों को लाने से यह भी इंगित होता है कि राजनेताओं की भागीदारी घट रही है। वैष्णव अपने समकक्ष समृह में शायद आदर्श बाबू के सटीक प्रतीक हैं।

टकराव से शुरुआत

लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर सरकार व विपक्ष के बीच टकराव की स्थिति अठारहवीं लोकसभा की सुखद शुरूआत नहीं कही जा सकती। सत्तारूढ राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायन्स (इंडिया) की तरफ से के सुरेश के नामांकन दाखिल करने के साथ ही सर्वसम्मति से लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने की एक स्वस्थ परंपरा के आगे सवाल खड़ा हो गया है। इंडिया ब्लॉक को शायद यह उम्मीद थी, बल्कि शिव सेना जैसा उसका घटक दल तो खुलकर बोल भी रहा था कि यदि टीडीपी के किसी सांसद का नाम सत्तारूढ़ खेमे की ओर से इस पद के लिए प्रस्तावित किया जाता है, तो वे उसका समर्थन कर सकते हैं, पर जिस तरह पिछली सरकार के अहम चेहरों को नई सरकार में उनकी पुरानी भूमिका सौंपी गई, उसे देखते हुए यह लगने लगा था कि ओम बिरला का नाम ही फिर लोकसभाध्यक्ष पद के लिए आगे किया जाएगा। ऐसा ही हुआ। बिरला राजस्थान से तीसरी बार भाजपा के टिकट पर लोकसभा पहुंचे हैं, तो उनके सामने खडे.के सुरेश आठवीं बार कांग्रेस सदस्य के रूप में केरल से चुनकर आए हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि अठारहवीं लोकसभा के अंकगणित ने विपक्ष को भरपूर हौसला दिया है। पिछले दो सदनों में तो आधिकारिक रूप से कोई नेता प्रतिपक्ष ही नहीं था। यहां तक कि पिछली लोकसभा बिना उपाध्यक्ष पद के खत्म हो गई। लगभग हर सत्र में विपक्ष इस पद पर नियुक्ति की मांग करता रहा, पर उसकी मांगें अनसुनी कर दी गईं। मगर इस बार विपक्ष के तेवर से साफ लगता है कि वह सत्ता पक्ष के आगे चुनौती पेश करता रहेगा। मगर इस दांव-पेच में अच्छी लोकतांत्रिक परंपराओं की अवहेलना नहीं होनी चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

मोदी के लिए अहम हैं अश्वनी वैष्णव

Tibet won't ease Modi's China challenge

IN March 2018, the Narendra Modi government, then in its first term, shocked the Tibetan community in India with an unusual directive to senior political and official functionaries across all ministries: stay away from events organised by the Tibetan leadership in India to mark 60 years of the Dalai Lama's exile. Reason: The note, from the then Cabinet Secretary, said it was a "sensitive time" for India-China relations. Two months later, Modi would travel to Wuhan in China for an "informal dialogue" with Chinese President Xi Jinping, thus turning the page on the Doklam crisis. Six years on, the signalling from Delhi to Beijing on the Tibet issue last week shows how Prime Minister Modi, now in his third term but politically weaker, might be preparing to approach ties with Beijing, in tatters since the Chinese ingress into eastern Ladakh in 2020.

The June 19 meeting at Dharamsala between the Dalai Lama and a bipartisan Congressional delegation from the US was not the first time a high-level US team visited the Tibetan leader at his Himachal abode. The Special Coordinator for Tibetan Affairs in nearly every US administration since 2000 has made the trip, with Delhi facilitating the visit each time.

But while the earlier visits were low-key and barely noticed, the composition of the latest all-political delegation, including former Speaker of the US House of Representatives Nancy Pelosi and the chairman of the House Committee of Foreign Affairs, Michael McCaul, ensured a high-decibel event. The timing, within days of PM Modi being sworn in, could not have been a coincidence. In the US, barely a week earlier, on June 12, a bipartisan legislation which aims "to promote a resolution of the China-Tibet conflict" was passed by the House of Representatives, completing its journey through Congress. Ever since the Resolve Tibet Act was introduced in 2022, China has come down heavily on it as a threat to its sovereignty. The legislation, now awaiting presidential assent, was the centrepiece of the delegation's meeting with the Dalai Lama.

China's predictable criticism of the US team's visit carefully avoided any mention of Delhi. Still, Prime Minister Modi's interaction with them after their return from Dharamsala is being seen as both defiance of and a message to Beijing. From official statements and reports, both sides discussed India-US relations, and if there was any discussion on China, it was not publicly stated. Group photos of the event showed Modi flanked by Pelosi and, from Delhi's point of view for its relations with the US, the far more powerful and consequential McCaul. The Ministry of External Affairs' statement on this event of India's "clear and consistent" policy that the Dalai Lama is a "revered religious leader" who is "accorded due courtesies and freedom to conduct his religious and spiritual activities" was a reiteration of a long-held policy. Delhi does not describe the Dalai Lama as a political leader of the Tibetan people, always referring to him as His Holiness, nor the Tibetan political set-up as a 'governmentin-exile', preferring instead the appellation Central Tibetan Administration (CTA), with which it liaises for coordinating routine matters relating to the Tibetan community in India. Though Tibet is an issue in India-China relations, Beijing has grudgingly accepted this arrangement, particularly after India's 2003 reaffirmation that the Tibet Autonomous Region is a part of China during then Prime Minister Atal Bihari Vajpayee's China visit.So, nothing has actually changed. Yet something has, and experts will say therein lies the difference between policy and messaging, the latter providing opportunities for flexibility. From 2003, when the Vajpayee visit joint statement declared that India "does not allow Tibetans to engage in anti-China political activities" on its soil, to facilitating a high-profile US delegation's visit to Dharamsala that poked Beijing in the eye, Delhi has altered the message this way and that.

Standardised tests and the pathology of the education industry

Alternatives to exams like NEET and NET can evolve only if we are honest and bold enough to realise that what prevails is wrong, academically as well as ethically.

ENOUGH has already been said and written about the scams related to standardised tests like NEET (National Eligibility-cum-Entrance Test) and NET (National Eligibility Test) that shape the life trajectory of the young. The anguish of students and their parents and the political protest against the functioning of the National Testing Agency (NTA) indicate the way these tests have occupied central space in the educational landscape of the country. Yet, amid the uproar, what seems to be missing is the courage to question the very rationale of such tests and reflect on the damage that the simultaneous growth of the coaching industry has caused to the mental/aesthetic/cultural development of the voung mind. Never forget that this gigantic moneymaking enterprise continues to tempt the anxiety-ridden parents through its promise of transforming their children into one-dimensional 'exam warriors' gifted with the appropriate 'strategy' needed for 'cracking' these tests and eventually achieving what this neurotically competitive society regards as 'success'a doctor/engineer with a lucrative 'package'.

It is high time we accepted the fact that the multiple-choice question (MCQ)-centric standardised tests cannot evaluate a student's academic depth, critical thinking and creative imagination. Any sensible academic who has engaged with teaching and research would agree that there need not necessarily be any correlation between one's academic interest and one's ability to identify the 'correct answer' from a set of four/five options and tick it quickly on the OMR sheet. While academic knowledge or creatively nuanced critical thinking requires the time to reflect and go deeper into an issue or entertain ambiguities and pose new questions, MCQ-centric standardised tests demand rote learning or internalisation of some sort of strategy to instantly identify the 'correct answer' without much thought. In fact, it needs endless drilling or a highly mechanised routine of solving an endless series of MCQs through all sorts of mock tests. While academic knowledge or creative thinking demands the company of great teachers and pedagogues, standardised tests require coaching strategists. Think of, for instance, an exam like NEET. Can it really evaluate whether a young aspirant has the aptitude or inclination to pursue a career in medical sciences and become a doctor? Possibly, a doctor needs the following faculties: the intense power of observation, the delicate art of relating to the patient not just his/her bodily symptoms, but psychic and Moreover, with the normalisation and sanctification of existential states of being — and above all, the patience to explore new frontiers of knowledge in medical sciences. But then, a standardised test like NEET — a set of 180 questions in physics, chemistry and biology to be



answered in 200 minutes — has nothing to do with the qualities that a potential doctor needs. In a way, it is like a lottery — a device to eliminate lakhs of young aspirants instantly rather than a serious attempt to choose those who are really inclined to the call of the medical vocation.Likewise, an exam like NET is utterly shallow and by no means capable of evaluating one's research interests in foundational knowledge systems like natural sciences and humanities or teaching abilities/pedagogic visions. To take a simple illustration, if because of the very nature of MCQs, you are required to memorise a specific definition, the date of a particular historical event, or, for that matter, the year of publication of sociologist Max Weber's book The Protestant Ethic and the Spirit of Capitalism, it does by no means indicate that you have engaged with serious social science texts, understood the nuanced philosophic debates or acquired the ability to bring new research findings in your teaching practices. The irony is that a 'machine' like the NTA has no creative surplus; it can only manufacture all sorts of 'fact-centric/objective questions' with one and only one 'correct answer' in order to device the quick process of elimination.

such standardised tests, we are creating a restless, anxiety-ridden and unhappy generation. For them, there is no joy in learning and no creative experimentation. Instead, as a significant part of their formative years is spent in shopping around coaching centres and learning the war strategy for cracking these tests, everything loses its academic/philosophic depth. Physics is what the Kota factory regards as 'worth learning'; or, for that matter, history is what the fancy IAS coaching centre regards as valuable. It is doubtful whether this sort of orientation to education can really produce good doctors, brilliant engineers or great teachers/researchers. Yes, these tests manufacture tales of failure. But then, the 'success stories' are by no means promising. In a way, corruption and malpractices are deeply ingrained in the coaching industry, which is worth Rs 1 lakh crore.

Quite often, a question is asked: Is there any alternative, particularly when lakhs of students want to become doctors/engineers/IAS officers/university teachers? Or, is there any other way of eliminating people? Alternatives to exams like NEET and NET can evolve only if we are honest and bold enough to realise that what prevails is wrong, academically as well as ethically. Only then can we acquire the courage to question the idea of 'one nation, one exam' and think of a largely decentralised process of selection or giving relative autonomy to colleges/universities/academic institutions to evolve their own ways of designing thoughtful/imaginative/research-oriented exams or entrance tests. And this alone can make coaching centres irrelevant and bring some sanity to the culture of

Attack on Crimea

US role under scrutiny as hostilities worsen



has been accusing Washington of using Kyiv to undermine Moscow's security and sovereignty. The



spectre of a direct confrontation between Russia and the US-led NATO alliance is looming large, a worrisome throwback to the 1962 Cuban Missile

Crisis. This is bad news not only for eastern Europe but for the entire world in both geopolitical and economic terms, considering the adverse impact of supply chain disruptions over the past two years. One grave provocation after another will only make the war drag on, with no end in sight.

A way out has to be found to bring both warring sides to the negotiating table. Unfortunately, the recent peace conference on Ukraine, held in Burgenstock, Switzerland, turned to be an exercise in futility. Some of the attendees, including India, did not sign the joint communique. Swiss Foreign Minister Ignazio Cassis candidly admitted that most of the decisions taken at the conference could not be implemented without Russian participation. As suggested by New Delhi, there is a need for a 'sincere and practical engagement' between

Moscow and Kyiv for a peaceful resolution to the protracted conflict.

Punjab needs a vision for all-round development

ICAN and SIPRI reports paint a grim picture on the global nuclear front

THE other day, I went to a bookstore to see if there were fresh arrivals. I picked up a few books and was about to leave when a young lady said she wished to have a word with me. I knew her and her family in Delhi very well. She was quite agitated and straightaway asked me what the election of Amritpal Singh and Sarabjeet Singh Khalsa to the Lok Sabha signified for the future of Punjab. I tried to allay her fears, but did not succeed fully. The confrontation in the placid confines of the bookshop shook me up and I tried to push back the thought process just initiated. I came home and received a call from an older cousin, who had retired from the Army at a senior position and was now settled in Punjab. He enquired what was happening in Punjab. I again tried to smooth-talk him out of his anxiety and suggested that he and his wife go for a short holiday. In the course of the next few days, I received a number of calls from relatives, friends and acquaintances from Punjab, asking the same question, half-seriously, half in jest. There were ripples of anxiety below the surface in Punjab which had seen a tsunami of violence for a decade. Was the past going to become the present and future?

That saga of violence had taken years to build and I for one had seen it unfold from the beginning to the end. It had taken years to grow into the spectre it finally became, and contrary to popular perception, the dramatis personae in that evil drama were well-known. The political and social forces moving the pieces on the chessboard were well-known, but like the chorus in a Greek tragedy, we could foresee the future but not intervene, and the tragedy would wind its way to its gory end. That was not too long ago and people have a short memory... are we on course for a 'Second Coming'? I would not like to say so, but then why is the government quiet? Why are political parties quiet? Why is the media quiet and why is civil society quiet? Where did these two men come from and how did they get to be elected members of Parliament? It is high time to ask these questions and it is high time for the government and

political parties to give answers. Political parties today seem to have only one goal — to fight and win elections to Parliament, Assemblies, municipal corporations and panchayats. They only wish to have power at all levels, with no accountability. The government should by now know that people are worried; they should go into the root cause of what has happened to Punjab to explain these election results and even the slap in the face of Kangana Ranaut.Governments have come and gone in

the past over two decades, but not one of them has gone into the causes of what happened in the 1980s and 1990s, and no lessons have been drawn. No government has come up with a comprehensive plan for the education of the youth, their employment, development of infrastructure and industry. This is not to say that no development has taken place in Punjab. The Green Revolution and its aftermath produced the glory days of Punjab and made India self-sufficient in foodgrains. An IIT, an IIM, premier medical institutes and road infrastructure have come up, but it's a case of too little with much of the hinterland remaining trapped in an outdated agricultural economy and diminishing landholdings, leading to a severe cycle of debt and farmers' suicide. Other sources of employment, such as the armed forces, have shrunk, leading to mass migration to foreign countries. This has led to simmering resentment among the young and the old which can be exploited by extremist elements. The tendency of politicians to offer false promises, freebies and false data is counterproductive — whom are you trying to fool? Drug proliferation is the order of the day throughout the country, and the countrywide response has been to carry out raids and catch the small

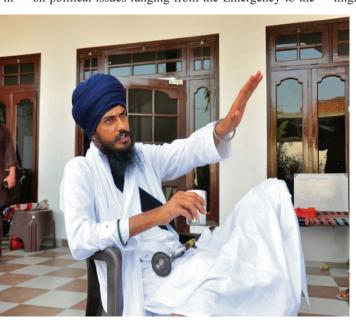
fry. No major druglord has been arrested nor any

financier.Mainstream political parties continue to cede

space to the extreme right. In the recent Lok Sabha

elections, the vote share of the SAD (Shiromani Akali

Dal) was 13.4 per cent. The BJP did not fare much better with an 18.5 per cent vote share. The SAD has dropped even below the 18.3 per cent it got in the 2022 Assembly elections. I mention the SAD as it was the party that launched the Punjabi Suba Morcha and is the second oldest political party in India after the Congress. The late Parkash Singh Badal was a five-time CM, a towering personality who was jailed multiple times for his stand on political issues ranging from the Emergency to the



SYL canal. However, during the militancy-dominated era of the 1980s and 1990s, he and his party, along with other mainstream parties, chose to remain mute spectators, thereby leaving the field open for the extremists. Furthermore, under pressure from the diktat given by the militants, his party had boycotted the state elections in 1992. The state Congress and its leadership were absent from the biggest farm protests in recent memory, launched by Punjabi farmers against the policies being framed in Delhi. Through its absence during this agitation in an agrarian state like Punjab, the party committed hara-kiri. This was later validated in the resounding defeat of the Congress in the Assembly elections (subsequently, most of the state leaders migrated to the BJP). Punjabis rejected the established

political parties and families and gave a chance to the Aam Aadmi Party (AAP). The AAP has obviously not made an impact, as can be seen in the paltry number of seats (three out of 13) won in the Lok Sabha elections and the drop in its vote share from 42 per cent (2022 polls) to 26 per cent. The point is that the mainstream parties are losing their votes to the likes of Amritpal, thereby making the political debate shrill and extreme. It's harking back to the time when the mainstream parties had to boycott the elections and adhere to extremist diktats. This does not bode well for the state and its people. With the extreme right blowing on the old embers, the security and peace of Punjab and India will be threatened. Conspiracy theories will abound and the peace which has taken decades to establish will flounder, unless the rot is checked. The 'rot' stems from the fact that the real issues unemployment, education, health, security — are avoided. Punjab has long lost its lead position on the development index and now languishes in the bottom half of Indian states on almost all parameters of growth and development. Politicians can play with fire, but at what cost? It

is time that the mainstream ups its game and regains lost ground by mobilising people. You can mobilise people if you have a vision for the state as a whole, a vision that encompasses planned development on all fronts for all

Thursday, 27 June 2024

Explained: Why Vedanta shares slipped over 6% in early trade

NEW DELHI Shares of Vedanta dipped 6.5% to Rs 424.50 on the Bombay Stock Exchange (BSE) in Wednesday's intra-day trade after over 2% equity of the company changed hands via block deals. Vedanta Resources announced it will sell a 2.6% stake in the Indian metals-to-oil firm to a group of institutional

This development contrasts with a statement made just a week ago by Vedanta Chairman Anil Agarwal, who asserted there were no plans for a stake sale by the company's controlling shareholders. The stake will be sold through Vedanta Resources' unit Finsider International, which held a 2.63% stake in the Mumbai-listed Vedanta as of March-end, according to exchange data. The firm did not disclose the financial details of the deal or the names of the investors involved. Vedanta Resources, with a debt of \$6 billion as of March 31, has faced multiple rating downgrades due to liquidity issues and high default risk.

The company aims to reduce its debt by \$650 million in fiscal 2025 through the stake sale. At around 11:11 am, shares of Vedanta recovered slightly but were still down 2.84% at Rs 441.20 on the BSE.

'Cannot afford to make any mistake': RBI Governor's warning on inflation

NEW DELHI At a time when India's inflation has been on a downward trajectory, Reserve Bank of India (RBI) Governor Shaktikanta Das has issued a fresh warning. While addressing an event on Tuesday, Das highlighted the challenges and potential consequences of any missteps in managing inflation. It may be noted that India's annual retail inflation slightly eased to 4.75% in May, down from 4.83% in April, yet still above the central bank's medium-term goal."When dealing with the challenge of inflation, a single wrong move can distract you, throw you off track and coming back on track would be far more costly and will much more time," Das said."We cannot afford to make any mistake, cannot afford any policy error," he added. The RBI Governor went on to say that "there cannot be any wavering or distractions at this stage". "Any distractions will severely compromise growth," he said.Despite the recent moderation in inflation, Das warned that severe weather-related shocks could push inflation back above 5%. With growth remaining robust, the RBI is determined to steer inflation firmly towards the target.Shaktikanta Das expressed confidence in India's growth trajectory, predicting a 7.2% growth rate for the current fiscal year ending in

Budget 2024: Will new income tax regime get standard deduction boost?



NEW DELHI Finance Minister Nirmala Sitharaman is all set to present the full budget for the ongoing financial year in July and expectations are already on

Experts have called for a host of tax relief measures, one of which is the possibility of a reduction in standard deduction limit for taxpayers under the new tax regime. Currently, a standard deduction of Rs 50,000 is applicable under both the old and new income tax regime. Since the government is looking at measures to boost consumption, several experts believe that there are chances that this limit could get a slight

Check Budget 2024 coverage

However, this increase may only be applicable under the new tax regime as the government wants more people to ditch the old regime. The government could also opt to boost the exemption limit under the new tax regime instead of tinkering with the standard deduction limit. Both measures will be hugely beneficial for the middle class.

What is standard deduction?

The standard deduction is a fixed amount that employed individuals can subtract from their taxable salary income without needing to provide evidence of actual expenses. This deduction aims to create fairness between individuals who earn income from a salary and those who earn income from a business. It is applicable in both the old and new income tax

How will higher standard deduction help taxpayers? Since most deductions and exemptions are not allowed under the new tax regime, increasing the standard deduction is crucial.

his change will encourage more people to opt for the new regime, as the standard deduction is likely the only deduction most people can claim under the new system. As the cost of living rises due to inflation, raising the standard deduction can help protect the purchasing power of individuals, particularly those with fixed incomes like pensions. A higher standard deduction makes the tax system fairer by providing more tax relief, especially for lower and middleincome groups.It can also increase consumer spending by lowering the amount of taxed income, thereby boosting economic growth.

Budget 2024: Here are 4 key expectations from FM Nirmala Sitharaman

Finance Minister Nirmala Sitharaman is likely to present the budget in mid-July. Here are some key expectations from the upcoming budget.

NEW DELHI: With the 2024 Budget fast approaching, there are many expectations from Finance Minister Nirmala Sitharaman.Prime Minister Narendra Modi's government, which recently returned to power with the support of allies after a surprising election outcome, is likely to present the budget in mid-July. This will be the BJP-led NDA government's first major policy announcement after securing a historic third term and it is anticipated to outline The Confederation of Indian Industry (CII) potential changes to India's economic priorities for the next five years under the



coalition government. Key industry bodies and economic experts have put forth several crucial demands that they hope will be addressed in the budget to spur growth, improve livelihoods, and simplify the tax structure.

Here are four key expectations from the upcoming budget:

Boosting consumption

has suggested tax cuts for India's lower income brackets to increase disposable income and spur consumption. Although the Indian economy grew at an impressive 8.2% in 2023-24, consumption only grew at half that rate.CII also recommended higher wages under the rural job guarantee scheme and increased cash handouts to farmers to support rural spending.

Lifting farm export restrictions

Agricultural economist Ashok Gulati and various farm bodies have urged the government to lift restrictions on exporting farm products like rice, wheat,

sugar, and onions. These restrictions. imposed to control consumer prices, have impacted rural incomes. More than 45% of India's population relies on agriculture, and easing these restrictions could boost farmers' earnings. Job creation initiatives

The CII has proposed an incentive payout scheme for private firms that generate jobs in labor-intensive sectors such as textiles and tourism. Addressing unemployment is crucial, as a postelection survey indicated it was a primary concern for voters. In addition, labour unions have called for the government to fill job vacancies and restore pension benefits from a previously scrapped scheme.

All eyes on Tax reforms

Industry bodies have recommended simplifying India's complex tax regimes. The Federation of Indian Chambers of

Commerce and Industry (FICCI) has suggested streamlining the capital gains tax regime into two or three broad categories.FICCI also advocated for reforms in the Goods and Services Tax (GST) system, proposing fewer tax slabs and the inclusion of currently excluded

DEE Piping Systems lists at 67% premium: Book profit or

DEE Piping Systems listing: The shares opened at Rs 339 on the NSE, marking a 67%% premium over its issue price of Rs 203. On the BSE, the shares opened at Rs 325.

NEW DELHI. DEE Development Engineers made a bumper debut on the stock exchanges on Wednesday, listing at a premium of 67% over its issue price. The shares began trading at Rs 339 on the NSE, a 67% increase from the issue price of Rs 203. On the Bombay Stock Exchange (BSE), the shares opened at Rs 325, a 60% premium over the issue price.

DEE Development Engineers witnessed a remarkable stock market

debut, exceeding pre-listing expectations. The company is listed at Rs. 339 per share, a staggering 67% premium over its issue price of Rs. 203," said Shivani Nyati, Head of Wealth, Swastika Investment



Ltd.Shares of DEE Piping Systems surpassed grey market predictions, where they had been trading at a 45% premium on Tuesday."This impressive performance surpasses the anticipated strong listing, fuelled by the overwhelming investor response during the IPO," said Nyati.

Should you hold or book profit?

Nyathi further said that DEE's exceptional listing performance signifies strong investor confidence in the company's future prospects.

"However, it's crucial to maintain a balanced perspective now. Though we have a long-term view for this company, a stop-loss level of 300 could be maintained." she added.

DEE Piping Systems IPO was subscribed 103.03 times. The public issue was subscribed 23.66 times by retail investors, 206.54 times by Oualified Institutional Buyers (QIB), and 149.38 times by Non-Institutional Investors(NII) by June 21, 2024. The IPO offered

14,379,814 shares up for grabs but saw bidding for 1,48,14,80,542 shares. The price band for the IPO was set at Rs 193 to Rs 203 per share and opened for bidding on June 19, 2024.(Disclaimer: The views, opinions, recommendations, and suggestions expressed by experts/brokerages in this article are their own and do not reflect the views of the India Today Group. It is advisable to consult a qualified broker or financial advisor before making any actual investment or trading choices.)s

Gender minorities, marginalised groups to comprise 25 per cent of Tata Steel workforce: Official

JAMSHEDPUR. Tata Steel aims at having a minimum of 25 per cent of its workforce made up of diverse groups, including gender minorities, marginalised communities, persons with disabilities and LGBTQIA+ individuals, within the next few years, a company official said. It is one of the first companies in the country to roll out a special recruitment drive for transgender talent, having recruited over 100 members from the community for various roles across different locations, the official claimed.

Continuing this drive, we aim to have 25 per cent of our workforce from diverse groups in the next couple of years," the official said.

A total of 113 transgender individuals have been onboarded and posted at various locations, including manufacturing, operations and maintenance, mining, and services.

These employees are stationed in Noamundi, West Bokaro, Kolkata, Kharagpur, Kalinganagar, and Jamshedpur.Some of these employees work all three shifts and operate Heavy Earth Moving Machinery (HEMM) at the Noamundi iron ore mine in Jharkhand's West Singhbhum and West Bokaro coal mine in Ramgarh district.

Tata Steel appreciates the potential of diversity, equity and inclusion (DE&I) and has a tremendous organisational focus on it," the official said."In line with this, we renewed our commitment and refocused our approach to DE&I in 2015 by setting up MOSAIC - a platform for pioneering initiatives, diversity targets, and employee-friendly policies conceptualised and executed from the apex level," he added. The official admitted that the initial planning stage was challenging due to inadequate knowledge about the transgender community."However, we made a detailed plan and implemented it without any difficulty. To date, we have not received any complaint from either side of the employees since the first batch of transgender individuals was inducted following proper training in 2019," the official said.On the productivity of these ployees compared to the general workforce, he said transgender individuals perform better in some areas. Jaya Singh Panda, Chief Diversity Officer at Tata Steel, said, "We believe in nurturing a workplace where every person, regardless of their sexual orientation or gender identity, feels valued, respected, and empowered. Diversity is one of our greatest strengths, and continuing this practice is key to long-term success and

Probe against Byju's finds no evidence of financial fraud: Report

NEW DELHI aAn investigation conducted by the government has cleared Byju's of financial fraud, but found lapses in corporate governance at the embattled online education company, reported Bloomberg News.The yearlong probe, carried out by the Ministry of Corporate Affairs, has revealed no evidence of fund siphoning or financial account manipulation, according to sources familiar with the matter.

However, the investigation did uncover governance deficiencies that have exacerbated Byju's financial troubles, these sources added while speaking to the publication. This outcome offers relief to Byju Raveendran, the company's founder, who has faced allegations of mismanagement from discontented investors.Last year, three major shareholders—Prosus Ventures, Peak XV Partners (formerly Sequoia Capital India), and another unnamed investor—resigned from the board over disagreements with Raveendran concerning business processes and internal controls. The report's conclusions suggest that, for now, the company may avoid further scrutiny from authorities on previously examined issues. It may be noted that



neither the Ministry of Corporate Affairs nor representatives from Byju's, Peak XV, and Prosus have issued any comments on the fresh development. The report does not specify whether Raveendran is responsible for the governance issues or if he remains suitable to lead the company. Investors have called for his removal, citing lapses in management and compliance. The startup's rapid growth has led to a cash crunch and a sharp decline in its valuation, alongside ongoing legal battles in India and the US.cInvestigators identified poor corporate governance and compliance practices, coupled with changing funding conditions, as key factors in Byju's mounting losses. They noted that the startup failed to hire professionals to oversee finances and compliance, contributing to its financial difficulties. The probe also found that Byju's did not fully disclose details of acquisitions to all directors and often scheduled meetings to approve such deals at short notice. However, it acknowledged the founders' argument that some directors were also investors in rival companies.At its peak, Byju's was valued at \$22 billion. The business saw significant growth during the Covid-19 pandemic, but as restrictions eased and classrooms reopened.

Telcos place bids of Rs 11,000 cr for spectrum on Day 1

MHz spectrum on the first day out of 10,523 MHz spectrum available. The auction will resume on Wednesday.

NEW DELHI: On the first day of the spectrum auction, which saw five rounds of bidding, telecom service providers placed bids worth about Rs 11,000 crore. The government has put over 10,500 Mhz spectrum, including airwaves for 5G services, valued at Rs 96,238 crore on the block.According to the Day 1 spectrum auction report issued by the Department of Telecom, biddings took place mainly in the 900 and 1800 Mhz bands. The Department sold 94.4

MHz spectrum on the first day out of 10,523 MHz spectrum available. The auction will resume on Wednesday. An analysis done by telecom expert Parag



Kar showed that on first day, telcos bought 41 MHz spectrum in 900 MHz Reliance Jio, Bharti Airtel and Vodafone band for Rs 4,465 crore, 48.4 MHz spectrum in the 1800 MHz band for Rs 6,306.2 crore and 5 MHz in the 2100

MHz band for Rs 360 crore.

Idea are participating in the auction. Jio has deposited the highest earnest money of Rs 3,000 crore for the auction, which

provides the company with the firepower to bid for maximum radiowaves among the three telcos. Airtel has submitted an earnest money deposit (EMD) of Rs 1,050 crore and VIL of Rs 300 crore. COAI, the lobbying body for private telecom companies, said the auction will help catalyse the rapid rollout of 5G services across the country, leading to enhanced coverage and improved connectivity.

The 5G auctions will catalyse the rapid rollout of 5G services across the country, leading to enhanced coverage and vastly improved connectivity. Moreover, successful deployment of 5G will be a major stride towards achieving digital inclusion," SP Kochhar, directorgeneral of COAI, said in a statement It is the 10th spectrum auction since the process for sale of radiowaves started through an online bidding process in 2010.

The last spectrum auction was held in August 2022, which, for the first time, included radio waves for 5G services. The previous spectrum auction generated more than Rs 1.5 lakh crore (\$18 bn) for the government from the nation's three top mobile operators and newcomer Adani Group.

The Dharam of Modi 3.0: From BJP's Odisha hero to Opposition's prime target

Dharmendra Pradhan jumped from the Odisha battlefield to firefight the paper leak controversy. A key player in the BJP's mega election success in Odisha, Pradhan didn't get a breather to savour victory, becoming the first Modi 3.0 minister in the Opposition's direct line of fire.

New Delhi.Dharmendra Pradhan didn't get much of a breather. From the tough electoral battlefield of Odisha, he had to jump straight to firefight the NET-NEET paper-leak controversy. At this moment, Dharmendra Pradhan seems to be the most embattled minister of Modi 3.0. And as he blows the candles on his 55th birthday cake on Wednesday, one of his wishes could very well be for the education ministry difficulties to disappear. Dharmendra Pradhan is Prime Minister Narendra Modi's 'Ujjwala Man'. He drove the free cooking gas Ujjwala scheme, which helped the BJP strengthen its hold on the hinterland. Pradhan also has the distinction of being India's longest-serving petroleum minister. However, it is the education ministry, which he was given the responsibility of in 2021, that is facing the biggest credibility test because of its National Testing Agency (NTA).

A petroleum minister knows enough pressure, "but education is a portfolio that gives a bigger public profile, and lot of ribboncutting opportunities", says a seasoned journalist who has covered the HRD ministry.It is also the ministry that deals with the future of crores of students and aspirants.

The NTA, which conducts all the bigticket entrance exams for admission to premier institutes, came under massive criticism after question paper leaks of UGC-NET and NEET. NTA chief Subodh Kumar Singh was sacked, and a high-level committee formed to ensure transparent, smooth, and fair conduct of examinations. The

Opposition has made it more than clear that it will gherao the government over the paper leaks in Parliament. And education minister Dharmendra Pradhan is the key target. That resolve was evident from the word go. Opposition MPs raised "NEET, NEET" and "shame, shame" slogans as Pradhan walked to take oath as a member of the Lok Sabha on June 25. The Lok Sabha is witnessing a vigorous Opposition, enthused by a boost in its numbers in the 2024 Lok Sabha election.

The NDA has 293 MPs, while the Opposition has 233. This, obviously, wasn't the kind of reception that Pradhan was expecting on his return to the Lok Sabha after a gap of two decades. He won the Sambalpur seat with a margin of over a lakh votes in the 2024 general election, defeating one of the BJD's heavyweight candidates. Since his defeat in the 2009 polls, Pradhan made it to Parliament for two terms through the Rajya

BJP'S ODISHA VICTORY

In 2024, Dharmendra Pradhan not only returned to the Lok Sabha, but was among the key players to have scripted the BJP's mega success story in Odisha. The BJP won 20 of the 21 Lok Sabha seats in Odisha and dislodged the Naveen Patnaik-led BJD government, which was in power for 24 years.Pradhan, along with Odisha BJP leaders, Manmohan Samal and Sambit Patra chalked out the BJP campaign strategy, says a Bhubaneswar-based

journalist. He adds that Pradhan also worked closely with BJP leaders from outside Odisha, like Bhupendra Yadav and Biplab Kumar Deb, who extensively worked for the BJP on the ground in the state.Pradhan is popular in both Western Odisha, where his seat Sambalpur is located, and also the coastal part of the state. It is also said that he enjoys the support of up to 40 MLAs of the state and that Odisha Chief Minister Mohan Majhi is close to him.

Satellite-Based Tolls Will Ensure Seamless Travel, Reduce Congestion on Roads: Nitin Gadkari

New Delhi: The newly proposed satellite-based tolls will not just modernise the entire system but also ensure seamless travel and reduce congestion on roads, Union Minister Nitin Gadkari said on Tuesday. The Minister, while addressing a day long International Workshop on Global Navigation Satellite System (GNSS)-based Electronic Toll Collection in India, also said that the technology will enhance navigation and positioning and is another step towards easing citizens' lives, making governance more transparent, and providing faster services. To provide seamless and barrier-free tolling experience on National Highways, Indian Highways Management Company Limited (IHMCL), a company promoted by NHAI, organised the

It provided a unique platform to both industry and global experts to deliberate various aspects related to smooth implementation of the free-flow tolling system based on GNSS technology in India, the Ministry said in a statement. Multiple panel discussions were held at the workshop, where varied industrial and technical professionals along with global GNSS experts deliberated upon different aspects that included On-Board Units (OBU), commercial vehicles and NH fee rules, Toll Charger Software, role of issuer entity and essentials of road infrastructure for successful implementation of multi-lane free flow GNSS based Electronic Toll Collection in India.NHAI Chairman Santosh Kumar Yadav said that over the past decade, road network has expanded manifolds and National Highways carries over 70 per cent of the country's freight along with the passenger traffic.

Bombay High Court Upholds Mumbai College's Decision On Hijab, Burqa Ban

New Delhi: The Bombay High Court on Wednesday declined to intervene in a decision taken by NG Acharya and DK Marathe College, a city-based institution, to ban the wearing of hijabs, burkas, and naqabs on its premises. The ruling was delivered by a division bench comprising Justices A S Chandurkar and Rajesh Patil, who dismissed a petition filed by nine female students enrolled in the second and third years of a science degree course. Earlier this month, the students filed their petition in the HC against a directive issued by the Chembur Trombay Education Society's NG Acharya and DK Marathe College that enforced a dress code prohibiting the donning of hijabs, naqabs, burkas, stoles, caps, and badges within the campus.

The petitioners claimed the new dress code policy violated their fundamental rights to practice their religion, privacy, and choice. According to news agency PTI, the plea described the college's action as "arbitrary, unreasonable, bad-in-law, and perverse."

Altaf Khan, the advocate representing the students, submitted versus from the Quran to the court last week that highlighted their claim that wearing the hijab is an essential part of Islam. They were also relying on their right to practice their religion; the petitioners were also asserting their rights to personal choice and privacy in their opposition to the college's decision.

In its defence, the college maintained that the ban was a disciplinary measure aimed at enforcing a uniform dress code and was not intended to target the Muslim community. Senior counsel Anil Anturkar, representing the college management, stated that the dress code applied to all students, regardless of their religion or caste. The students contended that the directive constituted a "colorable exercise of power." Initially, they had requested the college management and principal rescind the restriction, arguing it infringed upon their rights to choice, dignity, and privacy in the classroom. The students also sought intervention from the chancellor and vice chancellor of Mumbai University and the University.

Kiren Rijiju Urges Congress For Consensus On Lok Sabha Speaker Election

New Delhi: BJP leader Kiren Rijiju today appealed to the Congress to refrain from contesting the Speaker's post. This appeal comes in light of Congress leader K Suresh filing a nomination against the NDA's nominee, Om Birla, for the position of Lok Sabha Speaker, marking a rare instance of an election for this post after 48 years. We believe in consensus

and our efforts have been to take along everybody," Mr Rijiju said. "We still have time. I appeal to the

opposition parties, especially the

Congress, to give it a thought again

and not contest the Speaker's post. The Speaker has to run the house impartially, so in this context, it is better for all of us to elect the Speaker unanimously."r Rijiju stressed the importance of cooperation and collegiality among Parliament members, urging them to work together for the greater good. "We are all colleagues in the House, and we have to always work together. There is no doubt about that. When we make them (Opposition) an offer, we expect that the offer is accepted gracefully. That has not been done," he said.

Mr Rijiju also underscored the numerical strength of the NDA in ensuring the election of its nominee. "It is my

appeal to the Congress to give it a thought again and not to contest the Speaker's post. We have the numbers, but it is not the question of numbers,' the minister said.

95-Year-Old Woman's Beautiful **Dance Moves Goes Viral-Watch** The Heartfelt Video

New Delhi: A heart touching clip surfaced on the internet featuring a 95-year-old woman from Tamil Nadu dancing gracefully on a song. The woman presented her outstanding performance with her exceptional dancing moves. The video went viral on social sites making Netizens admire and praise her steps.The recording of the event was posted by Ananth Rupanagudi (@Ananth_IRAS) on his X account mentioning that the lady is believed to have been a student in Kalakshetra Foundation in 1940's and also parted in dancing for movies.

In the famous video, the aged woman is seen in a blueyellow saree with a pink blouse properly combed upright in a hall of an old age home showing her graceful skills in a Tamil song.

The video was aired on June 23. Ananth in the caption gave some information about the woman. He wrote, "At Vishranthi Home for the Aged, this lady, aged 95,



'Sampoornata Abhiyan' Coming Soon: Niti Aayog to Launch Campaign to Assess Progress in India's Most Underdeveloped Areas

blood pressure to taking stock of secondary schools with electricity or

schools providing textbooks, Niti Aayog has planned to launch a campaign to assess the improvement at the most underdeveloped localities across India, News18 has learnt. According to a letter written by BVR Subrahmanyam, Chief Executive Officer of the government's think tank NITI Aayog, has conceptualised "Sampoornata Abhiyan", to carry out a campaign to achieve saturation in "six identified indicators" in districts and

blocks."The duration of the initiative begins from 1 July 2024 to 30 September 2024," said the letter, dated June 19, accessed by News18.

Prime Minister Narendra Modi launched the Aspirational Districts Programme (ADP) in 2018 to quickly and

New Delhi: From screening diabetes. effectively transform the 112 most less-developed districts and blocks. underdeveloped districts across the The campaign at the block level targets country. Based on the learnings from achieving indicators such as timely



ADP, the Aspirational Blocks Programme (ABP) covering 500 Blocks, was launched in January 2023. The letter said that both programs focus on improving governance to enhance citizens' quality of life and improve service delivery in India's remotest and

registration of pregnant women for antenatal care, regular intake of supplementary nutrition by them, and screening the block's population for diabetes and blood pressure whereas at the district level, its targets include immunisation of children, secondary schools with functional electricity, and schools providing textbooks within one month of the academic session's start."One way of accelerating progress is to focus on a few

select indicators at one time and saturate them so that one can see quick impact," Subrahmanyam wrote in the letter sent to district magistrates and district collectors of aspirational districts and blocks.

"The Hon'ble Prime Minister had also suggested the same," he added.

danced for his old Tamil number during a program. She is believed to have been a student of Kalakshetra Foundation in the 1940s and is said to have danced if movies like Chandralekha."The dance of the lady on an old Tamil song Oh Rasikkum Seemane has impressed thousands of people. The video of the event has received more than one lakh views and five thousand likes. The clip left viewers amazed with the talent a woman holds at her age. Also, many of the users were admiring and praising her dancing skills.

Netizens filled the comment section with much applause and appreciation. Some of the comments are:"Wah...@95yrs!! Being fit and healthy and able to dance too.

Such grace & style. Very inspiring.""Such talent deserves recognition and respect, they could effectively contribute as good teachers for future generations.""What a fantastic performance. Respect to the Great Mother. Lots to learn from her.'

"She is still very supple and expressive after all those years, it's amazing just how the body and head remember things long since past! Delightful, for us

Woman's Luggage Stolen In Train, Railways Told To Pay Her 1 Lakh

The consumer commission was hearing the complaint which said the passenger's bag containing valuables worth 80,000 was stolen by some unauthorised passengers in January 2016.

New Delhi: Observing that there was negligence and deficiency in services by the Indian Railway, a consumer commission here has directed its general manager concerned to pay more than? 1.08 lakh to a passenger whose luggage was stolen during a journey.

The District Consumer Disputes Redressal Commission (Central District) was hearing the complaint which said the passenger's bag

containing valuables worth ? 80,000 was stolen by some unauthorised passengers in January 2016 between Jhansi and Gwalior when he was travelling in a reserved coach of the Malwa Express."It was the duty of the railways for safe, secure and comfortable journey as well as safety and security of belongings of passengers," the complaint said.

The commission, comprising its

president Inder Jeet Singh and member Rashmi Bansal, said it had the territorial jurisdiction to try the case as the complainant boarded the train from New Delhi and there was "a continuity of the journey" till its arrival in

Indore. Besides, the office of the opposite party (General Manager, Indian Railway) was situated within the commission's jurisdiction, it said in an order passed on



The commission rejected the argument of the railways that the complainant was negligent about her belongings and that the luggage was not booked. Noting that the complainant was mde to "run from

pillar to post to register an FIR", the commission said, "The manner in which the episode has happened and valuables were stolen followed by the efforts of the complainant to get the FIR registered

with the authorities for appropriate enquiry or investigation, she suffered all kind of inconvenience and harassment to pursue her legal rights." It said the complainant had established her case against the Indian Railway for negligence and deficiency in service as her belongings kept in a bag were stolen during her journey against reserved ticket."Had there been no negligence or deficiency in services on the part of the opposite party or its staff, there would be no such incident. There is no other defence or evidence to deny

the value of the articles being carried by the complainant during her journey, therefore, the complainant is held entitled to reimbursement of loss of? 80,000," the commission said.

Thursday, 27 June 2024

5 killed, 13-year-old injured in shooting in Las Vegas, suspect dies

by suicide

sFive people were killed, and a 13-year-old was critically injured when a man went on a shooting spree at two apartments in Las Vegas on Monday night. The suspect, identified by police as Eric Adams, 47, killed himself on Tuesday morning with his gun when officers confronted him.In a statement, police said that officers acting on tips found Adams on Tuesday morning at a local business. Armed with a gun, when confronted, the man fled into the backyard of a nearby residence. Police officers gave Eric Adams commands to "drop the firearm", but he ignored those and "died by suicide", the police statement added. The 47-year-old is suspected of shooting and killing four women and one man late on Monday at two North Las Vegas apartments located in the same complex. A 13-year-old girl was also shot and the same complex of the same complex of the same complex. is in critical condition. One of the women victims was in her early 40s, and the other in her late 50s. The other two women were both in their mid-20s and the man was in his early 20s, The Associated Press reported, citing the police. The victims weren't immediately identified.

The police called the shooting an "isolated incident" and did not provide details on the possible motive behind it, news agency Reuters reported.

UN tells Israel it will suspend Gaza aid without improved security

Washington Senior UN officials have warned Israel that they will suspend the world body's aid operations across Gaza unless Israel acts urgently to better protect humanitarian workers, two UN officials said Tuesday. The ultimatum is the latest in a series of UN steps demanding Israel do more to safeguard aid operations from strikes by its forces and to curb growing lawlessness hindering humanitarian workers.

A UN letter sent to Israeli officials this month said Israel must provide UN workers with a way to communicate directly with Israeli forces on the ground in Gaza, among other steps, the officials said. They spoke on condition of anonymity to discuss ongoing negotiations with Israeli officials. The UN officials said there has been no final decision on suspending operations across Gaza and that talks with Israelis were ongoing. Israeli military officials did not respond to requests for comment. Israel has previously acknowledged some military strikes on humanitarian workers, including an April attack that killed seven workers with the World Central Kitchen, and has denied allegations of others.

iting security concerns, the UN World Food Program has already suspended aid delivery from a U.S.-built pier designed to bring food and other emergency supplies to Palestinians who are facing starvation amid the eightmonth war between Israel and Hamas in Gaza.UN and other aid officials have complained for months that they have no way to communicate quickly and directly with Israeli forces on the ground, in contrast with the usual procedures — known as "deconfliction" — employed in conflict zones globally to protect aid workers from attack by combatants. In its letter to Israeli officials, the UN cited communication and protective equipment for aid workers as among the commitments that it wanted Israel to make good on for its aid operations to continue in Gaza overall, the two UN officials say.

Kenya's Parliament on fire as protests against finance bill escalate



NAIROBI.Part of Kenya's parliament building was on fire Tuesday as thousands of protesters against a new finance bill entered and legislators fled, in the most direct assault on the government in decades.

Journalists saw at least three bodies outside the complex where police had opened fire.

The protesters had demanded that legislators vote against the controversial bill imposing new taxes on a country where frustrations over the high cost of living have simmered for years. The protesters outmaneuvered police to enter parliament shortly after legislators voted to pass the bill. Lawmakers fled through a tunnel, but protesters allowed opposition legislators who voted against the bill to walk out of the besieged building.

The office of the Nairobi governor, a member of the ruling party, also was on fire. The office is located near parliament. Police water cannons were being used to extinguish the fire. Protesters could be heard shouting, "We're coming for every politician." Protesters scatter as Kenya police spray water canon at them during a protest over proposed tax hikes in a finance bill in downtown Nairobi. Protesters scatter as Kenya police spray water canon at them during a protest over proposed tax hikes in a finance bill in downtown Nairobi.APPolice officers also fired live ammunition and threw tear-gas canisters at protesters who sought treatment at a medical tent set up at a church near the parliament complex. The Kenya Human Rights Commission shared a video of officers shooting at protesters and said they would be held to account.

Two people died in similar protests last week.

The Kenya Law Society President Faith Odhiambo said Tuesday that 50 Kenyans, including her personal assistant, had been "abducted" by people believed to be police officers. Some of those missing included those who were vocal in the demonstrations and were taken away from their homes, workplaces and public spaces ahead of Tuesday's protests, according to civil society groups. Police officials did not immediately return calls seeking comment. Parliament Speaker Moses Wetangula had directed the inspector general of police to provide information on the whereabouts of those the opposition said were abducted. President William Ruto was outside the capital attending an African Union retreat. On Sunday, he said he was proud of the young people who had come out to exercise their democratic duty and said he would engage the youth on their

Brazil's Supreme Court decriminalises possession of marijuana for personal use

RIO DE JANEIRO Brazil's Supreme Court on Tuesday voted to decriminalize possession of marijuana for personal use, making the nation one of Latin America's last to do so, in a move that could reduce its massive prison population. With final votes cast on Tuesday, a majority of the justices on the 11-person court have voted in favor of decriminalization since deliberations began in 2015. The justices must still determine the maximum quantity of marijuana that would be characterized as being for personal use and when the ruling will enter into effect. That is expected to finish as early as Wednesday. All the justices who have voted in favor said decriminalization should be restricted to possession of marijuana in amounts suitable for personal use. Selling drugs will remain illegal.In 2006, Brazil's Congress approved a law that sought to punish individuals caught carrying small amounts of drugs, including marijuana, with alternative penalties such as community service. Experts say the law was too vague and didn't establish a specific quantity to help law enforcement and judges differentiate personal use

from drug trafficking. Police continued to arrest people carrying small quantities of drugs on trafficking charges and Brazil's prison population continued to swell. The majority of pre-trial detainees and those convicted of drug trafficking in Brazil are first-time offenders, who carried small amounts of illicit substance with them, caught in routine police operations, unarmed and with no evidence of any relationship with organized crime," said Ilona Szab³, president of Igarapé Institute, a think tank focusing on public security. Congress has responded to the top court's ongoing deliberations by separately advancing a proposal to tighten drug legislation, which would complicate the legal picture surrounding marijuana possession. In April, the Senate approved a constitutional amendment criminalising possession of any quantity of illicit substance. The lower house's constitutional committee approved the proposal on June 12, and it will need to pass through at least one other committee before going to a floor vote. If lawmakers pass such a measure, the legislation would take precedence over the top



court's ruling but still could be challenged on constitutional grounds. Speaking to reporters in the capital Brasilia, the Senate's president, Rodrigo Pacheco, said it isn't the Supreme Court's place to issue a decision on the matter."There is an appropriate path for this discussion to move forward and that is the legislative process," he said. "It is something that, obviously, arouses broad discussion and it is a subject of preoccupation for Congress."Last year, a Brazilian court authorised some patients to grow cannabis for medical treatment after the health regulator in 2019 approved guidelines for the sale of medicinal

products derived from cannabis. But Brazil is one of a few countries in Latin America that hasn't decriminalized the possession of small quantities of drugs for personal consumptionThe Supreme Court's ruling has long been sought by activists and legal scholars in a country where the prison population has become the third largest in the world. Critics of current legislation say users

caught with even small amounts of drugs are regularly convicted on trafficking charges and locked up in overcrowded jails, where they are forced to join prison gangs."Today, trafficking is the main vector for imprisonment in Brazil," said Cristiano Maronna, director of JUSTA, a civil society group focusing on the justice system.Brazil ranks behind the US and China in countries with the highest prison populations, according to the World Prison Brief, a database tracking such figures. Some 852,000 individuals were deprived of liberty in Brazil as of December 2023, according to official

4 arrested on suspicion of trespassing at Rishi Sunak's country home in England

At least four people were arrested for allegedly trespassing after entering the grounds of UK Prime Minister Rishi Sunak's country estate in northern England.

London, Four men were arrested Tuesday on suspicion of trespassing after entering the grounds of Prime Minister Rishi Sunak's country estate in northern England, police said. North Yorkshire police said the group was detained just after noon and arrested on suspicion of aggravated trespass.A group called Youth Demand posted video showing a man in boots step into Sunak's pond, where he pretended to defecate. The group said in a statement chock-full of a crude four-letter word for human wests that it was a "portion" for human waste that it was a "parting gift" to the prime minister. It said the stool used in the stunt was made of latex so it could be retrieved and prevent environmental damage.Sunak was in London at the time for the state visit by the Japanese emperor and



The incident comes just over a week before the U.K.'s general election that will determine if Sunak remains in power. Polls and pundits have predicted the Labour Party to take control after 14 years of Conservative rule. The police officer who confronted the group asked the man identified by the group as "Oliver" what his intentions were, according to video of the incident."I think our intentions are carried out," he replied.outh Demand said it is calling for for a two-way arms

government to revoke oil and gas licenses granted since 2021.

The group said the four detained included a press photographer.

Sunak had condemned the group earlier this year when it hung a banner on the home of Labour leader Keir Starmer, saying "Stop the killing," in reference to Israel's war with Hamas militants.

In August, four Greenpeace protesters were charged with criminal damage after climbing on Sunak's home while he was away and draping it in black fabric to protest his plan to expand oil and gas drilling in the North Sea.

Julian Assange pleads guilty in US court on remote island, walks out a free man

Saipan WikiLeaks founder Julian Assange pleaded guilty on Wednesday to a single count of conspiring to obtain and disclose classified US national defence information and was allowed to walk free, ending years of legal battles. Assange, 52, entered the plea in a US District Court hearing in Saipan on the Northern Mariana Islands, a UScontrolled territory chosen due to his refusal to travel to the mainland United States and its proximity to his native Australia. As a beaming Assange walked out of the courtroom, he was greeted by a round of applause. He left in a vehicle after giving a quick wave to his supporters. Watch: As part of his plea deal with US prosecutors,

Assange will be required to destroy information provided to WikiLeaks. He is expected to receive a sentence of five years and two months, with credit for the time he spent in a British prison fighting extradition."Guilty to the information," Assange said in court, later joking to the judge that his satisfaction "depends on the outcome of the hearing." Assange, who turns 53 on July 3, was wished an early happy birthday by Chief Judge Ramona Manglona."I understand your birthday is next week. I hope you will start your new life in a positive manner," she told Assange, according to the Washington Post. The plea deal avoids a lengthy trial and potential prison sentence for

Assange, who has long been wanted by the United States for the 2010 publication of hundreds of thousands of classified documents through WikiLeaks.He was released earlier this week from a high-security British prison where he had been held for five years. His wife, Stella, called him a "free man" and thanked supporters who campaigned for his release. Following the hearing, Assange is expected to return to Australia, US prosecutors said. WikiLeaks confirmed his return on social media platform X, calling the plea deal "unnecessary."The Australian government welcomed the

Kenya anti-tax protests turn violent, 5 shot dead as mob storms Parliament

Nairobi. Kenyan President William Ruto said on Tuesday security was his "utmost priority" after protests against a bill to raise taxes descended into violence, with police firing on demonstrators trying to storm the legislature, killing at least five. In chaotic scenes in the capital Nairobi, protesters

overwhelmed police and chased them away in an attempt to enter the parliament compound, with Citizen TV later showing damage from inside the building, which had been partially set ablaze. Protests and clashes also took place in several other

cities and towns across Kenya, with many calling for Ruto to quit as well as voicing their opposition to the tax rises. In a televised address to the nation, Ruto said the tax debate had been "hijacked by dangerous people"."It is not in order, or even conceivable, that criminals pretending to be peaceful protesters can reign terror against the people...," he said, pledging a swift response to Tuesday's "treasonous events".Police in Nairobi opened fire after tear gas and water cannon failed to disperse the crowds. They eventually managed to drive protesters from the parliament building and lawmakers were evacuated through an underground tunnel, local media said.Later on Tuesday, Defence Minister Aden Duale said the army had been deployed to help the police deal with a "security emergency" which had resulted in the "destruction and breaching of critical infrastructure".A Reuters journalist counted the bodies of at least five protesters outside parliament. The Kenya Medical Association said that at least five people had been shot dead while treating the injured, and that 31 people had been injured, with 13 shot with live bullets and four with rubber bullets. The association called on authorities to establish safe medical corridors to protect medical staff and ambulances.CAUGHT BETWEEN COMPETING DEMANDS

Ruto won an election almost two years ago on a platform of championing Kenya's working poor, but has been caught between the competing demands of lenders such as the International Monetary Fund, which is urging the government to cut deficits to obtain more funding, and a hardpressed population.envans have been struggling to cope with several economic shocks caused by the lingering impact of the COVID-19 pandemic, the war in Ukraine, two consecutive years of drought and depreciation of the currency. The finance bill aims to raise an additional \$2.7 billion in taxes as part of an effort to lighten Kenya's heavy debt load, with interest payments alone consuming 37 per cent of annual revenue.In Washington, the White House said the United States was closely monitoring the situation in Nairobi and urging calm.

North Korea's latest missile test likely ended in failure

According to the South Korean military, a North Korean ballistic missile test Wednesday likely ended in failure days after the it protested the recent regional deployment of a US aircraft carrier for a trilateral military drill with South Korea and Japan.

Seoul A North Korean ballistic missile test

Wednesday likely ended in failure, South Korea's military said, days after the North protested the recent regional deployment of a US aircraft carrier for a trilateral military drill with South Korea and Japan. South Korea's Joint Chiefs of Staff said in a statement that North Korea launched a ballistic missile from its capital region around 5.30 am on Wednesday. It said the missile was launched toward the North's eastern waters, but the launch was suspected to have ended in failure. The Joint Chiefs of Staff said South Korean and US intelligence authorities are analyzing details of the North Korean launch. But it didn't immediately explain why it believes the launch failed. Japan's Defense Ministry said earlier Wednesday that it also detected a suspected ballistic missile launch by North Korea. South

Korea's Yonhap news agency reported the North Korean missile flew about 250 kilometers (155 miles). Yonhap cited an unidentified South Korean military source as saying North Korea was believed to have tested a hypersonic missile.Japanese media reported the North Korean projectile fell outside Japan's exclusive economic zone. The North's reported launch also came hours after South Korea said North Korea floated huge balloons likely carrying trash across the

border for a second consecutive day.North Korea has conducted a series of trash-carrying balloon launches toward South Korea since late May in what it calls a tit-for-tat response to South Korean activists flying political leaflets via their own balloons. On June 9, South Korea briefly restarted propaganda broadcasts from its border loudspeakers for the first time in years in response. South Korea's military said Monday said it was ready to turn on its loudspeakers again. The USS Theodore Roosevelt arrived in South Korea on Saturday and South Korean President Yoon Suk Yeol boarded the carrier on Tuesday -- the first sitting South Korean president to board a US aircraft carrier since 1994. Yoon told American and South Korean troops on the carrier that their countries' alliance is



the world's greatest and can defeat any enemy. He said the US carrier is to leave Wednesday for the South Korea-US-Japan drill, dubbed "Freedom Edge." The training is aimed at sharpening the countries' combined response in various areas of operation, including air, sea and cyberspace. North Korea's vice defense minister, Kim Kang II, on Monday called the US aircraft carrier's deployment "reckless" and "dangerous." North Korea has previously called major US-South Korean drills invasion rehearsals and reacted with missile tests. Seoul officials said the upcoming South Korea-US-Japan training is meant to strengthen the three countries' response capabilities against North Korea's evolving nuclear threats at a time when the North is advancing its military partnerships with

Russia. During a summit in Pyongyang last week, North Korean leader Kim Jong Un and Russian President Vladimir Putin signed a deal requiring each country to provide aid if attacked and vowed to boost other cooperation. Observers say the accord represents the strongest connection between the two countries since the end of the Cold War. The United States and its partners believe North Korea has been providing Russia with muchneeded conventional arms for its war in Ukraine in return for military and economic assistanceNorth

Korea's reported missile launch is its first weapons demonstrations since Kim Jong Un on May 30 supervised the firing of nuclear-capable multiple rocket launchers to simulate a preemptive attack on South Korea. The drill came days after North Korea's attempt to put its second spy satellite into orbit ended in failure, with its rocket carrying that satellite exploding in mid-air soon after liftoff.

Since 2022, North Korea has sharply increased the pace of weapons tests to increase its nuclear attack capabilities to cope with what it calls an deepening US military threat. Foreign experts say North Korea eventually aims to use its larger nuclear arsenal to wrest greater concessions from the US when diplomacy resumes.

Euro 2024: England top group despite grab draw, Denmark, Slovenia wait to know fate

New Delhi. England finished top and Slovenia also advanced to the knockout New Delhi. stages of Euro 2024 after an uninspiring 0-0 draw in their final Group C match on Tuesday. England had already qualified for the round of 16 and, despite another flat performance, the draw leaves them in first place in the group on five points.

Slovenia finished level on three points with Denmark, who drew 0-0 with Serbia, and though they had the same goal difference, goals scored and disciplinary record, the Danes appeared to have advanced in second place due to their UEFA ranking, going through with Slovenia, subject to confirmation. England had the best of the action in a tepid game of few real chances, with Harry Kane and Phil Foden forcing easy saves from goalkeeper Jan Oblak and Bukayo Saka having a goal ruled out in the first half for offside. England dominated possession but had few shots on target as Slovenia defended resolutely and tried to crowd out every attack from their frustrated opponents.

Denmark, Slovenia wait

Denmark secured a place in the knockout phase of Euro 2024 with a nervy 0-0 draw in Munich on Tuesday against Serbia who head home after coming bottom of Group C. The Danes had most possession and chances, with Christian Eriksen pulling the strings from midfield, but were unable to turn that into a goal in their third draw of the tournament. They will await UEFA confirmation of whether they came second or third in the group - affecting who they face in the last 16 - depending on disciplinary points or rankings versus Slovenia. Serbia defended stoutly for long periods, but could not provide opportunities for veteran striker Aleksandar Mitrovic who appealed unsuccessfully for a penalty several times. They came fourth in the group with two points from two draws.

Mbappe, Lewandowski score penalties as France, Poland draw at Euro 2024

DORTMUND. Kylian Mbappe scored a penalty on his return after breaking his nose but Robert Lewandowski's reply meant France and Poland drew 1-1 in their final group game at Euro 2024 on Tuesday.

The result in Dortmund, combined with Austria's 3-2 victory over the Netherlands at the same time, saw France finish second in Group D with one win and two draws.

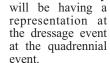
France will now head to Duesseldorf for a last-16 tie next Monday against the runners-up in Group E, which could be Belgium, Romania, Slovakia or Ukraine."We have to appreciate what we did. We're qualified. We know when we're playing next (July 1), even if we don't know against who exactly," said France coach Didier Deschamps."We've achieved our first objective. Even if we don't have the spot we were aiming for because we are second. A new competition is about to start."

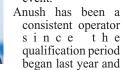
Wearing a mask to protect his injured nose, Mbappe rolled in a spot-kick to put France ahead early in the second half after Ousmane Dembele was brought down. It was Mbappe's first ever goal at a European Championship, and the first scored by a France player at this year's tournament -- their only prior goal came when Austria's Maximilian Woeber put into his own net. Yet Lewandowski, Poland's all-time top scorer who was himself starting for the first time at Euro 2024 after a thigh injury, equalised from a penalty at the other end 11 minutes from time. His first kick was saved by Mike Maignan, but Lewandowski was allowed a retake as the France goalkeeper came off his line before the ball had been struck. France's result is all the more significant as they are now on the same side of the draw as Portugal, Spain and Germany, which they would have avoided by topping the group.

Often imprecise and lacking in intensity here, the 2022 World Cup runners-up will certainly need to improve on this performance, and their previous group outings, if they are to win the competition.

EFI picks Anush over Shruti for Paris Games

NEW DELHI. The Equestrian Federation of India (EFI) has picked Anush Agarwalla to represent the country at the upcoming Paris Games in the dressage event after he pipped close contender Shruti Vora on better average after a careful evaluation of their recent performances. The decision was taken unanimously by the Executive Council with the federation president handing his stamp of approval. It will be the first time the country





had achieved Minimum Eligibility Requirement (MER) four times while veteran Shruti earned the required two MERs this month. According to the federation, Anush was given the nod as he

had a better average score of 67.695 %.

Shruti's average was 67.163 % As per the criteria set by the EFI, a rider-horse combination is required to achieve a minimum of 67% twice between January 1, 2023 and June 24, 2024 to be eligible for the Paris Games qualification. According to EFI selection criteria, if more than one athlete is eligible then the athlete with the highest average in Grand Prix out of the best four events in the past one year shall be chosen to participate. Scores at only FEI level competitions 3* and above are counted.

Copa America: Lautaro Martinez' late goal helps Argentina reach quarters with Chile win

- ▲ Argentina defeated Chile 1-0 to make to the quarters
- Lautaro scored the match-winner in the 88th minute
- Argentina play Peru in Miami in their final group gamea

New Delhi. Argentina became the first side to book passage into the Copa America quarterfinals after a late strike from Lautaro Martinez earned them a 1-0 Group A victory over Chile on Tuesday. The defending champions had to wait until the 88th minute for the winner. Giovani Lo Celso's shot was saved by Chile's Claudio Bravo after a Lionel Messi corner kick but Martinez was on hand to fire home the rebound. The goal stood after a lengthy VAR review for offside. Argentina top the group with six points after two matches, with Canada in second on three following their 1-0 win over Peru earlier on Tuesday. Chile and Peru have one point each."These matches are always like this, we have to continue in the same way, treating the matches in this way, as they are all going to be complicated," Martinez told TyC



Sports."Everything was tight, they set up lines of five at times ... but we are happy that at the end of the day we ended up taking the three points, which is what we wanted to start with."The loss extended Chile's winless streak against Argentina in the Copa America to 30 matches. Chile have won the Copa twice but have never beaten Argentina in regulation time at the tournament, getting

the better of them on penalties in the final of the 2015 and 2016 editions. There was little to separate the two in a cautious opening spell at MetLife Stadium but once Argentina got going it quickly turned into a one-sided contest. Julian Alvarez and Nicolas Gonzalez tested keeper Bravo with tame efforts, while Rodrigo de Paul smashed a swerving right-foot effort just over the

crossbar. Captain Messi, who played a role in both of Argentina's goals in their opening win over Canada, was once again at his brilliant best and nearly opened the scoring in the 36th minute with a powerful low drive that hit the post.Argentina kept up the pressure in the second half and Alexis Mac Allister was unable to connect with a pin-point free kick from Messi to spurn a giltedged opportunity. Rodrigo Echeverria recorded Chile's first shot of the match in the 72nd minute, a powerful strike from distance which was kept out by Emiliano Martinez. The Argentine goalkeeper, who barely had anything to do for over an hour, found himself called into action twice more over the next few minutes, keeping out efforts from Echeverria and Marcelino Nunez.

Just as it looked like the 15-times Copa America champions would be made to rue their missed chances, substitute Martinez's goal ensured victory and a top-two spot in the group. The defending champions had the chance to kill the game off in stoppage time with a two-on-one break but Martinez fired a close range shot straight at Bravo."We have a tough group, very evenly matched, we had chances to score," Bravo said. "The next opponent is going to be tough like these two we've had."In the group's final fixtures on Saturday, Argentina play Peru in Miami while Chile take on Canada in Orlando.

Jasprit Bumrah bowling like it's a video game: Arshdeep on help from star pacer

New Delhi. Arshdeep Singh has revealed how Jasprit Bumrah's 'video game' type economical bowling has helped him get more wickets during the T20 World Cup 2024 as India reached the semi-final once again. Bumrah and Arshdeep have been the main pacers for India with the latter being amongst the leading wickettakers in the tournament. Speaking after the Australia win,

Arshdeep had credited Bumrah for his success and the pacer continued to sing the praises of his senior partner. In an interaction with Kuldeep Yadav, Arsheep said that things haven't been that difficult for him with Bumrah operating from the other end. The left-arm pacer feels the pressure from Bumrah forces the batters to go hard at him and play high-risk shots,

which helps him get wickets."I don't think

it has been that difficult for me. The way



Jasprit (Bumrah) bhai is bowling, it's like it's from a video game, especially with the economy he is bowling at.""So all the pressure that is on the batters, they try to take it out on me. They try to play highrisk shots, and I end up getting wickets. So a lot of credit goes to him," said Arshdeep. Arshdeep also feels he is getting a lot of support from the rest of the bowling, who have been doing well in partnerships.

And all the other bowlers we have is also helping me out. They're bowling in partnerships. One is stopping runs from one end and the other is getting wickets. So as a bowling unit, everyone is clicking well and the support is good," said Arshdeep.

Bumrah-Arshdeep connection in T20 World Cup 2024

Both Bumrah and Arshdeep have been sensational for India, especially in the powerplay overs. Bumrah produced Player Of The Match performances in the first two matches against Ireland and Pakistan, with an exceptional economyrate.Bumrah has picked up 11 wickets from 6 matches with an economy rate of 4.08. Arshdeep, on the other hand, has picked up 15 wickets from 6 matches and

SA vs AFG, T20 World Cup semis: South Africa out to improve baffling knockout record

New Delhi. South Africa will look to overcome their jittery knockout run when they take on a spirited Afghanistan side in the first semi-final of the men's T20 World Cup 2024 in Trinidad on Thursday, June 27. Having remained unbeaten so far in the tournament, the Proteas will look to end the long-standing jinx of not having won a World Cup semi-final yet. Yes, you read that right!History does not favour South Africa in one of the much-anticipated T20 World Cup clashes, which will be held at the Brian Lara Stadium in Trinidad. In 10 appearances in the knockout stages of men's World Cups, South Africa have managed to win only one match. The rare win came in the quarter-final of the 2015 World Cup when a Proteas side led by Faf du Plessis defeated Sri Lanka in Sydney.South Africa in men's World Cup knockout matches: Played - 10, Won 1, Lost 8 and Tied - 1. However, the Aiden Markram-led South Africa side doesn't seem to carry the baggage of the past in the USA



and the Caribbean. Only two players from the 2015 World Cup squad feature in the current side -- David Miller and Quinton de Kock -- with both of them being serial winners of franchise-based T20 titles. South Africa have shown enough signs that they are mentally geared up to close out tight games this time around. Out of the 10 meetings in the World Cup knockout matches, South Africa have gone down thrice against Australia -- including the infamous tied game of the 1999 World Cup semifinal. The Proteas, now, have the advantage of not facing Australia, thanks to Afghanistan and India, who knocked Mitchell Marsh's side out of the competition in the Super 8 stage.

England top Euros group but disappoint again in Slovenia stalemate

COLOGNE. England manager Gareth Southgate was met with boos and beer cups thrown by his own fans despite his team topping Group C as Slovenia also progressed to the knockout stages of Euro 2024 thanks to a 0-0 draw in Cologne.

The Three Lions were already assured of a place in the last 16 but can expect more criticism after failing to improve on underwhelming performances in edging past Serbia and drawing with Denmark.

"I get it that they are not happy with me, that is the reality. I am not going to back away from that. I need them behind the team," Southgate said of the supporters' reaction.

"I was not going to back away from going over to thank people for coming and giving the support that they did, but I know that this is causing an issue for the group."

England will have to wait until Wednesday's final group games to find out which of the four best third-placed teams they will face in the last 16.But more questions will be asked over one of the favourites' ability to end a 58year wait for major tournament glory as a

star-studded forward line was snuffed out by Slovenia."I thought we played a lot better than the other games. We couldn't just find that finish but we look forward to the next one," said England captain Harry Kane. Southgate made a statement with his team selection, resisting the calls to make mass changes as Conor Gallagher replaced Trent Alexander-Arnold in the only alteration from the opening two games. If the England boss was looking for a reaction by showing faith in the other 10 who have started all three matches in Germany, he was left disappointed.Slovenia are now nine games unbeaten, which included beating Portugal 2-0 in a pre-tournament friendly.Declan Rice had highlighted Benjamin Sesko as their big threat on Monday.Sesko could have been lining up alongside Rice at Arsenal next season had he not shunned interest to extend his contract at RB Leipzig. The 21-year-old shrugged off a thigh injury to start and had the first chance of the game when he tamely headed straight at Jordan Pickford four minutes

in.Slovenian celebrationsIt took 20 minutes for England to pose a serious threat and only the offside flag denied them a slick opening goal.Rice picked out Phil Foden's run but the Manchester City midfielder had strayed beyond the Slovenian defence before squaring for Bukayo Saka to tap in.Southgate took action at the break as Gallagher was replaced by Kobbie Mainoo. The 19-yearold added some much needed thrust to the England midfield but they still struggled to turn dominance in possession into chances.Kane saw a header cleared by Sesko from a corner and Rice flashed a shot wide from the edge of the box. Southgate answered the call to give Cole Palmer his first minutes of the tournament in the final 20 minutes. The Chelsea midfielder, who scored 26 goals at club level this season, had England's only shot on target of the second half but failed to seriously test veteran goalkeeper Jan

Leading from the front: How Rohit Sharma has inspired a new Indian approach

Rohit Sharma is making a run for the T20 World Cup trophy with his aggressive approach. But the Indian captain is making sure that none of his teammates are left behind and making them run alongside him with the new Indian team approach.

NEW DELHI. In T20 I don't believe we need to get fifties and hundreds, what matters is the pressure you put on the bowlers. All the batters from the word go played like that and that's how we want to play as well."These were the words of a proud and happy Rohit Sharma after India outclassed Bangladesh in a Super 8 clash on June 22. The Indian

5th gear from the get-go. He scored 23 off 11balls, with a strike-rate of 209.09. Fans were left wanting more from the India captain, and a few days later he delivered in the biggest match of the tournament so far. Rohit scored 92 runs against Australia off just 41 balls, and with a strike-rate of over 224.

This was the same intent he showed in the ODI World Cup, but the team couldn't keep the pace up with him during that time. Now, Rohit is making his team run alongside him in the race as India gear up for another semifinal in the T20 World Cup 2024. The remarkable change in the batting unit has been the fact that no one of the batters are trying to wait and settle in. This was seen even in the US as Indian batters followed the simple mantra, "see ball, hit ball." And the message has quite literally come from the top of the order with Rohit showing the way. But how has the rest of the side started to run along with their skipper? Paul Collingwood seemingly knows how Rohit has been able to make this change.

skipper that day led from the front and was in All about strike-rate and impact



Speaking in the Star Sports Press Room, Collingwood said that the message in the changing room and the ones outside it from the captain has been pretty clear. The former all-rounder feels that Rohit wants his players to focus on the strike-rate and create an impact on the game."The messaging is pretty clear from Rohit Sharma. Be it the messaging in the change room, but some of the messages I have seen in the press conferences where he said it's not about personal milestones, it's about strike rate and about having an impact on the game. All these things are huge when it comes to the

players having the belief that the captain and the coaches are 100 percent behind them to have an impact on the game," said Collingwood.Collingwood feels that India has had a massive change because of this as they have gone from best chasers in the game to a dangerous unit when it comes to setting targets. He further commented that India are now following what England used to do under Eoin Morgan and trying to attack from ball one.I think it's been a massive change in the Indian cricket team. They have always been one of the best chasers in T20 cricket. Virat Kohli, at the top of the order, once he knows what rhythm and tempo he is going to play, he has been one of the best chasers.""But I have seen a massive switch in the approach, especially when they are setting targets. They really want to be aggressive from the first ball. England have been doing this for 6-7 years since Eoin Morgan took over back in 2016. They have this kind of really go out and be aggressive from Ball 1 kind of stuff. It seems that they set the benchmark and other teams are trying to follow that and India is no different.

Thursday, 27 June 2024

Lakshmi Wanchu's

Shimmer Silver Gown Is Party Look Done Right

Lakshmi Manchu is a prominent face in the South film industry. The diva is known for her roles as an actress, producer, and television personality. She is a true fashionista and always enthrals fans with her pictures and videos that often go viral. Recently, she attended an award show, where she received an award for her NGO, Teach For Change. Taking to social media, Lakshmi Manchu posted a series of pictures from the award show. She can be seen in a shimmer bodycon silver gown, which she accessorised with a pair of matching earrings. Lakshmi Manchu kept her hair open and opted for bold makeup. Fans expressed their love in the comment section, while many dropped red heart emojis. This is not the first time she set the internet on fire. In the past also, she shared photos on her account that made her fans spellbound.Lakshmi Manchu penned a note of thanks to the organisers for recognising the work of Teach For Change. "Thank you, @middayindia Awards, for recognising the work of @teach for change. I wouldn't be standing here holding this award without the unwavering support of all the actors and individuals who have

tirelessly worked alongside me to raise funds and awareness," her post read.

Lakshmi Manchu dedicated the award to every one of you who has supported them in the past. She also mentioned that they have opened 643 classrooms. "This award is for each and every one of you who have



the past. Because of your dedication and commitment, we are stronger and growing more than ever today. Your belief in our mission has been the cornerstone of our success, and together, we are making a tangible difference in the lives of countless

opportunities. Thank you for being part of this journey. Let's continue to inspire, educate, and empower the next generation," her post further mentioned. Lakshmi Manchu rose to stardom with films like Dead Air, Gundello Godari, Anaganaga O Dheerudu and Chandamama Kathalu.

She last appeared in the film Monster, which failed to become a super hit at the box office. Currently, Lakshmi is busy with TV shows, movies and web series. She is now prepared for her upcoming films like Adiparvam, Lechindi Mahila Lokam and Agni Nakshatram.

Nirosha Radha's

Comeback With This Rajinikanth
Film Went Unnoticed

Many vesteryear lead actresses have, in recent times, made successful comebacks to films with supporting roles in movies. These include actresses like Vijayshanti, Bhanupriya and Ramya Krishnan, who have all started their second innings in the Tamil as well as Telugu film industries. One of their contemporaries, Nirosha Radha is also in need of a comeback film. She had received an opportunity with the Rajinikanth-starrer Laal Salaam, but the movie's lukewarm response and underperformance at the box office has led to a missed opportunity on her part. Reportedly, the film's failure has resulted in no further offers for her from the industry. Nirosha started her career in 1988 with Mani Ratnam's Agni Natchathiram, which was a runaway success. She appeared in



films like Soora Samhaaram, Senthoora Poove and Paravaigal Palavitham in quick succession in the same year, a unique feat for a newcomer. These films established her as a bankable actress in the Tamil film industry. For the next decade, she delivered many hits and also dabbled with all the other three South Indian film industries. Nirosha's films with Rajendra Prasad and Mohan Babu in the action genre were quite successful at the box office. After getting married to

actor Ramki in 1995,

Nirosha toned down on the number of films she appeared in and then took a hiatus from acting. Her post marriage films, where she shifted to supporting roles, were not too successful. Last year, she received an offer to appear as Rajinikanth's wife in the much hyped sports drama film Laal Salaam. In an interview, Nirosha said that one of the main reasons that she had taken up the role was because Rajinikanth's daughter, Aishwariya Rajinikanth was directing it. Both she and Rajinikanth had limited screen time in the film, and her performance was appreciated.



Armaan Malik Compares Himself To Sidharth Shukla, Bigg Boss OTT 3 Contestant Says 'We Both Are Very Alike'



Armaan Malik has compared himself to the late actor Sidharth Shukla. The YouTuber, who is currently in the Bigg Boss OTT 3 house, spoke to a media portal before entering the controversial reality show, when he shared that he felt the most "connected" with Sidharth. Shukla, who was the winner of Bigg Boss 13, passed away in September 2021."From the previous 'Bigg Boss' seasons, my personality is very similar to that of Siddharth Shukla's. He was one contestant whose personality I really connected with, and I also feel that we both are very alike in a way that we keep to ourselves. He was someone who was usually calm and kept to himself unless provoked and I feel that's also me as a person. He has been one of the contestants whose journey I have followed and felt the most connection with," Armaan told India Today. Armaan is in the Bigg Boss OTT 3 house with both his wives, Payal Malik and Kritika Malik. Ever since it was announced that the YouTuber will participate in the show as a trio, several people have questioned his decision. Therefore, talking about the controversies surrounding his marital status, Armaan added, "If someone is genuinely curious and wants to know about our life, how we three have managed to live as one family, then I'd be happy to share my story with them. There's no issue with people inside the house being curious about our set-up. However, if someone talks in a derogatory manner or chooses to pick a fight for no reason, then I'm capable of giving it back to them in the exact same tone and manner."

Armaan further shared that he wants his fans to see his "real side" via Bigg Boss OTT 3. "Everyone will get to see how I behave and react to situations that crop up, how my response will be towards the other contestants in the house and what my decision-making skills are," he said. Besides Armaan, other contestants who are inside the Bigg Boss OTT 3 house are, Love Kataria, Deepak Chaurasia, Munisha Khatwani, Sai Ketan Rao, Vada Pav Girl aka Chandrika Gera Dixit, Sana Makbul, Shivani Kumari, Paulomi Das, Ranvir Shorey, Sana Sultan, Vishal Pandey, Naezy and Neeraj Goyat. The show is hosted by Anil Kapoor and streams

Happy Birthday, Karisma Kapoor: When The Actress Saved Her Debut Film Costar From Drowning



One of the most successful Bollywood actresses Karisma Kapoor has turned 50 today. Belonging to the star-studded Kapoor family, she never relied on her peers' support to make big in the film industry. She was one of the highest-paid actresses in the 90s. She played the leading lady in several box-office hits including Jigar, Anari, Andaz Apna Apna, Raja Babu, Coolie No 1, Jeet and Saajan Chale Sasural. She starred in the lead role in the top-grossing films of the 90s like Raja Hindustani and Dil To Pagal Hai and established herself as a star. The leading lady who made the careers of many actors once saved the life of her co-actor. It was her debut film Prem Qaidi and the actor was Harish Kumar.

Karisma Kapoor debuted with the film Prem Qaidi in 1991. It was directed by K Murali Mohana and starred Harish Kumar apart from Karisma Kapoor in the lead roles. In a recent revelation, actor Harish Kumar shared how Karisma Kapoor saved him from drowning during a shooting of a scene in the film. Recalling the incident, he said that there was a scene which was supposed to be shot in which he had to jump into a swimming pool to save Karisma Kapoor from drowning. "In reality, she was the one who saved me because I did not know how to swim," said Harish Kumar while talking to the media.

I was about to drown, in fact, I was drowning, but people on set thought I was playing a prank, so no one helped me except Karisma. She held me and I held onto her clothes. So all this used to also happen in nineties Bollywood," Harish Kumar recalled. Interestingly, Karisma Kapoor was only 17 years old, while Harish Kumar was a year younger in the

Apart from the lead roles, actors Dalip Tahil, Paresh Rawal, Asrani, Shafi Inamdar and Bharat Bhushan are in prominent roles.